रविवार
07 जून
वर्ष-1
अंक-25

रफ्तार मीडिया

RANCHI, चैत्र कृष्ण पक्ष-12 | ₹04 | RNI No.-JHHIN/26/A3481 | www.raftaarmedia.com

पीएम मोदी ने दिया ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों पर बल

पीएम-इकोनॉमिक एडवायजरी काउंसिल के सदस्यों के साथ बैठक की, भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ को और बढ़ाने के लिए कई आइडिया और उपायों पर चर्चा की

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम-इकोनॉमिक एडवायजरी काउंसिल के सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में पीएम मोदी और इकोनॉमिक एडवायजरी काउंसिल के सदस्यों ने ग्लोबल उथल-पुथल के समय भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ को और बढ़ाने के लिए कई आइडिया और उपायों पर चर्चा की।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस सुधारों पर जोर: 'ईज ऑफ लिविंग' और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' में सुधार के लिए कई बदलावों पर भी चर्चा हुई। सदस्यों ने वेस्ट एशिया में चल रहे टकराव का भारत और दुनिया पर पड़ने वाले असर के बारे में भी अपनी राय दी। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं जियोपॉलिटिकल तनाव, व्यापार से जुड़ी अनिश्चितताओं और असमान ग्रोथ ट्रेंड से जूझ रही है।

पीएम मोदी की नागरिकों से अपील
पिछले महीने, पीएम मोदी ने नागरिकों से अपील की थी कि वे वेस्ट एशिया टकराव के बीच इम्पोर्टेड फ्यूल पर निर्भरता कम करके और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाकर इकोनॉमिक मजबूती में योगदान दें। पीएम मोदी ने नागरिकों से 'वर्क फ्रॉम होम' को प्राथमिकता देने, फ्यूल की खपत कम करने, एक साल तक विदेश यात्रा से बचने, स्वदेशी प्रोडक्ट्स अपनाने, खाना पकाने के तेल का इस्तेमाल कम करने, नेचुरल फार्मिंग की ओर बढ़ने और सोना खरीदने में कमी लाने का आग्रह किया। उन्होंने नागरिकों से पेट्रोल और डीजल की खपत कम करने के लिए कहा कि जहां भी उपलब्ध हो मेट्रो और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें, निजी गाड़ियों की जरूरत होने पर कारपूलिंग चुनें, सामान लाने-ले जाने के लिए रेलवे ट्रांसपोर्ट को प्राथमिकता दें और जहां भी संभव हो इलेक्ट्रिक गाड़ियों का

अंडमान के समुद्र में मिला नैचुरल गैस का बड़ा भंडार: पेट्रोलियम मंत्री

नई दिल्ली। भारत के एनर्जी सेक्टर को लेकर एक गुड न्यूज सामने आई है। देश की सरकारी तेल कंपनी आयल इंडिया लिमिटेड ने अंडमान अपतटीय बेसिन में प्राकृतिक गैस का एक बड़ा भंडार खोज निकाला है। इस बात की जानकारी केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने दी है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने लिखा कि अंडमान निकोबार द्वीपों से 15 किलोमीटर दूर श्री विजय पुरम-3 में हमें प्राकृतिक गैस के भंडार मिले हैं। यह कुआं पानी में करीब 1900 मीटर गहराई में स्थिति हैं। शुरूआती टेस्टिंग के दौरान लगातार गैस जलने से गैस की मौजूदगी की पुष्टि हुई है। गैस के नमूने की जांच के लिए उसे लैबोरेट्री में भेजा गया है। यह खोज प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2025 पर घोषित समुद्र मंथन मिशन के उद्देश्यों को मजबूती प्रदान करती है।

तीन कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है

आयल इंडिया द्वारा अंडमान बेसिन में अब तक खोदे गए तीन कुओं में से दो में हाइड्रोकार्बन की उपस्थिति दर्ज की जा चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सफलता भारत को वैश्विक ऊर्जा कंपनियों के साथ सहयोग बढ़ाने और गहरे समुद्री ऊर्जा संसाधनों के दोहन में नई संभावनाएं प्रदान करेगी। सरकारी तेल कंपनी आयल इंडिया ने बताया कि अंडमान के समुद्री इलाके में एक नए कुएं विजयपुरम-1 में नेचुरल गैस मिली है। यह कुआं भारत सरकार की ओपन एकरेज लाइसेंसिंग पॉलिसी के तहत खोदा गया है। यह कुआं अंडमान द्वीप के पूर्वी किनारे से करीब 15 किलोमीटर दूर समुद्र में स्थिति है। यहां पानी की गहराई 355 मीटर है। ऑयल इंडिया की टीम ने इस जगह पर 1900 मीटर से भी ज्यादा गहराई तक खुदाई की, जिससे वहां पुराने इयोसीन लेयर में गैस के बारे में पता चला।

पीएम सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे: शाह

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में देश द्वारा दर्ज की गई 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए सुधार आर्थिक समृद्धि को लगातार बढ़ावा दे रहे हैं, जिससे भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। एक्स पर एक पोस्ट में अमित शाह ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया आर्थिक संकट से जूझ रही है, भारत की 7.7 प्रतिशत की विकास दर दुनिया के प्रमुख अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक है, जो पिछले 12 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था द्वारा हासिल की गई मजबूती का प्रमाण है। चाहे महामारी हो या युद्ध, मोदी जी की दूरदर्शी नीतियां ही देश को हर चुनौती से सुरक्षित रूप से पार करा रही हैं। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने जीडीपी वृद्धि आंकड़ों का हवाला देते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया और उन्हें सुनामी बताया। जिसने विपक्षी नेता के भारत को बदनाम करने के नवीनतम नापाक प्रयास को बहा दिया दिया है।

आत्मनिर्भर मुहिम को मिलेगी गति

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसके लॉन्ग टर्म में फायदों के बारे में बताते हुए खुशी जाहिर की है। हरदीप सिंह पुरी के अनुसार, घरेलू स्तर पर गैस की खोज बढ़ने से देश ना केवल एनर्जी सेक्टर में आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि विदेशी करेंसी की भी बचत होगी।

2025 में हुई थी पुष्टि
बता दें कि यह कोई तुक्का खोज नहीं है, बल्कि ऑयल इंडिया की सोची-समझी प्लानिंग का नतीजा है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी कंपनी ने अपने दूसरे कुएं विजयपुरम-2 में भी नेचुरल गैस होने की पुष्टि की थी।

इस खोज से विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी और देश की आत्मनिर्भर मुहिम को गति मिलेगी। नेचुरल गैस का ज्यादा इस्तेमाल खाद बनाने और बिजली बनाने के लिए किया जाता है। इससे किसानों को सस्ती खाद मिल सकेगी और आम नागरिक के लिए बिजली भी कम रेट में मिल सकेगी।

इसके अलावा इस खोज के जरिए अंडमान का इंफ्रा मजबूत होगा और लोकल लेवल पर नई नौकरियों के अवसर मिलेंगे।

नीट-यूजी पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और बिक्री के दावे फर्जी: एनटीए

नई दिल्ली
राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शनिवार को सोशल मीडिया और विभिन्न मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित उन दावों को पूरी तरह फर्जी और भ्रामक बताया है, जिनमें नीट (यूजी) 2026 पुनर्परीक्षा के प्रश्नपत्र के लीक होने, पहले से उपलब्ध होने या बिक्री किए जाने की बात कही जा रही है। एनटीए ने एक बयान में कहा कि इस प्रकार की अफवाहें संगठित नकल एवं ठगी गिरोहों द्वारा फैलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य छात्रों और उनके अभिभावकों की चिंता का फायदा उठाकर उनसे पैसे ऐंठना है। एजेंसी ने स्पष्ट किया कि प्रश्नपत्र लीक या बिक्री से जुड़े सभी दावे पूरी तरह मनगढ़ंत हैं। एनटीए के अनुसार परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और सुरक्षा पूरी तरह बरकरार है तथा परीक्षा को सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से आयोजित करने के लिए सभी आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। एजेंसी ने बताया कि ऐसे भ्रामक संदेश फैलाने वाले चैनलों, सोशल मीडिया खातों और सामग्री की पहचान कर उन्हें संबंधित प्लेटफॉर्म तथा साइबर अपराध एजेंसियों को रिपोर्ट किया जा रहा है, ताकि तत्काल कार्रवाई की जा सके। एनटीए ने यह भी कहा कि इस मामले में कानून-प्रवर्तन और साइबर अपराध अधिकारियों के पास औपचारिक शिकायत दर्ज कराई जा रही है। फर्जी सामग्री तैयार करना, प्रसारित करना या उसे आगे बढ़ाना तथा छात्रों को ठगने का प्रयास करना गंभीर दंडनीय अपराध है, जिसके लिए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एजेंसी ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी संदेश पर विश्वास न करें, किसी को पैसे न दें और न ही ऐसी सामग्री को आगे साझा करें। एनटीए ने कहा कि नीट (यूजी) 2026 से जुड़ी सभी आधिकारिक जानकारियों के लिए केवल एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट और सत्यापित माध्यमों पर ही भरोसा किया जाना चाहिए। किसी भी महत्वपूर्ण सूचना की घोषणा केवल आधिकारिक चैनलों के माध्यम से ही की जाएगी।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 शृंखला के लिए भारतीय टीम घोषित, अय्यर बने कप्तान

नई दिल्ली
भारतीय टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक नए दौर की शुरूआत होने जा रही है। इस बदलाव के केंद्र में हैं श्रेयस अय्यर, जिन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने सूर्यकुमार यादव का स्थान लिया है। विशेष बात यह है कि ढाई वर्ष से अधिक समय बाद श्रेयस अय्यर की भारतीय टी-20 टीम में वापसी हुई है और वापसी के साथ ही उन्हें कप्तानी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। श्रेयस अय्यर की यह वापसी काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि कुछ समय पहले तक उनका अंतरराष्ट्रीय भविष्य अनिश्चित दिखाई दे रहा था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन, सभी प्रारूपों में निरंतर योगदान और इंडियन प्रीमियर लीग में प्रभावशाली खेल ने उन्हें दोबारा चयनकर्ताओं की योजनाओं में शामिल कर दिया।

टीम प्रबंधन ने तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया है और उन्हें भविष्य के नेतृत्व विकल्प के रूप में देखा जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में तिलक ने लगातार अपने खेल में सुधार किया है और अब उन्हें भारत की सीमित ओवरों की भविष्य की योजनाओं का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है। इस टीम का सबसे चर्चित नाम 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी हैं।

भारत-अफगानिस्तान टेस्ट: राहुल-गिल के शतकों से भारत मजबूत स्थिति में

न्यू चंडीगढ़
सलामी बल्लेबाज केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल के शानदार शतकों की बदौलत भारतीय टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन मजबूत पकड़ बना ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ने 85 ओवर में 3 विकेट पर 368 रन बना लिए हैं। पहली बार पुरुष टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहे न्यू चंडीगढ़ में गर्म मौसम के बीच भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। हालांकि शुरूआती ओवरों में अफगानिस्तान के तेज गेंदबाजों ने मुश्किलें खड़ी कीं। अजमतुल्लाह उमरजई और मोहम्मद सलीम ने नई गेंद से असमान उछाल और स्विंग हासिल करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया। इसी दौरान केएल राहुल 16 रन पर जीवनदान भी पा गए, जब जियाउर अहमद की गेंद पर विकेटकीपर के पास कैच गया लेकिन अफगानिस्तान ने डीआरएस नहीं लिया। बाद में रिप्ले में राहुल के बल्ले का किनारा दिखाई दिया।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत : डॉ मांडविया

नई दिल्ली
राजधानी दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित यूथ फॉर विकसित भारतः माय भारत युवा सम्मेलन में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि भारत के युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं और विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में उनकी भूमिका निर्णायक होगी। सम्मेलन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी मौजूद रहीं।

देशभर से आए 6,000 से अधिक युवाओं ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इनमें छात्र, युवा पेशेवर, उद्यमी, नवोन्मेषक, कंटेंट क्रिएटर, स्वयंसेवक और विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाले युवा शामिल थे। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करना और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को मजबूत करना था। डॉ मांडविया ने कहा कि भारत की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो देश के लिए एक बड़ी जनसांख्यिकीय ताकत है।

पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच कैप्टन अमरिंदर सिंह ने अमित शाह से की मुलाकात

नई दिल्ली
शिरोमणि अकाली दल के भीतर मचे घमासान और भारतीय जनता पार्टी को छोड़ने की अटकलों के बीच पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पटियाला के महाराजा कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा से भी भेंट की। मुलाकात के बाद कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह के साथ पंजाब के हितों और राज्य से संबंधित कई अहम विषयों पर विचार-विमर्श किया। पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ अपनी मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए एक्स पर लिखा कि आज नई दिल्ली में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा जी से मुलाकात की और पंजाब से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

उल्लेखनीय है कि पंजाब भाजपा में नए प्रदेश अध्यक्ष के रूप में सरदार केवल सिंह ढिल्लों की नियुक्ति को लेकर कैप्टन अमरिंदर नाराज चल रहे हैं। कैप्टन अमरिंदर सिंह हाल के दिनों में कई बार सार्वजनिक तौर पर पार्टी में अपनी बात नहीं सुने जाने का मुद्दा उठा चुके हैं। वे कई मंचों पर पार्टी के साथ नाराजगी जता चुके हैं। इस नाराजगी की जानकारी हाल ही में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के उस बयान ने दी जिसमें उन्होंने कहा था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह उनके संपर्क में हैं और दोनों पुराने मित्र हैं। इसके बाद कैप्टन की कांग्रेस में वापसी को लेकर भी चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया था।

राज्यसभा चुनावः JMM की एक सीट पर बैजनाथ राम तय, कांग्रेस ने CM के सामने रखी बात

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर रांची

रांचीः राज्यसभा चुनाव को लेकर झारखंड में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। हाई वोल्टेज मीटिंग के बाद झामुमो ने एक सीट पर पूर्व मंत्री बैजनाथ राम का नाम तय कर दिया है। वहीं कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सामने अपनी बात रखी। झामुमो मंत्री और विधायकों ने कहा कि मीटिंग काफी पॉजिटिव रही। झामुमो ने साफ किया कि दूसरी सीट के प्रत्याशी का नाम भी जल्द घोषित किया जाएगा। पार्टी का दावा है कि दोनों राज्यसभा सीटों पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। नाम तय होने के बाद बैजनाथ राम ने कहा, "झारखंड मुक्ति मोर्चा ने मेरे ऊपर विश्वास जताया है। उस विश्वास पर मैं खरा उतरूंगा। राज्यसभा में झारखंड के विकास के मुद्दों को और तेजी से रखूंगा।" वहीं मंत्री हफीजुल हसन अंसारी ने कहा, "एक सीट पर माननीय मुख्यमंत्री ने अपनी बात रख दी है। दूसरी सीट पर भी जल्द ही निर्णय लिया जा रहा है। गठबंधन में सब ठीक है।" कांग्रेस ने भी

मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में अपना पक्ष रखा। हालांकि झामुमो दोनों सीटों पर लड़ने की अटल नीति पर कायम है। राजद के 4 विधायकों के समर्थन के बाद झामुमो का आंकड़ा 38 पहुंच गया है। माले के 2 विधायक भी साथ हैं। एक सीट जीतने के लिए 27 वोट चाहिए। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि झामुमो की पहली सीट पक्की है। दूसरी सीट को लेकर कांग्रेस और झामुमो में खींचतान जारी है। कांग्रेस ने प्रणव झा को उम्मीदवार बनाया है लेकिन 16 विधायकों के साथ उसकी राह मुश्किल है।

: राज्यसभा समीकरण
- कुल सीटः 2
- JMM का दावाः दोनों सीट पर चुनाव लड़ेंगे
- पहला नाम तयः बैजनाथ राम, पूर्व मंत्री
- JMM की ताकतः 34 + फखऊ 4 + माले 2 = 40 विधायक
- जीत का आंकड़ाः 27 वोट
- कांग्रेसः 16 विधायक, प्रणव झा उम्मीदवार
- बीजेपीः 21 विधायक

सलूजा गोल्ड ने लिया रांची टाईटन्स का फ्रेंचाईजी, झारखंड के गांव-गांव से नए क्रिकेटरों को तैयार करना लक्ष्यः अमरजीत सिंह

गिरिडीह। झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग 2026 टूनामेंट को लेकर गिरिडीह के सलूजा गोल्ड ने बड़ा कदम उठाया है। सलूजा गोल्ड टीएमटी के निदेशक डॉ अमरजीत सिंह सलूजा ने रांची टाईटन के नाम से फ्रेंचाईजी ली है। उंची बोली लगाकर एक से बढ़कर एक क्रिकेटरों को अपनी टीम में शामिल किया है। इसको लेकर शनिवार शाम सलूजा गोल्ड टीमएटी की ओर से एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। जिसमें सलूजा गोल्ड टीएमटी के निदेशक डॉ अमरजीत सिंह सलूजा के साथ-साथ सतविंदर सिंह सलूजा, तरणजीत सिंह सलूजा समेत रांची टाईटन्स टीम के खिलाड़ी, मैनेजर व कोच मौजूद थे। इस दौरान डॉ अमरजीत सिंह सलूजा ने कहा कि गिरिडीह अब रांची टाईटन्स का दूसरा घर है। यहां लोगों का प्यार सबसे बड़ी ताकत है। जो प्यार लोगों ने सलूजा गोल्ड को दिया है। वही प्यार रांची टाईटन्स की टीम को दें। उन्होंने कहा कि रांची टाईटन्स सिर्फ एक क्रिकेट टीम नहीं है बल्कि पूरे झारखंड की पहचान और गौरव टीम है। संथाल परगना से लेकर उत्तरी छोटा नागपुर तक रांची टाईटन्स में पूरे झारखंड की प्रतिभा को एक उचित मंच मिला है। संथाल परगना के उभरते खिलाड़ी प्रिंस मुर्मू का टीम में होना इस बात का प्रमाण है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती है। उन्होंने कहा कि ट्रॉफी जीतना सिर्फ हमारा लक्ष्य नहीं है बल्कि झारखंड के गांव-गांव से नए क्रिकेटरों को तैयार करना उद्देश्य है। मौके पर कोच रतन कुमार, सहायक कोच कौशल किशोर सिंह, टीम मैनेजर रजनीश सहाय, सहायक मैनेजर तरणजीत सिंह आदि मौजूद थे।

रांची टाईटन्स की टीम इस प्रकार हैः-

कप्तान राजनदीप सिंह, उप कप्तान शिखर मोहन, आयुष भारद्वाज, सत्या सेतु, यश पी भगत, कुमार अंकित, श्रेष्ठा, युवराज सिंह, ओम सिंह, आर्यन हुडा, सचिन यादव, युवराज कुमार, मुकेश सिंह, प्रिंस मुर्मू, जतिन पांडेय, सौरभ शेखर, प्रेम कुमार चैरसिया व ईशान ओम आदि शामिल है।

थिरकते कदम, संवरते सपनेः मिहिजाम में सात दिवसीय भरतनाट्यम कार्यशाला संपन्न, प्रतिभागियों को मिले प्रशस्ति पत्र

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

मिहिजाम थाना अंतर्गत आम बागान में आयोजित सात दिवसीय भरतनाट्यम समर कैंप का शनिवार को भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में हिस्सा लेने वाले सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यशाला ने बच्चों को शास्त्रीय नृत्य की बारीकियों से रूबरू कराया। सरोजा पल्लभा नृत्य एकेडमी के तत्वावधान में आयोजित इस कैंप की जानकारी देते हुए एके-डमी की डायरेक्टर पल्लवी राय ने बताया कि कार्यशाला में भरतनाट्यम के तालाम और थ्योरी पर विशेष जोर दिया गया। बच्चों को मुद्राएं, पद संचालन, भाव-भंगिमा और शास्त्रीय संगीत के साथ तालमेल बिठाना सिखाया गया। शनिवार को अंतिम दिन सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की गई। कार्यशाला में शामिल बच्चों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि इस कैंप में उन्हें बहुत कुछ नया सीखने को मिला। अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में भारतीय शास्त्रीय कला के प्रति रुचि बढ़ती है। पल्लवी राय ने कहा भरतनाट्यम जैसे शास्त्रीय नृत्य न सिर्फ कला सिखाते हैं, बल्कि अनुशासन और एकाग्रता भी बढ़ाते हैं। समापन समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक और कला प्रेमी मौजूद रहे।

रानीटांड़ गांव से गालिब अंसारी बैंक अधिकारी बनकर करता था साइबर ठगी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

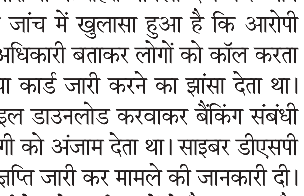

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा पुलिस अधीक्षक शम्भु कुमार सिंह को मिली गुप्त सूचना के आधार पर साइबर अपराध थाना की टीम ने करमाटांड़ थाना क्षेत्र में छापेमारी कर एक साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से तीन मोबाइल फोन और पांच सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।जानकारी के अनुसार, साइबर अपराध थाना के पुलिस निरीक्षक प्रकाश सेठ के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक वैभव सिंह एवं अन्य पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई थी। टीम ने रानीटांड़ गांव स्थित एक अर्धनिर्मित मकान के पास छापेमारी कर साइबर अपराध को अंजाम दे रहे आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गालिब अंसारी, उम्र 38 वर्ष , थाना करमाटांड़, जिला जामताड़ा के रूप में हुई है। इस संबंध में साइबर अपराध थाना में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी स्वयं को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बताकर लोगों को कॉल करता था और क्रेडिट कार्ड बंद होने या नया कार्ड जारी करने का झांसा देता था। इसके बाद वह मोबाइल में एपीके फाइल डाउनलोड करवाकर बैंकिंग संबंधी गोपनीय जानकारी प्राप्त कर साइबर ठगी को अंजाम देता था। साइबर डीएसपी अमित रविदास ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मामले की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी का नेटवर्क देश के कई राज्यों में फैला हुआ है, जिसकी जांच जारी है।

शिकारीपाड़ा में अवैध बालू उत्खनन पर बड़ा एक्शनः अंचलाधिकारी ने ब्राह्मणी नदी से बालू लदे दो ट्रैक्टरों को किया जब्त, माफियाओं में हड़कंप

शिकारीपाड़ा/दुमका / रफ्तार मीडिया।

बालू माफियाओं के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शिकारीपाड़ा के अंचलाधिकारी (उड) कपिल देव ठाकुर ने अवैध बालू परिवहन पर नकेल कसी है। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई के दौरान ब्राह्मणी नदी से अवैध रूप से बालू लादकर ले जा रहे दो ट्रैक्टरों को रंगे हाथों जब्त किया गया है। जप्त किए गए दोनों ट्रैक्टरों को फिलहाल शिकारीपाड़ा ब्लॉक मैदान में सुरक्षित खड़ा करवा दिया गया है, और अंचलाधिकारी के निर्देश पर प्रशासन आगे की कानूनी कार्रवाई

में जुट गया है। इस औचक कार्रवाई से क्षेत्र के बालू माफियाओं और अवैध कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, शिकारीपाड़ा के कजलादहा और उसके आस-पास के नदी घाटों से लंबे समय से बालू का अवैध उत्खनन धड़ल्ले से चल रहा है। बालू माफिया इन घाटों से अवैध रूप से बालू निकालकर उसे सीधे पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल ले जाकर ऊंचे दामों पर बेच देते हैं। माफियाओं का यह जाल इतना सक्रिय है कि हर दिन भोर के तीन बजे से ही सैकड़ों की संख्या में ट्रैक्टर नदी में उतर जाते हैं और अवैध खनन का खेल शुरू हो जाता है। इस काले कारोबार की वजह से सरकार को हर दिन भारी मात्रा में राजस्व की हानि उठानी पड़ रही थी। प्रशासन की इस ताजा कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है, वहीं अंचल अधिकारी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में यह अभियान और तेज होगा।

राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने पर बैजनाथ राम को बधाई, समर्थकों ने जताई प्रसन्नता

रफ्तार मीडिया, बालूमाथ

बालूमाथ बालूमाथ। झारखंड मुक्ति मोर्चा द्वारा पूर्व शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम को राज्यसभा चुनाव का उम्मीदवार घोषित किए जाने के बाद उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है। बालूमाथ क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता मनोज यादव, राजेश यादव तथा झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप गंझु ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।प्रदीप गंझु ने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक अनुभवी, कर्मठ और जनसरोकारों से जुड़े नेता पर विश्वास जताया है। बैजनाथ राम का राजनीतिक अनुभव और

संगठन के प्रति समर्पण राज्यसभा में झारखंड की आवाज को और मजबूत करेगा।मनोज यादव ने कहा कि बैजनाथ राम लंबे समय से जनता के मुद्दों को उठाते रहे हैं और उन्हें प्रशासनिक एवं राजनीतिक क्षेत्र का व्यापक अनुभव प्राप्त है। वहीं राजेश यादव ने कहा कि उनकी उम्मीदवारी से क्षेत्र के लोगों में नई उम्मीद जगी है और उन्हें विश्वास है कि वे राज्य के विकास तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय स्तर पर उठाएंगे।तीनों नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि बैजनाथ राम का सार्वजनिक जीवन संघर्ष, जनसेवा और समाज के प्रति समर्पण का उदाहरण रहा है। राज्यसभा चुनाव के लिए उनकी उम्मीदवारी झारखंड के लिए सकारात्मक संदेश है और इससे क्षेत्र के लोगों की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं।

अंत में उन्होंने बैजनाथ राम को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल राजनीतिक भविष्य की कामना की तथा विश्वास जताया कि वे झारखंड और लातेहार जिले के हितों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे।

प्रशासनिक फेरबदलः पूर्वी टुंडी अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल को मिला टुंडी अंचल के साथ बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का अतिरिक्त प्रभार

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद, (पूर्वी टुंडी / टुंडी) : धनबाद जिले के सीमावर्ती और ग्रामीण इलाकों में प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, सुलभ और गतिशील बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन के स्तर पर एक बड़ा निर्णय लिया गया है। पूर्वी टुंडी के अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल को अब उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ टुंडी के अंचल अधिकारी तथा टुंडी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का भी अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया गया है। इस नए सरकारी आदेश के बाद अब सुरेश प्रसाद वर्णवाल के पास दोनों अंचलों की प्रशासनिक कमान के साथ-साथ महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी जन कल्याणकारी योजनाओं की भी अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी आ गई है।

कार्यभार संभाल कर प्राथमिकताओं पर दिया जोर

उच्च स्तरीय आदेश के बाद अंचल अधिकारी सुरेश प्रसाद वर्णवाल ने विधिवत रूप से अपना नया कार्यभार संभाल लिया है और क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सक्रिय हो गए हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार और जिला प्रशासन ने उन पर जो विश्वास व्यक्त किया है, वे उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए अपनी मुख्य प्राथमिकताएं तय की हैंः

लंबित राजस्व मामलों का त्वरित निष्पादनःदोनों ही अंचलों में भूमि के दाखिल-खारिज (म्यूटेशन), विभिन्न प्रकार के सरकारी प्रमाण पत्रों के निर्गत होने की प्रक्रिया और भूमि विवाद से जुड़े मामलों को गति दी जाएगी ताकि आम जनता को अंचल कार्यालय के चक्कर न काटने पड़ें।

विकास योजनाओं की निरंतर निगरानीः टुंडी और पूर्वी टुंडी क्षेत्र में चल रही सभी छोटी-बड़ी सरकारी बुनियादी विकास योजनाओं को समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरा कराया जाएगा।

कुपोषण मुक्त समाज और सशक्त आंगनबाड़ीः बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का प्रभार मिलने के बाद क्षेत्र में कुपोषण उन्मूलन, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना और सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन को पूरी तरह से पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाएगा।

स्थानीय जनता को मिलेगी राहत, सहकर्मियों ने दी बधाई

सुरेश प्रसाद वर्णवाल की कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली और ईमानदारी को देखते हुए स्थानीय ग्रामीणों, बुद्धिजीवियों और विभागीय सहकर्मियों में इस बात को लेकर काफी हर्ष है कि अब टुंडी अंचल और बाल विकास परियोजना के अटके हुए कार्यों में तेजी आएगी। पदभार ग्रहण करने के अवसर पर कई स्थानीय प्रतिनिधियों और कर्मियों ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर नए दायित्वों के लिए शुभकामनाएं और बधाई दी।

उपायुक्त ने तीन दीदियों के बीच किया टोटो वाहनों का वितरण, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़े कदम

दुमका- जिला जनसंपर्क कार्यालय, दुमका से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को मसलिया प्रखंड कार्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र की तीन दीदियों के बीच टोटो वाहनों का वितरण किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा फीता काटकर किया गया।वाहन वितरण के उपरांत लाभुक दीदियों का उत्साहवर्धन करते हुए उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने कहा कि स्वरोजगार पर आधारित ये योजनाएं ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित हो रही हैं।

ऐसी पहलों से महिलाओं का न सिर्फ सामाजिक स्तर ऊंचा उठ रहा है, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तिकरण को भी बल मिल रहा है। उन्होंने सभी लाभुकों को पूरी लगन, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की सलाह दी, ताकि वे समाज की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकें।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी,अंचलाधिकारी रंजन कुमार यादव, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी के साथ-साथ कई लाभुक दीदियाँ और भारी संख्या में स्थानीय ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सरकार की इस पहल से ग्रामीण महिलाओं में स्वावलंबन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सूत्रों के अनुसारः स्थानांतरण के 11 माह बाद भी बिरनी में डेरा, बेनो स्वास्थ्य केंद्र में सेवा पर उठे सवाल

बिरनी/गिरिडीह।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बिरनी के पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ताज के स्थानांतरण के लगभग 11 माह बाद भी उनके बिरनी में रहने को लेकर क्षेत्र में चचाएं जारी हैं। बताया जाता है कि उनका तबादला पिछले वर्ष सिमडेगा जिले के बेनो स्वास्थ्य केंद्र में किया गया था, लेकिन स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि वे अब भी अधिकांश समय बिरनी में ही बिताते हैं।

सूत्रों का दावा है कि स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद भी डॉ. ताज की गतिविधियां बिरनी क्षेत्र में लगातार देखी जा रही हैं। हालांकि, इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसके बावजूद लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि यदि वे बेनो स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थापित हैं, तो वहां उनकी नियमित उपस्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन किस प्रकार हो रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्थानांतरण के बाद किसी भी अधिकारी को नए पदस्थापन स्थल पर रहकर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। ऐसे में यदि कोई अधिकारी लंबे समय तक पुराने कार्यस्थल के आसपास ही रह रहा है, तो पूरे मामले की जांच होनी चाहिए।

सूत्रों के अनुसार क्षेत्रवासियों ने स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि स्थानांतरण के बावजूद अधिकारी पुराने क्षेत्र में ही सक्रिय हैं, तो यह विभागीय व्यवस्था और कार्यप्रणाली से जुड़ा गंभीर विषय हो सकता है।

तोपचांची में ऋण वितरण शिविर, किसानों और उद्यमियों को मिली बड़ी राहत

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांचीः धनबाद जिले के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, के द्वारा शनिवार को तोपचांची प्रखंड कार्यालय सभागार में कृषि ऋण आउटरीच अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), कृषि उद्यमियों एवं स्वरोजगार से जुड़े लोगों को बैंक की विभिन्न ऋण योजनाओं की जानकारी देना तथा उन्हें वित्तीय सहायता से जोड़ना था।

कार्यक्रम का उद्घाटन क्षेत्रीय प्रमुख दिव्येन्दु कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी एजाज हुसैन अंसारी एवं प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रमुख दिव्येन्दु कुमार ने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ऐसे कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कृषि ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड, डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देते हुए लाभुकों से इनका अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

बीडीओ एजाज हुसैन अंसारी ने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बैंकिंग सहायता के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने कृषि ऋण को रोजगार सृजन का प्रभावी माध्यम बताते हुए महिला सशक्तिकरण और कृषि आधारित उद्योगों के विकास में बैंकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य प्रबंधक वाई. डी. मिश्रा ने बैंक की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कृषि एवं ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए सरल और त्वरित ऋण सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकारी अनाजों की जमकर हो रही है कालाबाजारी, ट्रक में लोड करीब 15 लाख रुपए मूल्य के सरकारी चावल को ग्रामीणों ने पकड़ा, किया पुलिस के हवाले

गिरिडीह। जमुआ प्रखंड के भारतडीह के गोदाम से 15 लाख रुपए मूल्य के 800 बोरा सरकारी अनाज को जब्त किया गया। गुप्त सूचना पर देर रात उस वक्त कार्रवाई की गई जब सरकारी गोदाम से 800 बोरा चावल को ट्रक में लोड किया जा रहा था। सरकारी अनाज का कालाबाजारी करने के उद्देश्य से करीब 15 लाख का अनाज ट्रक में लोड किया जा रहा था। तभी स्थानीय जनप्रतिनिधियो ने ग्रामीणों के साथ ने मौके पर पहुंच कर सरकारी अनाज लोड ट्रक को जब्त कर लिया। इधर मामले की जानकारी मिलते ही जमुआ थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और चावल लोड ट्रक को जब्त कर थाना ले गई। फिलहाल जब्त चावल लोड ट्रक के जांच में पुलिस जुटी हुई है। लेकिन इस सरकारी चावल लोड ट्रक के दावेदार के रूप में अब तक कोई सामने नहीं आया है।

ऊंचे भवनों, अस्पतालों और मॉलों में होगा फायर सेफ्टी ऑडिट, उपायुक्त ने दिए निर्देश

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबादःदेश के विभिन्न हिस्सों में हो रही अगलगी की घटनाओं को देखते हुए धनबाद जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार के अध्यक्ष सह उपायुक्त आदित्य रंजन ने जिले के सभी ऊंचे भवनों, अस्पतालों, मॉलों और अन्य संवेदनशील स्थलों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का कड़ा निर्देश दिया है।उपायुक्त ने कहा कि सुरक्षा के लिहाज से जिले के सभी बहुमंजिला भवनों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच बेहद जरूरी है, ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना या बड़े हादसे को रोका जा सके। इस महत्वपूर्ण अभियान को पूरा करने के लिए नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन और जिला अग्निशमन पदाधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है।इस ऑडिट के मुख्य उद्देश्यःखतरों की पहचानः भवनों में आग लगने की आशंका वाले संवेदनशील पॉइंट की जांच करना।सिस्टम की जांचः परिसरों में लगे अग्निशमन उपकरणों की सक्रियता और प्रभावशीलता को परखना।सुरक्षा उपायः सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाना और जरूरी सुझाव देना।प्रशासन की इस पहल से जिले के भीड़भाड़ वाले और व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी।

कटकमसांडी थाना पहुंचे एसपी, लंबित कांडों के निष्पादन और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर दिया जोर, वरीय संवाददाता रफ्तार मीडिया हजारीबाग सुमन सिन्हा

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने शनिवार को कटकमसांडी थाना का निरीक्षण कर थाना की विधि-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय ज्ञान रंजन, पेलावल अंचल के पुलिस निरीक्षक सपन कुमार महथा, कटकमसांडी थाना प्रभारी अनुपम प्रकाश कुमार सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित रहे। निरीक्षण के क्रम में पुलिस अधीक्षक ने थाना के विभिन्न पंजियों का अवलोकन किया तथा लंबित कांडों, वारंटों और कुर्की मामलों की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

एसपी ने थाना क्षेत्र में फरार चल रहे अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अवैध मादक पदार्थों से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए लंबित कांडों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

उन्होंने नशा के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने तथा आम लोगों को इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने को कहा। इसके अलावा क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन और जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित करने पर बल दिया।

पुलिस अधीक्षक ने थाना की सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया और पुलिस पदाधिकारियों को कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा जनता के प्रति संवेदनशील एवं जवाबदेह पुलिसिंग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

नीट पेपर लीक के खिलाफ धनबाद में कांग्रेस का हल्लाबोल, 8 जून को निकलेगा ऐतिहासिक युवा आक्रोश मार्च

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। नीट (यूजी) पेपर लीक मामले को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। "देश के प्रधानमंत्री वीक हैं, तभी तो पेपर लीक है" के नारे के साथ आगामी 8 जून को धनबाद की सड़कों पर युवा कांग्रेस एक बड़ा आक्रोश मार्च निकालने जा रही है। इस राज्य स्तरीय आंदोलन का नेतृत्व राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान करेंगे।शनिवार को धनबाद परिसदन (सर्किट हाउस) में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह और प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष कुमार गौरव ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। नेताओं ने बताया कि यह आक्रोश मार्च धनबाद के आईआईटी (आईएसएम) के मुख्य गेट से शुरू होकर रणधीर वर्मा चौक तक जाएगा। इस आंदोलन में धनबाद जिला युवा कांग्रेस के अलावा पूरे झारखंड से हजारों की संख्या में कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और पीड़ित छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।झारखंड-बंगाल सीमा पर होगा भव्य स्वागत, 5000 युवाओं के जुटने का दावाप्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष उदयभान का धनबाद में 8 और 9 जून का दो दिवसीय दौरा निर्धारित है। उनके आगमन पर झारखंड-बंगाल सीमा पर भव्य स्वागत की तैयारी की गई है। इस मार्च में राज्यभर से लगभग पांच हजार युवा कांग्रेस कार्यकताओं के जुटने की उम्मीद है।युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं: संतोष सिंह जिलाध्यक्ष संतोष सिंह ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नीट पेपर लीक के खिलाफ यह देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा है। परीक्षा प्रणालियों में लगातार हो रही गड़बड़ी ने देश के लाखों मेधावी छात्रों के भविष्य को अंधकार में धकेल दिया है। कांग्रेस नेताओं का दावा है कि यह रैली ऐतिहासिक होगी और देश की चरमराती शिक्षा व्यवस्था तथा युवाओं के हक की आवाज को मजबूती से बुलंद करेगी।

आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार शिविर का पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर :पलामू जिले के नीलांबर-पिताम्बरपुर प्रखंड अंतर्गत शनिवार को कोटखास एवं कुराइन पतरा पंचायत सचिवालय में आयोजित आधार एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार शिविर का जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान एवं डीपीओ यूआईडी उदय प्रताप सिंह ने निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर में पहुंचकर आधार कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र में त्रुटि सुधार कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को आमजनों को सरल एवं पारदर्शी तरीके से सेवा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।पदाधिकारियों ने विशेष रूप से 05 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों, आंगनबाड़ी केंद्र से जुड़े बच्चों एवं अन्य लाभुकों के आधार अद्यतन एवं जन्म प्रमाण पत्र सुधार कार्य को प्राथमिकता देने पर बल दिया। साथ ही शिविर में आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसे सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि, कर्मी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

वर्षों से इंतजार में अटका चिरकुंडा-बराकर पुल निर्माण कार्य अब तेज रफ्तार पकड़

संवाददाता समामा औसाल, निरसा : शनिवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने पथ निर्माण विभाग यानी आरसीडी के वरिष्ठ अधिकारियों की पूरी टीम के साथ चिरकुंडा-बराकर पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने पुराने पुल की स्थिति, उसके पिलरों की मजबूती और नए पुल के निर्माण कार्य की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया।

विधायक और इंजीनियरों की टीम ने निर्माण स्थल पर मौजूद लोहे के सरिए, मशीनरी और अन्य निर्माण सामग्रियों का भौतिक सत्यापन भी किया। अधिकारियों ने पुराने पत्थर के पिलरों के आसपास जाकर तकनीकी पहलुओं की जांच की, वहीं नए कंक्रीट पिलरों के निर्माण कार्य की गुणवत्ता और गति की समीक्षा की गई।

निरीक्षण के दौरान विधायक अरूप चटर्जी ने आसपास के ग्रामीणों और स्थानीय लोगों से भी मुलाकात की। लोगों की समस्याओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को सुना गया। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सशस्त्र सुरक्षा बल भी तैनात रहे।

निरीक्षण के बाद निर्माण स्थल पर ही एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। चाय पर हुई इस बैठक में पुल निर्माण को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने, बरसात के मौसम में आने वाली तकनीकी चुनौतियों से निपटने और कार्य की गुणवत्ता बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में विधायक अरूप चटर्जी ने अधिकारियों को याद दिलाया कि यह महत्वाकांक्षी योजना वर्ष 2018 में स्वीकृत हुई थी, लेकिन कोरोना महामारी और लॉकडाउन के कारण परियोजना में काफी देरी हुई। अब हालात सामान्य होने के बाद उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर काम में और देरी नहीं होनी चाहिए।

डॉ कौशल व पार्षद अमित के अगुआई में विश्व पर्यावरण दिवस व वन राखी आंदोलन की स्वर्ण जयंती पर निकाली गई प्रभात फेरी

रफ्तार मीडिया छतरपुर
पलामू: वन संरक्षण एवं पर्यावरण जागरूकता को लेकर चलाए जा रहे वन राखी मूवमेंट के 50 वर्ष और विश्व पर्यावरण दिवस के 54 वर्ष पूरा होने पर शुक्रवार को छतरपुर के केरकी कला में जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पर्यावरणविद् डॉ. कौशल किशोर जायसवाल एवं छतरपुर पूर्वी के जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल ने किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन, राष्ट्रगान एवं पर्यावरण धर्म की प्रार्थना के साथ बरगद का पौधा रोपित कर हजारों वन राखी मूवमेंट कार्यकताओं ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को वनों की कटाई रोकने एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान वन वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पेड़ों की रक्षा का संकल्प भी लिया गया।

डॉ. कौशल ने कहा कि ह्लपर्यावरण धर्म और वन राखी आंदोलन मानव जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि 60 वर्षों से पौधों का रोपण व वितरण व वनों पर रक्षाबंधन अभियान चला रहा हूं इसमें एक पेड़ मां के नाम , उज्वला योजना, पीएम आवास मिलने से कच्चा मकान में लगने वाले लकड़ी और भोजन बनाने के लिए वनों से काटे जाते थे। उक्त योजनाओं को मिलने से वनों की कटाई बंद हो गया जिससे वनों का क्षेत्रफल और बढ़ रहे हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी का आभारी हूं।

उद्घाटन कर्ता पार्षद अमित ने कहा कि राजमाता बाजार में जल्द ही पानी टंकी लगा दिया जाएगा। उन्होंने लोगों से पॉलिथीन का इस्तेमाल नहीं करने और पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रो को दिनचर्या में शामिल करने का अनुरोध किया। डॉ. कौशल व पार्षद अमित ने कार्यक्रम में शामिल लोगों को अंगवस्त्र के साथ उनके बीच 1000 फलदार पौधों वितरित किया। वक्ताओं ने डॉक्टर कौशल व पार्षद अमित के पर्यावरण और समाज के समर्पित कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कपिल सिंह ने की, जबकि संचालन शिवनाथ सुरीला ने किया। मौके पर उप मुखिया डोमन यादव, मोती साव पूर्व प्रमुख जगनारायण बनारसी कुवंर, अफजाल अंसारी, जुबेर अंसारी, सनी कुमार,रजिया अहमद, वसीम अंसारी, गुलाम गौस, करीमन अंसारी,मिथिलेश सिंह, संजीत उरांव, नागेश्वर सिंह, श्याम बिहारी सिंह, रामजी सिहं बिरजू सिंह,भदई भुईयां.रामप्रवेश भुइयां, मनोज गुप्ता सत्या सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं पर्यावरण प्रेमी उपस्थित थे।

झारखंड टी-20 लीग: 99 ग्रुप की 'कोयलांचल सुपर किंग्स' दिखाएगी दम, रॉबिन मिंज बने टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: आईपीएल की तर्ज पर झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित होने जा रहे 'झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग' को लेकर खेल प्रेमियों का रोमांच चरम पर है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज भी अपनी दमदार सहभागिता निभाते हुए 'कोयलांचल सुपर किंग्स' की टीम के रूप में उतर रही है। लीग में भाग लेने के लिए कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम धनबाद पहुंच चुकी है और मैदान पर पसीना बहाते हुए प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। शनिवार को धनबाद के एक निजी होटल में भव्य प्रेस वार्ता का आयोजन कर टीम के इरादों और तैयारियों को मीडिया के सामने रखा गया।

खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाना हमारा मुख्य उद्देश्य: श्याम पांडे

प्रेस वार्ता के दौरान 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी सह कोयलांचल सुपर किंग्स के ऑनर श्याम पांडे ने खेल और खिलाड़ियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा:

99जी ग्रुप हमेशा से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। झारखंड के युवाओं में क्रिकेट की अपार प्रतिभा है। यदि उन्हें उचित अवसर और सही सहयोग मिले, तो वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूबे का नाम रोशन कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को जोड़ना नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना है। टीम इस बार मैदान पर जोश और बेहतरीन तालमेल के साथ उतरेगी और पूरे कोयलांचल का नाम चमकाएगी।"

उन्होंने पूरे कोयलांचल वासियों से अपनी इस घरेलू टीम और खिलाड़ियों को भरपूर सपोर्ट करने की अपील की है।10 जून से रांची में भिड़ेंगी 6 टीमें, हॉटस्टार पर दिखेगा लाइव मैच

प्रेस वार्ता में दी गई जानकारी के अनुसार, झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग का रोमांचक आगाज आगामी 10 जून से राजधानी रांची में होने जा रहा है। इस टूनार्मेंट में राज्य भर की कुल 6 दिग्गज टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी, जिसमें धनबाद और आसपास के पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम करेगी। क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि इस लीग के सभी मुकाबलों का सीधा (लाइव) प्रसारण ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर किया जाएगा। इसके अलावा स्थानीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए स्टेडियम में लाइव मैच देखने हेतु विशेष पास की भी व्यवस्था की जाएगी।

रॉबिन मिंज और उत्कर्ष सिंह जैसे धुरंधरों से सजी है टीम

कोयलांचल सुपर किंग्स ने इस बार बेहद संतुलित और आक्रामक टीम तैयार की है। आईपीएल में गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके झारखंड के उभरते हुए सितारे रॉबिन मिंज को सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में कोयलांचल सुपर किंग्स ने अपनी टीम का मुख्य हिस्सा बनाया है। इसके साथ ही टीम में कई अनुभवी और युवा घरेलू खिलाड़ियों को शामिल किया गया है जो मैच का पासा पलटने में माहिर हैं।

बाहरी उम्मीदवारों को राज्यसभा भेजना झारखंड के स्वाभिमान के खिलाफ :राजेंद्र प्रसाद

रफ्तार मीडिया
रांची: मूलवासी सदान मोर्चा की महत्वपूर्ण बैठक रांची के एक होटल में आयोजित हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड के मूलवासी सदान यदि अपने अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी के लिए एकजुट हो जाएं तो राज्य की राजनीति में उनकी भूमिका और अधिक निर्णायक हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि झारखंड के लोगों के वोट से सत्ता प्राप्त करने वाले राजनीतिक दल अक्सर राज्यसभा और अन्य महत्वपूर्ण पदों पर मूलवासी सदान की उपेक्षा करते हैं, यह स्थिति बदलनी चाहिए और झारखंड के मूलवासी-सदान समाज को उसका उचित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि मूलवासी-सदान के धैर्य और समर्थन को राजनीतिक दल कमजोरी समझने की भूल न करें।

उन्होंने झारखंड में लोकसभा सीटों की संख्या 28 तथा विधानसभा सीटों की संख्या 160 करने की मांग करते हुए कहा कि इससे सभी वर्गों को बेहतर प्रतिनिधित्व का अवसर मिलेगा। साथ ही उन्होंने विधान परिषद के गठन की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राजेन्द्र प्रसाद ने वर्ष 2026-27 में होने वाली जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे वास्तविक जनसंख्या के आंकड़े सामने आएंगे और नीतिगत निर्णय अधिक प्रभावी बन सकेंगे।

उन्होंने कहा कि जो राजनीतिक दल मूलवासी-सदान समाज की लगातार उपेक्षा करेंगे,तो उन्हें आने वाले समय में जनता के लोकतांत्रिक निर्णय का सामना करना पड़ेगा। मूलवासी सदान मोर्चा समाज के अधिकारों और सम्मान के मुद्दे पर संघर्ष जारी रखेगा।

बैठक में प्रोफेसर अरविंद प्रसाद ने सभी कार्यकताओं एवं समर्थकों से संगठन के साथ एकजुट रहने और गांव-गांव तक संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बैठक में कौशल किशोर, विनय कुमार दास, विशाल सिंह, प्रो. अरविंद प्रसाद, विशाल साहू, राजू पासवान, अरविंद सेठ, सूरज कुमार, अलकेश सेठ, डॉ आशीष कुमार,अर्जुन साहू, मुकेश सिंह, रंजीत प्रसाद, अतुल कुमार, धनीराम साहू आदि उपस्थित रहे।

विद्यालय में लगे स्मार्ट क्लास हेतु उपकरण ताला तोड़कर चोरी

तिसरी /गिरिडीह
रफ्तार मीडिया रंजन कुमार
तिसरी थाना क्षेत्र के नीमाडीह मध्य विद्यालय में लगे स्मार्ट क्लास हेतु उपकरण ताला तोड़कर चोरी हो गया हैं।जिसे लेकर प्रधानाध्यापक मुरली धर प्रसाद ने आश्यक कार्रवाई करने की मांग तिसरी थाना में आवेदन देकर की है।बताया जाता है कि गर्मी की छुट्टी में स्कूल बंद थी। जनगणना कार्य को लेकर शिक्षक क्षेत्र में प्रतिदिन आते रहे है।शनिवार सुबह दस बजे स्कूल पहुंचे तो स्कूल का सीढ़ी का दरवाजा का ताला टूटा हुआ देखा गया।

राज्यसभा चुनाव को लेकर विधायक ममता देवी का बड़ा बयान

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया
रामगढ़ : रामगढ़ विधायक ममता देवी ने राज्यसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान देते हुए कहा कि वर्तमान में झारखंड में गठबंधन की सरकार चल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में प्रणव झा के नाम का प्रस्ताव किया गया है। ममता देवी ने कहा कि इस मुद्दे पर गठबंधन दलों की एक-दो बैठकें हो चुकी हैं जब प्रदेश प्रभारी के राजू जी और कर्नाटक के उप

मुख्यमंत्री आए हुए थे ने मुख्यमंत्री से भी बातचीत की है।और हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी चर्चा किया है । उन्होंने कहा कि अभी तक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने स्पष्ट रूप से यह घोषणा नहीं की है कि वह राज्यसभा की एक सीट पर उम्मीदवार उतारेगी या दो सीटों पर। उन्होंने कहा, "जब तक मुख्यमंत्री का आधिकारिक बयान नहीं आता, तब तक हम किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकते हैं।" गठबंधन की एकजुटता पर भरोसा जताते हुए विधायक ममता देवी ने कहा कि झारखंड में महागठबंधन काफी अच्छी तरह से काम कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्यसभा चुनाव में गठबंधन की ओर से एक उम्मीदवार झामुमो का और एक उम्मीदवार कांग्रेस का होगा।

गयाजी के आजाद बिगहा में सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच गमछा और ओआरएस का वितरण

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सामाजिक संस्था काउंसिल ऑफ मगध वूमेन एम्पावरमेंट (कॉमवे) द्वारा गयाजी के परैया प्रखंड के आजाद बिगहा गांव में शनिवार को सैकड़ों गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच गमछा, ओआरएस और चप्पल का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम संस्था के मुख्य संरक्षक डॉ. प्रवीण रंजन गांधी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक सहायता पहुंचाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लू एवं डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए ओआरएस, गमछा और चप्पल का वितरण अत्यंत उपयोगी साबित होगा। साथ ही उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

संस्था के अध्यक्ष नवीन रंजन ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने बताया कि संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। वहीं संस्था की सचिव तमकनत मुख्तार ने लोगों को गर्मी से बचाव तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी। कार्यक्रम में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी रवि कुमार, राहुल कुमार, अभिजीत कुमार, प्रीतम कुमार, कृष्णा कुमार, अभिनाश कुमार केशरी, कृष्णा मांझी, शांति देवी, स्नेहा प्रकाश, बॉबी देवी, प्रवीण कुमार एवं मृदुला कुमारी सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं तथा भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

धनबाद से बसों में सफर करना होगा महंगा: 20% तक बढ़ेगा किराया, बस विभाग की हरी झंडी का इंतजार

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। धनबाद और आसपास के जिलों से बस द्वारा सफर करने वाले यात्रियों को जल्द ही बड़ा झटका लग सकता है। धनबाद बस एसोसिएशन ने परिचालन लागत में भारी वृद्धि को देखते हुए बस किराए में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की तैयारी पूरी कर ली है। एसोसिएशन की ओर से परिवहन विभाग के सचिव को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा जा चुका है। विभाग से हरी झंडी मिलते ही एक सप्ताह के भीतर नई किराया दरें प्रभावी हो जाएंगी।क्यों पड़ी किराया बढ़ाने की

जरूरत?धनबाद बस एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि वर्ष 2020 के बाद से बस किराए में कोई संशोधन नहीं हुआ है। पिछले छह वर्षों में डीजल, इंजन ऑयल, टायर, स्पेयर पार्ट्स, बीमा, रोड टैक्स और कर्मचारियों के वेतन में बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों के कारण अब पुराने किराए पर बसों का संचालन करना घाटे का सौदा साबित हो रहा है। इसके अलावा पिछले दो वर्षों से लंबित परमिट नवीनीकरण (परमिट रिनिवल) की प्रक्रिया भी संचालकों की मुश्किलें बढ़ा रही है।इन रूटों पर बढ़ेगा किराया:नई दरें लागू होने के बाद धनबाद से जुड़ने वाले अंतरराज्यीय और प्रांतीय रूटों पर सफर महंगा हो जाएगा। मुख्य रूप से निम्नलिखित रूट प्रभावित होंगे:बिहार रूट: पटना, बिहारशरीफ, भागलपुर, पूर्णिया।झारखंड रूट: रांची, देवघर, दुमका, गिरिडीह, बोकारो।पश्चिम बंगाल रूट: आसनसोल।यात्रियों की जेब पर कितना बढ़ेगा बोझ?एसी बसें: धनबाद से पटना, बिहारशरीफ और भागलपुर जाने वाले यात्रियों को प्रति सीट लगभग 100 रुपये अधिक चुकाने पड़ सकते हैं। वहीं पूर्णिया रूट पर यह बढ़ोतरी 120 रुपये तक जा सकती है।नॉन-एसी बसें: साधारण बसों के किराए में भी सीधे 20 प्रतिशत तक का इजाफा होने की पूरी संभावना है।परिवहन विभाग के फैसले पर अब सभी बस संचालकों और आम यात्रियों की निगाहें टिकी हैं। यदि इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती

पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को लेकर नगर परिषद की जागरूकता रैली

झुमरी तिलैया। नगर परिषद झुमरी तिलैया द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली महाराणा प्रताप चौक से प्रारंभ होकर झंडा चौक तक निकाली गई। रैली का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को कचरा प्रबंधन, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक तथा शहर में हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) बढ़ाने के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराना था।

रैली के दौरान लोगों को बताया गया कि 1 अप्रैल 2026 से सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (रहट) नियम-2026 के तहत कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण अनिवार्य कर दिया गया है। इसके लिए चार रंगों के डिब्बों का उपयोग किया जाएगा। हरा डिब्बा गीले एवं जैविक कचरे के लिए, नीला डिब्बा सूखे एवं पुनर्चक्रण योग्य कचरे के लिए, लाल डिब्बा सैनिटरी एवं जैव-चिकित्सा से जुड़े कचरे के लिए तथा काला डिब्बा घरेलू खतरनाक कचरे के लिए निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि कचरे का

सही पृथक्करण पर्यावरण संरक्षण और बेहतर स्वच्छता व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।नगर प्रबंधक रणधीर कुमार वर्मा ने कहा कि कचरे का सही तरीके से पृथक्करण न केवल स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से ही स्वच्छ और स्वस्थ शहर का निर्माण संभव है।

रैली के दौरान प्रतिभागी स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेश लिखी बैनर लेकर चल रहे थे। नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि झुमरी तिलैया को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से कचरा पृथक्करण को अपनी दैनिक आदत बनाने,

प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने तथा अधिक से अधिक पौधारोपण करने की अपील की।

वहीं नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोहर राम ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है।

उन्होंने लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने, पौधारोपण को बढ़ावा देने तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

रैली में नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर, उपाध्यक्ष मनोहर राम, नगर प्रबंधक लेमांशु कुमार, नगर प्रबंधक रणधीर कुमार वर्मा, मारवाड़ी युवा मंच के पदाधिकारी, सभी वार्ड पार्षदगण एवं नगर परिषद के कर्मी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पीएम आवास प्लस सूची के सत्यापन को लेकर गांडेय में ग्राम सभा

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय में प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना को लेकर 2024 के सर्वे के तहत लाभुकों की प्रतीक्षा सूची के सत्यापन और अनुमोदन को लेकर गांडेय प्रखंड में सरगर्मी तेज हो गई है। ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के पत्रांक 1603 (दिनांक 29.05.2026) के आलोक में प्रखंड की सभी पंचायतों में 5 जून से 8 जून तक विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में गांडेय प्रखंड विकास पदाधिकारी निसात अंजुम ने ज्ञापांक 861 दिनांक 04.06.2026 के माध्यम से पत्र जारी कर प्रखंड के सभी मुखिया, पंचायत समिति सदस्य, प्रमुख, जिला परिषद सदस्य, वार्ड सदस्य, उप-मुखिया और वीएलई को अपने-अपने क्षेत्रों में अनिवार्य रूप से ग्राम सभा आयोजित करने का सख्त निर्देश दिया है। ग्राम सभाओं को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए कई विलेज लाइवलीहुड वर्कर्स (वीएलडब्लू) और पंचायत सेवकों को तैनात किया गया है।

पंचायतवार ग्राम सभाओं का शेड्यूल

बीडीओ द्वारा जारी पत्र के अनुसार, प्रखंड की विभिन्न पंचायतों में तिथिवार ग्राम सभाओं का निर्धारण कुछ इस प्रकार किया जा रहा है.

6 जून बडकीटांड, बाकीकला, चंपापुर, दासडीह, गांडेय, करीबांक, पंडरी, फुलझरिया और उदयपुर ग्रामसभा किया गया सम्पन्न।

गांडेय पंचायत सचिवालय में जुटी ग्रामीणों की भीड़, सूची को दिया जा रहा अंतिम रूप

इसी कड़ी में 6 जून को गांडेय पंचायत सचिवाल क्षेत्र में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता स्थानीय मुखिया अमृतलाल पाठक ने किया। मोके पर श्याम पाठक, प्रकाश पंडित, विकास कुमार, संचित गुप्ता समेत महिलाएं गणमान्य लोग मौजद थे।

ई-कल्याण पोर्टल में छात्रवृत्ति आवेदन संबंधी समस्या पर डीसी ने लिया संज्ञान,24 घंटे में हुआ समाधान

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

समाहरणालय स्थित कार्यालय सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं (लोक संवाद) कार्यक्रम... में एक छात्र द्वारा छात्रवृत्ति आवेदन से संबंधित समस्या उपायुक्त अजय नाथ झा के समक्ष रखी गई, जिसका 24 घंटे के भीतर समाधान किया गया।चास निवासी चंदन कुमार महतो, जो वर्तमान में सी.सी. महतो टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज में बी.एड. सत्र 2025-27 के छात्र हैं, ने उपायुक्त को अवगत कराया कि पूर्व में वे ड्रोणा आईटीआई में अध्ययनरत थे तथा सत्र 2024-25 के लिए छात्रवृत्ति का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन किया था। बाद में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के उद्देश्य से उन्होंने आईटीआई से स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) प्राप्त कर बी.एड. में नामांकन कराया।

रिन्युअल के स्थान पर फ्रेश आवेदन की थी आवश्यकता

छात्र ने बताया कि बी.एड. सत्र 2025-26 के लिए छात्रवृत्ति आवेदन करना चाह रहे थे, लेकिन ई-कल्याण पोर्टल पर उनका आवेदन रिन्युअल श्रेणी में दर्ज हो रहा था, जबकि उन्हें फ्रेश अभ्यर्थी के रूप में आवेदन करना था। इस तकनीकी समस्या के कारण उनकी आवेदन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही थी।

डीसी के निर्देश पर उपलब्ध कराया गया आवश्यक विकल्प

मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। तत्पश्चात छात्र को वर्ष 2025-26 के लिए फ्रेश एप्लीकेशन का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है।

आवेदन तिथि खुलने पर कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

संबंधित अधिकारियों ने जानकारी दी कि छात्र को फ्रेश आवेदन का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। अब छात्र छात्रवृत्ति पोर्टल पर आवेदन की तिथि खुलने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकेंगे।उपायुक्त ने कहा कि आमजनों एवं विद्यार्थियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है तथा हम आपको सुनते हैं... कार्यक्रम के माध्यम से प्राप्त मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निष्पादन सुनिश्चित किया जा रहा है।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे, भाजपा नेत्री सुजाता सिंह भैया ने देशवासियों को दी बधाई

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।

केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा नेत्री सुजाता सिंह भैया ने देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा कि बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। सरकार की नीतियों और योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक पहुंचा है, जिससे करोड़ों नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। वही भाजपा नेत्री सुजाता सिंह भैया ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने अनेक महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने का कार्य किया है। इन योजनाओं के माध्यम से लोगों को आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, आवास और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने तथा किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में सरकार लगातार प्रयासरत है। यही कारण है कि आज देश के विभिन्न वर्गों में विकास की नई उम्मीद जगी है और केंद्र सरकार के प्रति विश्वास मजबूत हुआ है। भाजपा नेत्री ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत, आत्मविश्वासी और प्रभावशाली राष्ट्र के रूप में उभरा है। राष्ट्रीय सुरक्षा, आधारभूत संरचना के विकास, डिजिटल क्रांति, आर्थिक सुधार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति के क्षेत्र में देश ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। आज भारत की पहचान दुनिया में तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्था और सक्षम नेतृत्व वाले राष्ट्र के रूप में स्थापित हुई है। अंत में सुजाता सिंह भैया ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। साथ ही विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी नागरिकों से सहयोग की अपील

ईएसएल स्किल स्कूल में प्रमाण पत्र वितरण समारोह आयोजित, प्रशिक्षुओं को मिला रोजगार का अवसर

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

ईएसएल स्किल स्कूल में एसपीवीआई एवं एफटीओएचए बैचों के प्रशिक्षुओं के लिए प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया.

कार्यक्रम में ईएसएल स्टील लिमिटेड के निदेशक-इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट ,सुनील कुमार एन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. उन्होंने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए. प्रशिक्षण पूरा करने के साथ-साथ इन युवाओं ने प्रतिष्ठित संस्थानों में रोजगार भी प्राप्त किया है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. कार्यक्रम के दौरान चयनित एवं नियोजित प्रशिक्षुओं ने अपने अनुभव भी साझा किए. उन्होंने बताया कि स्किल स्कूल में प्राप्त प्रशिक्षण और मार्गदर्शन ने उन्हें रोजगार प्राप्त करने तथा आत्मविश्वास के साथ पेशेवर जीवन में आगे बढ़ने में मदद की। उनके अनुभवों ने अन्य प्रशिक्षुओं को भी प्रेरित किया.

मुख्य अतिथि सुनील कुमार एन ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा उन्हें निरंतर सीखने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया.इस अवसर पर ईएसएल स्टील लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ह्वईएसएल स्टील में हमारा मानना है कि कौशल विकास युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर प्रदान करने का सबसे प्रभावी माध्यम है. ईएसएल स्किल स्कूल के माध्यम से हम युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं. हमें खुशी है कि ये प्रशिक्षु अपने व्यावसायिक जीवन की सफल शुरूआत कर रहे हैं और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं.ह्व

यह समारोह स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने और उन्हें सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ईएसएल स्किल स्कूल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है. संस्थान भविष्य में भी कौशल विकास एवं उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य करता रहेगा.

जामताड़ा सरखेलडीह में भाजपा नगर कार्यकताओं की हुई बैठक, एक पेड़ मां के नाम अभियान को लेकर बनाई रणनीति

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा

जामताड़ा शहर के सरखेलडीह में शनिवार को भाजपा नगर इकाई की द्वितीय मासिक संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत ने की।इस अवसर पर नगर प्रभारी संजू देवी, भाजपा नेत्री सुजाता सिंह भैया, जिला उपाध्यक्ष मोहन शर्मा सहित नगर क्षेत्र के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की तैयारी तथा कार्यकताओं की भूमिका को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। नगर प्रभारी संजू देवी ने कहा कि पार्टी द्वारा प्रत्येक माह संगठनात्मक बैठक आयोजित की जाती है, ताकि संगठन की गतिविधियों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। नगर अध्यक्ष प्रदीप राउत ने बताया कि यह जामताड़ा नगर की द्वितीय मासिक बैठक थी, जिसमें नगर क्षेत्र के सभी प्रमुख कार्यकताओं ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्ष के सफल कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पार्टी द्वारा चलाए जा रहे ह्यएक पेड़ मां के नामह्ण अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का निर्णय लिया गया है। इसके तहत सभी कार्यकताओं से अपने-अपने घरों एवं आसपास के क्षेत्रों में वृक्षारोपण करने की अपील की गई। जिला उपाध्यक्ष मोहन शर्मा ने कहा कि बैठक में 5 जून से 21 जून तक चलने वाले पर्यावरण संरक्षण अभियान पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा झारखंड में प्रस्तावित एसआईआर कार्यक्रम तथा बीएलओ -2 प्रशिक्षण को लेकर भी कार्यकताओं को आवश्यक जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता समाजहित एवं जनजागरण से जुड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाएंगे। बैठक का समापन संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के संकल्प के साथ हुआ। मौके पर जिला महामंत्री कमलेश मंडल,जिला उपाध्यक्ष सुकुमार सरखेल तथा सुजाता सिंह,जिला मंत्री आभा आर्या,जिला कोषाध्यक्ष चंदन राउत,विनोद चौबे,राकेश रवानी,ज्योति देवी,ललिता मंडल,ब्रजेश राउत,सपन महतो,सुप्रकाश चौधरी,मिथुन गुप्ता,मिथिलेश बर्मन उपस्थित रहें।

झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत, किसानों के चेहरे खिले

बिरनी/गिरिडीहः

बिरनी प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को हुई झमाझम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली। पिछले कई दिनों से पड़ रही कड़ी धूप और उमस भरी गर्मी से जनजीवन प्रभावित हो रहा था। बारिश होने के बाद मौसम सुहावना हो गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली।

वहीं, इस बारिश से किसानों में भी खुशी का माहौल देखा गया। लंबे समय से बारिश नहीं होने के कारण किसान चिंतित थे और खेतों में कृषि कार्य प्रभावित हो रहा था। बारिश के अभाव में फसलों की बुआई को लेकर किसानों के बीच मायूसी थी, लेकिन झमाझम बारिश ने उनकी उम्मीदों को फिर से जगा दिया है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई यह बारिश खेती के लिए काफी लाभदायक साबित होगी। इससे खेतों में नमी बढ़ेगी और खरीफ फसलों की तैयारी में मदद मिलेगी। बारिश के बाद गांवों में किसानों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही है। स्थानीय लोगों ने भी बारिश का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गर्मी से राहत मिलने के साथ-साथ जलस्त्रोतों में भी पानी बढ़ने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, झमाझम बारिश ने आम लोगों और किसानों दोनों को राहत और खुशी देने का काम किया है।

प्री-एसआईआर गतिविधि के तहत एसडीओ ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार के निदेर्शानुसार प्री-एसआईआर गतिविधि के तहत निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 09 जामताड़ा विधानसभा क्षेत्र सह अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार ने मिहिजाम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जनजातीय संध्या डिग्री कॉलेज स्थित मतदान केंद्र संख्या 337, 338 एवं 366 का भौतिक सत्यापन कर निर्वाचन संबंधी कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी ने मतदाताओं की मैपिंग कार्य की समीक्षा की। उन्होंने पाया कि कुछ केंद्रों पर मैपिंग कार्य की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। इस पर संबंधित बीएलओ एवं सुपरवाइजर को निर्देश दिया गया कि वे अगले दो से तीन दिनों के भीतर शत-प्रतिशत मैपिंग कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की सफलता के लिए यह कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा नोशनल मकान सूचीकरण कार्य की भी समीक्षा की गई। घर-घर लगाए जाने वाले विभागीय स्टीकरों की जांच करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी गतिविधियों का अद्यतन विवरण रजिस्टर में नियमित रूप से दर्ज किया जाए, ताकि कार्यों की निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके। अनंत कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाने चाहिए। उन्होंने संबंधित कर्मियों को जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद मिहिजाम गोपेश कुम्भकार, संबंधित बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक एवं अन्य निर्वाचन कर्मी उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच ने निकाली जागरूकता रैली, "हरियाली बचाओ, धरती बचाओ" का दिया संदेश

झुमरीतिलैया - विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर शनिवार को झुमरी तिलैया नगर परिषद और मारवाड़ी युवा मंच, झुमरीतिलैया शाखा द्वारा शहर में विशाल जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा। रैली महाराणा प्रताप चौक, मेन रोड होते हुए झंडा चौक पर पहुंची हाथों में तख्तियां और बैनर लेकर युवा "पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ", "प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ", "हरियाली बचाओ, धरती बचाओ" जैसे नारों के साथ चल रहे थे। नगर परिषद अध्यक्ष रमेश हर्षधर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण आज वैश्विक चुनौती बन गए हैं। केवल सरकारी प्रयासों से पर्यावरण नहीं बचेगा, इसके लिए हर नागरिक की सहभागिता जरूरी है। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा कि जागरूकता के साथ-साथ कार्य भी जरूरी है। इसी कड़ी में मंच द्वारा रैली के उपरांत शहर के विभिन्न स्थानों पर पौधरोपण भी किया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रतीक संघई ने युवाओं से अपील की कि वे अपने घर और मोहल्ले में स्वच्छता का ध्यान रखें और सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें और इसी कड़ी में मंच के सदस्यों के द्वारा प्लास्टिक के जगह कपड़े का थैला देकर जागरुकता अभियान चलाया गया और लोगों को कपड़े का थैला लेकर बाजार सामान खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में कोषाध्यक्ष महावीर खेतान ,उपाध्यक्ष शिवेश पच्चीसिया, युवा सदस्य आकाश जैन, रोहित संघई, विपुल चौधरी अनुराग हिसारिया ,विनीत संघई विकास जैन, विष्णु चौधरी, अर्जुन संघई ,अजय शर्मा और स्थानीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में सभी ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया और सोशल मीडिया के माध्यम से सेल्फी पॉइंट पर फोटो खींच कर जागरूकता फैलाने की बात कही गई।

बालूमाथ पूर्वी मंडल कार्यसमिति की बैठक संपन्न, संगठन मजबूती पर जोर

रफ्तार मीडिया बालूमाथ प्रमेश पांडे

बालूमाथ पूर्वी मंडल कार्यसमिति की बैठक संपन्न, संगठन मजबूती पर जोरबालूमाथ। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बंशी यादव के निदेर्शानुसार बालूमाथ पूर्वी मंडल कार्यसमिति की बैठक शनिवार को मंडल अध्यक्ष अखलेश भोगता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अखलेश भोगता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए।उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। पार्टी के कार्यक्रमों एवं नीतियों को गांव-गांव तथा प्रत्येक बूथ तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

बैठक में विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, विधायक प्रतिनिधि अनिल प्रजापति, राजेंद्र साहू, बूथ अध्यक्ष गार्जियन मोहन पांडे, तुलसी प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, निर्मल यादव, विनोद यादव, कैलाश यादव, केदार यादव, राजदेव यादव, पिंटू कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र प्रसाद ने किया।

बालूमाथ। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष बंशी यादव के निदेर्शानुसार बालूमाथ पूर्वी मंडल कार्यसमिति की बैठक शनिवार को मंडल अध्यक्ष अखलेश भोगता की अध्यक्षता में संपन्न हुई।बैठक की शुरूआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष अखलेश भोगता ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं को पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए।उन्होंने संगठन की मजबूती पर बल देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता है। पार्टी के कार्यक्रमों एवं नीतियों को गांव-गांव तथा प्रत्येक बूथ तक पहुंचाने के लिए कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।बैठक में विधायक प्रतिनिधि संजय यादव, विधायक प्रतिनिधि अनिल प्रजापति, राजेंद्र साहू, बूथ अध्यक्ष गार्जियन मोहन पांडे, तुलसी प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, निर्मल यादव, विनोद यादव, कैलाश यादव, केदार यादव, राजदेव यादव, पिंटू कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र प्रसाद ने किया।

जन्मस्थली पहुंचे भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, बोले- झारखंड मेरा दूसरा घर

(वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

रांची,। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन अपने दो दिवसीय झारखंड दौरे पर शनिवार को रांची पहुंचे। भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार अपनी जन्मस्थली पहुंचे नितिन नबीन का पार्टी कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया। रांची एयरपोर्ट पहुंचने के बाद उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि झारखंड उनके लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, ह्लयह मेरी जन्मस्थली है, इसलिए झारखंड मेरा दूसरा घर है। एयरपोर्ट से प्रदेश भाजपा कार्यालय तक उनके स्वागत में कार्यकताओं की भारी भीड़ उमड़ी। ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा के बीच उनका अभिनंदन किया गया। इस दौरान उन्होंने हीनू स्थित कपूरी ठाकुर की प्रतिमा, बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा तथा कैलाशपति मिश्रा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

सोलर सिस्टम बंद, सरकारी धन की बबार्दी पर भड़के प्रमुख

जितेंद्र कुमार दास/रफ्तार मीडिया

तोपचांचीः प्रखंड परिसर में जरेडा के माध्यम से स्थापित दस केवीए क्षमता का सोलर सिस्टम लंबे समय से बंद पड़ा है। लाखों रुपये की लागत से लगाए गए इस सोलर प्लांट के निष्क्रिय रहने से सरकारी धन के दुरुपयोग और विभागीय लापरवाही पर सवाल खड़े होने लगे हैं। जिस योजना का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों को स्वच्छ और सस्ती ऊर्जा उपलब्ध कराना था, वह आज खुद उपेक्षा का शिकार बनी हुई है। प्रखंड प्रमुख आनंद महतो ने सोलर सिस्टम की बदहाल स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा कि सोलर परियोजना के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए गए, लेकिन इसका लाभ आज तक आम जनता और सरकारी कार्यालय को नहीं मिल सका। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब एक माह पूर्व संबंधित विभाग ने सोलर सिस्टम को पुनः चालू कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक उस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई। उनकी शिकायतों और मांगों को भी लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2026 में जरेडा के माध्यम से प्रखंड परिसर में यह सोलर सिस्टम स्थापित किया गया था। लेकिन स्थापना के बाद से ही यह व्यवस्था पूरी क्षमता के साथ संचालित नहीं हो सकी और वर्तमान में पूरी तरह बंद पड़ी है। परिणामस्वरूप सरकारी कार्यालय को सौर ऊर्जा का कोई लाभ नहीं मिल रहा है और बिजली बचत का उद्देश्य भी अधूरा रह गया है।

प्रमुख आनंद महतो ने कहा कि विभागीय उदासीनता और मनमानी के कारण यह महत्वाकांक्षी योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों एवं एजेंसियों पर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जनता के टैक्स के पैसे से बनाई गई योजनाओं को इस तरह बर्बाद नहीं होने दिया जा सकता।

वहीं स्थानीय लोगों ने भी सोलर प्लांट की दुर्दशा पर चिंता जताई है। लोगों का कहना है कि जब लाखों रुपये खर्च कर सोलर सिस्टम लगाया गया था तो उसकी नियमित देखरेख और रखरखाव सुनिश्चित किया जाना चाहिए था। अब सवाल उठ रहा है कि आखिर इस योजना की जवाबदेही किसकी है और सरकारी धन की इस बबार्दी का हिसाब कौन देगा।

बंद पड़े सोलर सिस्टम को लेकर लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। अब सभी की निगाहें प्रशासन और संबंधित विभाग पर टिकी हैं कि आखिर कब यह योजना फिर से चालू होगी और जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई की जाएगी।

शीघ्र शुरू होगा पलामू किला का जीर्णोद्धार-राधाकृष्ण किशोर

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर पलामू किला का जीर्णोद्धार कार्य को अतिशीघ्र प्रारम्भ कराने के लिए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और क्षेत्रीय विधायक श्री रामचंद्र सिंह ने पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू से उनके सरकारी आवास स्थित कार्यालय में मुलाकात किया। पर्यटन मंत्री श्री सोनू ने पलामू किला क्र जीर्णोद्धार के लिए तैयार की जा रही योजना का ह्लपावरपॉइंट प्रस्तुतिकरणह्व दिखलाया।

अद्यतन स्थिति

पर्यटन मंत्री ने वित्त मंत्री और क्षेत्रीय विधायक को बताया कि पलामू किला के जीर्णोद्धार के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (उ्ढफ) तैयार कराया जा रहा है। संभावना है कि किले के जीर्णोद्धार के ऊपर 50-60 करोड़ रुपये राशि खर्च होगी। उ्ढफ तैयार करने के पश्चात जीर्णोद्धार कार्य का निविदा आमंत्रित किया जाएगा। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने पर्यटन विभाग के उपस्थित पदाधिकारियों को कहा कि हर कीमत पर वर्ष 2028 तक पलामू जिला का जीर्णोद्धार का काम पूरा करा लिया जाए।

पलामू किला के महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए राधाकृष्ण किशोर ने पर्यटन मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू को बताया कि पलामू किला व्याघ्र अभयारण्य क्षेत्र में अवस्थित है। सन 1628 में चेरो वंश के राजा प्रताप राय ने किले का निर्माण कराया था। उसके बाद 1658 में राजा मेदीनिराय ने नए किले का निर्माण की शुरूवात की थी, जो पूरा नहीं हो सका। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर और क्षेत्रीय विधायक रामचन्द्र सिंह ने बताया कि किले के जीर्णोद्धार के बाद उसका सौंदर्यीकरण और लाइट एंड साउंड आदि की योजना भी प्रस्तावित है। श्री किशोर ने कहा कि आदिवासियों एवं पर्यटन के विकास के लिए ट्राइबल होम स्टे जैसी योजना, जिसमें पर्यटक कुछ दिन ठहर कर प्राकृतिक सौंदर्य के बीच आदिवासी सभ्यता एवं संस्कृति को करीब से देख सकते हैं।

पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत 106 गांवों में 4ऋ मोबाइल सेवा पहुंची, शेष क्षेत्रों के लिए 14 नए टावर मार्च 2027 तक होंगे स्थापित:-सांसद पलामू

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर सांसद पलामू श्री विष्णु दयाल राम के लगातार प्रयासों के फलस्वरुप पलामू संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत क्रमशः दोनों जिलें पलामू एवं गढ़वा के विभिन्न गांवों में भारत सरकार के दूरसंचार विभाग के अंतर्गत डिजिटल भारत निधि से वित्तपोषित परियोजनाओं के माध्यम से भारत संचार निगम लिमिटेड द्वारा पलामू संसदीय क्षेत्र के दूरस्थ एवं अब तक मोबाइल नेटवर्क से वंचित गांवों में 4ऋ मोबाइल सेवाओं के विस्तार का कार्य तेजी से किया जा रहा है। विद्युत है कि उक्त संबंध में भारत संचार निगम लिमिटेड के मुख्य महाप्रबंधक दूरसंचार, झारखंड रांची, श्री विपुल अग्रवाल के कार्यालय पत्रांक जेकेडी/एनडब्लूपी-सीएम/यूएसओएफ प्रोजेक्ट/2023-24/161, दिनांक 3 जून 2026 का पत्र के द्वारा सूचित किया गया है।

माननीय सांसद ने कहा कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य उन गांवों तक आधुनिक दूरसंचार सुविधाएं पहुंचाना है, जहां निजी दूरसंचार कंपनियों के लिए व्यावसायिक कारणों से नेटवर्क विस्तार संभव नहीं हो पाया था। 4ऋ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता से ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन बैंकिंग तथा रोजगार के नए अवसरों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पलामू संसदीय क्षेत्र में 66 मोबाइल टावरों का सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ किया जा चुका है, जिनके माध्यम से 106 गांवों को 4G मोबाइल नेटवर्क कवरेज उपलब्ध कराया गया है।

माननीय सांसद श्री राम ने कहा कि क्षेत्र के शेष नेटवर्क-वंचित इलाकों को भी शीघ्र 4G सेवा से जोड़ने के लिए 14 अतिरिक्त मोबाइल टावर स्थापित किए जाने की योजना है। इन टावरों के लिए भूमि आवंटन एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने हेतु बीएसएनएल तथा राज्य सरकार के संबंधित विभागों के बीच समन्वय किया जा रहा है। भूमि उपलब्ध होते ही टावर निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा।

बहुत जल्द प्रस्तावित सभी अतिरिक्त टावर मार्च 2027 तक चालू हो जाएंगे, जिससे पलामू संसदीय क्षेत्र के अधिकांश ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में निर्बाध 4G मोबाइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सकेगी।

माननीय सांसद ने इसके लिए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी एवं आदरणीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम० सिंधिया जी के प्रति पलामू संसदीय क्षेत्र की समस्त जनता की ओर से हार्दिक धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया है।

ऊंचे बिल्डिंग, अस्पताल, मॉल में की जाएगी फायर सेफ्टी ऑडिट

रफ़्तार मीडिया संवाददाता समामा औसाल, धनबाद : उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, धनबाद, आदित्य रंजन ने धनबाद जिले के सभी ऊंचे भवन, अस्पताल, मॉल तथा अन्य असुरक्षित स्थलों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में उपायुक्त ने कहा कि विगत दिनों देश के विभिन्न स्थालों पर अग्नि से संबंधित दुर्घटना की सूचना विभिन्न माध्यमों से प्राप्त हो रही है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से धनबाद जिले में ऊंचे भवन, अस्पताल, मॉल एवं अन्य असुरक्षित स्थलों का फायर सेफ्टी ऑडिट करना आवश्यक है। ताकि किसी भी प्रकार की संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

फायर सेफ्टी ऑडिट के लिए नगर आयुक्त, उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन तथा जिला अग्नि शमन पदाधिकारी को निर्देशित किया है।

फायर सेफ्टी ऑडिट के माध्यम से संभावित भवन के अग्नि खतरों की पहचान, अग्नि सुरक्षा संबंधी उपायों, भवन की अग्निशमन प्रणालियों की प्रभावशीलता एवं परिसर की समग्र अग्नि सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सुझावों का आकलन किया जा सकेगा।

बोकारो में आईजी ने की पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

बोकारो की कानून-व्यवस्था को लेकर एक अहम बैठक हुई। बोकारो रेंज के आईजी शैलेंद्र कुमार सिन्हा ने जिले के सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और कई जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने जिले के एसपी, डीएसपी और सभी थाना प्रभारियों के साथ कानून-व्यवस्था की समीक्षा की।

बैठक में लंबित कांडों के निष्पादन, संगठित अपराध, अवैध खनन, साइबर क्राइम और नशे के कारोबार पर विशेष चर्चा हुई। आईजी ने सभी थानों के लंबित मामलों का ब्यौरा लिया और त्वरित निपटारे का निर्देश दिया।

श्री सिंहा ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाए। लंबित कांडों का जल्द निपटारा हो। आम जनता की शिकायतों को प्राथमिकता से लें और समय पर कार्रवाई करें। रात्रि गश्ती और चेकिंग अभियान तेज किया जाए।

आईजी ने साइबर अपराध और महिलाओं से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनता के साथ बेहतर व्यवहार और सामुदायिक पुलिसिंग पर जोर देने की हिदायत दी। बैठक में बोकारो एसपी समेत जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी और थाना प्रभारी मौजूद थे।

आईजी की इस समीक्षा बैठक से साफ है कि अब बोकारो पुलिस अपराधियों पर और सख्त होगी। उन्होंने कुख्यात अपराधी प्रिंस खां मामले में कहा कि यह नेटवर्क पुलिस के लिए चुनौती रहा है लेकिन उसके चेन को तोड़ने में हम हद तक कामयाब रहे हैं। किसी भी कीमत पर उसे

जापान में लहराया तिरंगा: भारतीय महिला हॉकी टीम ने जीता अंडर-18 एशिया कप का कांस्य पदक, झारखंड की 6 खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का मान

वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर)

अंडर 18 एशिया कप: भारतीय महिला हॉकी टीम ने कोरिया को 3-0 से हराकर जीता कांस्य,झारखंड की संदीपा कुमारी ने मैच के दूसरे मिनट में ही भारत की ओर से एक शानदार गोलकर कांस्य पदक पक्का करने के लिए पहली सीढ़ी की शुरूवात की

झारखंड की संदीपा कुमारी को उसके शानदार खेल के प्रदर्शन के लिए बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरुस्कार दिया गया

काकामीगाहारा जापान में 29 मई से 06 जून 2026 तक आयोजित अंडर 18 एशिया कप में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कोरिया को 3-0 से पराजित कर कांस्य पदक अपने नाम किया।

तीसरे-चौथे स्थान के लिए खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने कल पेनल्टी शूटआउट में मिली हार से

सबक लेते हुए आक्रामक शुरूआत की। मैच के दूसरे मिनट में ही झारखंड की संदीपा कुमारी ने फील्ड गोल कर भारत को बढ़त दिलाई और कांस्य पदक की ओर पहला कदम बढ़ाया।

दूसरे क्वार्टर के शुरूवात में भी मैच के 16 वे मिनट में कप्तान स्वीटी कुजूर ने दूसरा गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। उसी तरह तीसरे क्वार्टर के सुरु में ही में मैच के 33 वे मिनट में टूनामेंट में सर्वाधिक 12 गोल करने वाली नौशीन नाज ने भारत की ओर से एक और गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया, जो निर्णायक साबित हुआ।

झारखंड की 6 खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम में झारखंड की 6 खिलाड़ी शामिल रहीं - संदीपा कुमारी, पुष्पा मांझी, श्रुति कुमारी, सुगन सांगा, नीलम टोपनो

और खिल्ली कुमारी है,और इन्होंने जबरजजस्त खेल का प्रदर्शन कर कई गोल भी किए है, झारखंड की संदीपा कुमारी और श्रुति कुमारी ने दो दो गोल किए जबकि पुष्पा मांझी ने एक गोल की।

संदीपा कुमारी को बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरुस्कार=

मैच के दूसरे मिनट में ही भारत की ओर से गोल कर भारत की ओर से आक्रमण की शुरूआत करने करने वाली झारखंड की संदीपा कुमारी जिसने पूरे मैच के दौरान शानदार प्रदर्शन कर भारत को कांस्य पदक जितने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उसके शानदार खेल के प्रदर्शन के लिए आयोजन समिति की ओर से बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया ।यह बड़ा संयोग का अवसर है आज से ठीक 10 वर्ष पहले 2016 में भी व 18 एशिया कप में भारतीय महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक प्राप्त की थी और उसके भी कांस्य पदक विजेता टीम में संदीपा कुमारी की बड़ी बहन संगीता कुमारी का महत्वपूर्ण योगदान था, उसे भी उस मैच में बेस्ट प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया था और अब संगीता कुमारी सीनियर भारतीय हॉकी टीम की स्ट्राइकर है।

मैच के दौरान स्टेडियम में मौजूद हॉकी इंडिया के महासचिव श्री भोलानाथ सिंह और कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरण ने जीत के बाद भारतीय टीम को बधाई दी।

झारखंड में होगा भव्य स्वागत

भारत की जीत पर हॉकी झारखंड और खेल विभाग झारखंड सरकार के पदाधिकारियों ने बधाई दी। हॉकी झारखंड की ओर से कहा गया कि झारखंड आगमन पर पदक विजेता सभी खिलाड़ियों का भव्य स्वागत किया जाएगा।

हॉकी झारखंड

गांडेय में जमीन विवाद का मामला गरमाया-धारा 144 के बावजूद निर्माण की कोशिश, पुलिस की सूझबूझ से बड़ा मामला टला

रफ्तार मीडिया सवाददाता राजु मंडल गांडेय।

गांडेय अंचल क्षेत्र में जमीन विवाद का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। ताजा मामला एक ही जमीन पर दोहरी जमाबंदी कायम कर फर्जी रसीद निर्गत करने से जुड़ा है, जिसे लेकर दो पक्षों में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। प्रशासनिक आदेश (धारा 144) का उल्लंघन करते हुए एक पक्ष द्वारा निर्माण कार्य शुरू किए जाने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से बचाया और काम को रुकवा दिया।

मिली जानकारी के अनुसार,गांडेय अंचल के गांडेय के खाता संख्या 3, प्लॉट संख्या 295, 296, और

297 की कुल 18 डिसमिल जमीन पर विवाद चल रहा है। प्रथम पक्ष के रंजीत राम के अनुसार, यह जमीन उनके पूर्वजों—अम्बिका राम, दोरीका राम और चिंतामन राम—के नाम से दर्ज है, जिसकी जमाबंदी काफी समय से कायम है और वे नियमित रूप से लगान रसीद कटाते आ रहे हैं।

?आरोप है कि इसी बीच अंचल कार्यालय की मिलीभगत या फजीर्वाड़े के सहारे वर्तमान में इसी जमीन की एक और रसीद अकबर अली के नाम से निर्गत कर दी गई है। एक ही भूखंड पर दो अलग-अलग नामों से रसीद जारी होने के कारण विवाद चरम पर पहुंच गया।

तनाव के बाद पुलिस की त्वरित कार्रवाई

?विवादित जमीन पर तीन दिन पूर्व ही अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा धारा 144 लागू कर किसी भी प्रकार के कार्य पर रोक लगा दी गई थी। इसके बावजूद, शनिवार को अकबर अंसारी के वंशजों ने उक्त जमीन पर जबरन निर्माण कार्य शुरू कर दिया। जब दूसरे पक्ष के रंजीत राम और उनके परिजन निर्माण कार्य का विरोध करने और इसे रुकवाने पहुंचे, तो दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस और कहासुनी शुरू हो गई।

हीरोडीह थाना परिसर में थाना प्रभारी ने किया पौधारोपण

गिरीडीह/रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को हीरोडीह थाना प्रभारी महेशचंद्र द्वारा थाना परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने संयुक्त रूप से विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे लगाए और आम लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित थाना प्रभारी महेशचंद्र और एसआई वीरेन्द्र तिवारी समेत पुलिस बल के जवानों ने मिट्टी खोदकर पौधे रोपे और उन्हें सींचा। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक

पौधा जरूर लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। पुलिस प्रशासन की इस सराहनीय पहल की स्थानीय लोगों ने खूब सराहना की है।

दिखावे का न बने पौधरोपण, सुरक्षा घेरा भी है जरूरी

दूसरी ओर, पौधरोपण की इस मुहिम की सराहना करते हुए रफ्तार मीडिया ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यावहारिक मुद्दे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। रफ्तार मीडिया के प्रतिनिधि ने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि पर्यावरण दिवस या अन्य अवसरों पर बड़े उत्साह के साथ पौधे तो लगा दिए जाते हैं, लेकिन उचित घेराबंदी (ट्री-गार्ड) न होने के कारण वे पौधे लावारिस पशुओं का चारा बन जाते हैं।

उन्होंने पौधरोपण करने वाली तमाम संस्थाओं, प्रशासनिक अधिकारियों और आम नागरिकों से अपील की है कि वे केवल पौधा लगाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री न कर लें। पौधा तभी लगाएं, जब उसकी सुरक्षा के लिए पुख्ता घेराबंदी की व्यवस्था हो या वे खुद इसकी जिम्मेदारी लें। दिखावे के पौधरोपण से बेहतर है कि कम पौधे लगाए जाएं, लेकिन उन्हें सुरक्षित रखकर पेड़ बनने तक उनकी पूरी देखभाल की जाए। पौधा रोपण कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा नेता उदय कुमार द्विवेदी प्रकाश शर्मा समाजसेवी नरसिंह मंडल राहुल राम आशीष वर्मा राकेश मंडल आदि लोग उपस्थित थे

करोड़ों की बिल्डिंग... बनने जा रही जुआरियों की फील्डिंग

गांडेय रफ्तार मीडिया सवाद दाता राजु मंडल।

सरकारी सिस्टम की नाकामी का एक और जीता-जागता सबूत गांडेय प्रखंड के मैदनीसारे गांव में देखने को मिल रहा है। यहाँ जयति नदी के किनारे, आदिवासी और अल्पसंख्यक बाहुल्य इलाके में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 13 करोड़ 65 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से एक आलीशान डिग्री महाविद्यालय का निर्माण किया गया था।

?लगभग 76 कमरों की यह चमचमाती इमारत दो साल पहले ही बनकर पूरी तरह तैयार हो चुकी है। लेकिन अफसोस, आज तक इस कॉलेज में न तो कोई प्रोफेसर पहुंचा और न ही किसी छात्र की किताब खुली। करोड़ों की लागत से बना यह आलीशान कॉलेज आज सिर्फ एक प्राइवेट गार्ड के भरोसे लावारिस छोड़ दिया गया है।

अपराधियों का 'सेफ जोन' बनने का डर, ग्रामीणों की उड़ी नींद

इस बंद पड़ी इमारत की वजह से स्थानीय लोगों की रातों की नींद उड़ी हुई है। ग्रामीणों का यह डर बेबुनियाद नहीं है, बल्कि इसके पीछे दो मुख्य और गंभीर वजहें हैं,

? महज दो महीने पहले, पुलिस ने इसी महाविद्यालय के ठीक बगल से दो वाहनों में भारी मात्रा में नकली शराब और शराब बनाने की सामग्री जब्त की थी। ग्रामीणों को डर है कि जब तक कॉलेज बंद रहेगा, यह सुनसान इलाका अपराधियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना रहेगा।

इतिहास दोहराने का खौफ।

गांडेय के लोग पहले भी सिस्टम का यह क्रूर मजाक देख चुके हैं। 16 साल पहले करोड़ों की लागत से बना महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज आज चालू न होने की वजह से 'भूत बंगला' बन चुका है, जहां सिर्फ शराबी और जुआरी महफिल जमाते हैं। ग्रामीणों को डर है कि इस 13 करोड़ी डिग्री कॉलेज का हश्र भी वैसा ही न हो जाए।

रफ्तार मीडिया के तीखे सवाल

सवाल 1: जब कॉलेज चालू ही नहीं करना था, तो जनता की गाढ़ी कमाई के 13.65 करोड़ जयति नदी के किनारे क्यों बहा दिए गए?

सवाल 2: क्या शिक्षा विभाग यहाँ के युवाओं को बगैर डिग्री के अनपढ़ ही रखना चाहता है?

?बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में पर्यावरण दिवस पर लिया गया हरित संकल्प, हुआ वृहद वृक्षारोपण

(जिला संवाददाता डीके राठौर)

रामगढ़, बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस 2026 उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस वर्ष की थीम ह्लइंस्पायर्ड बाय नेचर फॉर क्लाइमेट फॉर आवर फ्यूचरह्व (हमारे भविष्य के लिए जलवायु हेतु प्रकृति से प्रेरित) के तहत कंपनी परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान सहित विभिन्न जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों और स्थानीय समुदाय के बीच पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना तथा हरित व सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करना था।

?शपथ से हुई कार्यक्रम की शुरूआत:

संस्थान की एचएएसपी एवं जीएफए इकाइयों में कार्यक्रम की शुरूआत सामूहिक पर्यावरण संरक्षण शपथ के साथ हुई। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग, पर्यावरण की रक्षा और एक स्वच्छ-हरित वातावरण के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इसके पश्चात दोनों इकाइयों में सघन पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

?जागरूकता सत्र और प्रश्नोत्तरी का आयोजन:

कर्मचारियों को जैव विविधता के महत्व और सतत विकास के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने के लिए विशेष पर्यावरण जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा, पर्यावरण से जुड़े विषयों पर कर्मचारियों के ज्ञान को परखने के लिए ऑन-द-स्पॉट और लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता कर्मचारियों को अधिकारियों द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।

?सतत विकास के प्रति दोहराई प्रतिबद्धता:

कार्यक्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। इस अवसर पर प्रबंधन ने कहा कि उद्योग के साथ-साथ पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है।

मिहिजाम की पुकार: नंगे तार ढको, घेराबंदी करो; कब रुकेगी बेजुबानों की मौत?

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
मिहिजाम

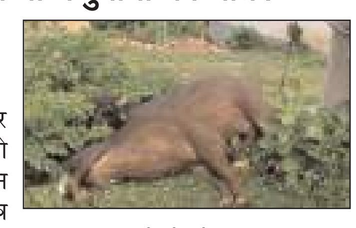

विद्युत विभाग की घोर लापरवाही ने शनिवार को मिहिजाम के कानगोई हनुमान मंदिर क्षेत्र में एक गरीब पशुपालक की आजीविका छीन ली। ट्रांसफार्मर से हो रहे करंट रिसाव की चपेट में आने से दो मवेशियों की तड़प-तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे ने न केवल पशुपालक सत्येंद्र यादव को आर्थिक रूप से तोड़ दिया, बल्कि पूरे इलाके में विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश है।

आजीविका का सहारा छिना, डेढ़ लाख का नुकसान

विश्वकर्मा मंदिर रोड निवासी पशुपालक सत्येंद्र यादव ने बताया कि उनके मवेशी रोज की तरह चरने निकले थे। कानगोई हनुमान मंदिर के पास लगे ट्रांसफार्मर के चारों ओर बिखरे नंगे तारों की चपेट में आकर दोनों मवेशियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। "मेरे घर की रोजी-रोटी यही मवेशी थे। अब परिवार कैसे चलेगा," रोते हुए सत्येंद्र ने कहा। इस घटना से उन्हें लगभग डेढ़ लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

मौत का जाल बना ट्रांसफार्मर, नहीं है कोई घेराबंदी

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कानगोई हनुमान मंदिर के पास लगा ट्रांसफार्मर खुद बड़े खतरे का केंद्र है। न तो इसके चारों ओर कोई सुरक्षा घेराबंदी है और न ही तारों को ढका गया है। बिजली के नंगे तार मकड़ी के जाल की तरह बिखरे हैं। हाईमास्ट लाइट के लिए भी मनमाने ढंग से तार जोड़कर कनेक्शन लिया गया है, जो कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है।

बीते सप्ताह में दूसरी घटना, विभाग बेपरवाह

यह पहली घटना नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि महज दो-तीन दिन पहले ही मेन रोड पर जैन मंदिर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-419 पर भी करंट लगने से एक गौ माता की मौत हो गई थी। बार-बार हो रही घटनाओं के बावजूद विद्युत विभाग मौन है। मिहिजाम में जहां-जहां ट्रांसफार्मर खुले पड़े हैं, वहां से लगातार पशुओं की मौत की खबरें आ रही हैं।

जिला प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग

नाराज लोगों ने कहा कि आज बेजुबान मरे हैं, कल कोई इंसान भी चपेट में आ सकता है। क्या विभाग किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? नागरिकों ने जिला पदाधिकारी और बिजली विभाग से मांग की है कि मिहिजाम के सभी ट्रांसफार्मरों की तुरंत घेराबंदी कराई जाए। लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो और पीड़ित पशुपालक को मुआवजा दिया जाए, ताकि ऐसी घटनाओं पर रोक लग सके।

सीआईएसएफ की कार्रवाई: ढाई टन अवैध कोयला जब्त, चोरी पर कड़ा पहरा

रफ्तार मीडिया संवाददाता

खलारी: राष्ट्रीय संपत्ति की सुरक्षा और कोयला चोरी पर लगाम लगाने के लिए सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार क्षेत्र में लगातार सघन अभियान चला रही है। इसी कड़ी में शनिवार (6 जून) की सुबह केडीएच डम्पर यार्ड चेक पोस्ट के पास एक विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया।?निरीक्षक पंकज कुमार झा के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई में सीआईएसएफ की टीम ने 2.35 टन अवैध कोयला बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत ?3,624.85 आंकी गई है। जब्त कोयले को तोलने के बाद सुरक्षित डम्प में खाली करा दिया गया है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था की कोई स्थिति पैदा नहीं हुई।?यूनिट कमांडेंट अमित कुमार ने कहा कि सीआईएसएफ के जवान खदान क्षेत्र के हर संवेदनशील मोड़ पर पैनी नजर रख रहे हैं। लगातार हो रही इस तरह की कार्रवाई से कोयला चोरी की घटनाओं में भारी कमी आई है।

कोयलांचल में तेज आंधी-तूफान और बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बिजली हुई गुल।

रफ्तार मीडिया संवाददाता पवन गुप्ता

खलारी: बीती रात आए आंधी-तूफान और बारिश ने पूरे कोयलांचल क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। अचानक मौसम के बदले मिजाज और तेज हवाओं के कारण क्षेत्र का आम जनजीवन पूरी तरह से पटरी से उतर गया है। कई जगहों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिरने की सूचना है, जिससे बुनियादी सुविधाएं ठप हो गई हैं।

बिजली संकट से हाहाकार, त्राहि-त्राहि कर रहे लोग

इस प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा असर कोयलांचल और आस-पास के इलाकों की बिजली व्यवस्था पर पड़ा है। पिछले लगभग 24 घंटों से पूरे कोयलांचल क्षेत्र में बिजली पूरी तरह से गुल है। भीषण गर्मी और उमस के बीच ब्लैकआउट होने से स्थानीय निवासी पानी और हवा के लिए तरस गए हैं।एक तरफ कड़कड़ाती धूप और उमस भरी गर्मी है, तो दूसरी तरफ लगभग चौबीस घंटे से बिजली गायब है। घरों में पीने के पानी का संकट खड़ा हो गया है और रात अंधेरे में काटनी पड़ रही है। गर्मी के मारे बच्चे और बुजुर्गों का हाल बेहाल है, लोग त्राहि-त्राहि करने को मजबूर हैं।?घंटों बीत जाने के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने से स्थानीय जनता और ग्रामीण रात भर परेशान है।कोयलांचल के लोग विभाग के वरीय पदाधिकारियों से मांग की है कि युद्ध स्तर पर काम चलाकर जल्द से जल्द क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बहाल की जाए, ताकि जनता को इस तपती गर्मी से राहत मिल सके।

संपादकीय

नशा: राष्ट्र की जड़ों को खोखला करने वाली चुनौती

भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में अग्रणी है। देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा शक्ति भारत की सबसे बड़ी सामर्थ्य, सबसे बड़ी पूंजी और उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। विज्ञान, तकनीक, उद्योग, शिक्षा, खेल और नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों के पीछे इसी युवा शक्ति का योगदान है। किंतु विडंबना यह है कि आज यही युवा वर्ग नशे के बढ़ते जाल में फंसता जा रहा है। नशा अब केवल व्यक्तिगत कमजोरी या स्वास्थ्य संबंधी समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता, आर्थिक विकास और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। देश के विभिन्न भागों में समय-समय पर करोड़ों और अरबों रुपये मूल्य के मादक पदार्थों की बरामदगी यह प्रमाणित करती है कि नशे का कारोबार संगठित अपराध का एक विशाल अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बन चुका है। विशेष रूप से पंजाब, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात तथा पूर्वोत्तर राज्यों में सीमापार से होने वाली तस्करी ने स्थिति को और अधिक गंभीर बना दिया है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा लगातार हेरोइन, अफीम, चरस, कोकीन तथा सिंथेटिक ड्रग्स की बड़ी खेपों को पकड़ा जाना इस बात का संकेत है कि भारत को नशे के बड़े बाजार के रूप में देखा जा रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो तथा विभिन्न सरकारी रिपोर्टों के अनुसार देश में लाखों युवा किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों के सेवन के आदी हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कराए गए एक व्यापक अध्ययन में यह तथ्य सामने आया था कि करोड़ों भारतीय तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं तथा उनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। चिंता की बात यह है कि स्कूल और कॉलेज स्तर तक नशे की पहुंच बढ़ रही है। अनेक राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां किशोरों को ड्रग्स के वितरण और तस्करी में इस्तेमाल किया गया। नशे के बढ़ते संकट का एक राष्ट्रीय सुरक्षा पक्ष भी है। अनेक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान प्रत्यक्ष युद्ध में लगातार असफल होने के बाद भारत को अस्थिर करने के लिए आतंकवाद, नकली मुद्रा और नशे की तस्करी जैसे छद्म युद्ध के हथियारों का उपयोग करता रहा है। पंजाब में लंबे समय से सीमा पार से ड्रोन और अन्य माध्यमों द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं। अब जम्मू-कश्मीर में भी नशे के बढ़ते प्रभाव को इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। आतंकवाद की कम होती गतिविधियों के बीच नशे का फैलाव एक नए खतरे के रूप में उभर रहा है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को कमजोर करना और समाज की ऊर्जा को नष्ट करना है।

इसी संदर्भ में जम्मू-कश्मीर में प्रारंभ किया गया ह्यनशामुक्त जम्मू-कश्मीरह्व अभियान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व में चल रहा यह अभियान प्रशासनिक कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता पर भी बल देता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों, धार्मिक समूहों तथा आम नागरिकों को जोड़ने का प्रयास किया गया है। कुलगाम सहित कई क्षेत्रों में विभिन्न समुदायों द्वारा इस अभियान को समर्थन दिया जाना इस बात का संकेत है कि नशे जैसी समस्या का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। वास्तव में नशे का सबसे दुखद और भयावह प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ता है। युवा जीवन ऊर्जा, सृजन और सपनों का प्रतीक होता है, किंतु नशा इन सभी संभावनाओं को नष्ट कर देता है। एक बार नशे की गिरफ्त में आने के बाद व्यक्ति धीरे-धीरे अपनी शारीरिक क्षमता, मानसिक संतुलन, आर्थिक स्थिति और सामाजिक प्रतिष्ठा खोने लगता है। उसका आत्मविश्वास कमजोर पड़ जाता है और वह अवसाद, तनाव तथा अपराध की दुनिया की ओर बढ़ सकता है। यही कारण है कि नशा केवल व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को प्रभावित करता है। परिवार की आर्थिक स्थिति बिगड़ती है, पारिवारिक संबंध टूटते हैं और सामाजिक जीवन में अस्थिरता बढ़ती है।

नशे के विस्तार के पीछे केवल तस्करी जिम्मेदार नहीं है। इसके सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक कारण भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। बेरोजगारी, भविष्य की अनिश्चितता, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, पारिवारिक तनाव, सामाजिक विघटन, अकेलापन, मानसिक अवसाद और गलत संगति युवाओं को नशे की ओर धकेलती है। आधुनिक उपभोक्तावादी संस्कृति ने भी कृत्रिम सुख और त्वरित आनंद की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। जब जीवन में लक्ष्य, दिशा और सकारात्मक प्रेरणा का अभाव होता है, तब व्यक्ति नशे जैसे विनाशकारी विकल्पों की ओर आकर्षित हो सकता है। नशे और अपराध का संबंध भी अत्यंत गहरा है। अनेक अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि चोरी, लूट, हिंसा, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य अपराधों के पीछे नशे की भूमिका बढ़ती जा रही है। नशे की डोज प्राप्त करने के लिए युवा अपराध की राह पर उतर जाते हैं। इससे कानून-व्यवस्था प्रभावित होती है और समाज में असुरक्षा का वातावरण बनता है। सरकारें इस चुनौती से निपटने के लिए अनेक स्तरों पर प्रयास कर रही हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, सीमा सुरक्षा बल तथा राज्य पुलिस की संयुक्त कार्रवाइयों से कई बड़े ड्रग नेटवर्क ध्वस्त किए गए हैं। पंजाब, राजस्थान, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में विशेष अभियान चलाकर तस्करों पर शिकंजा कसा गया है।

टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह ह्यजुगाड़ह्व और ह्यमाफिया नेटवर्कह्व हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा

बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए।

सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। ह्यगेस पेपरह्व के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में ह्यसफलताह्व एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया ह्यसीक्रेट पेपरह्व, ह्य100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटीह्व और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्व जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा, शिक्षा नहीं, ब्रांड बिक रहे है

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या, सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं, जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिर्मार्ताओं तक पर दिखाई देता है।

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब, इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण, प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है–क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं।

यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक

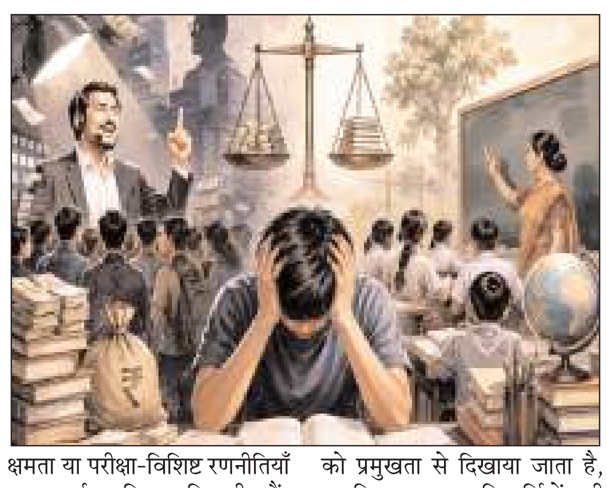

क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है।

हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है–विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं।

एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं।

विशाल होर्डिंग, लगातार विज्ञापन, सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए, न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण।

हिंदी माध्यम और अंग्रेजी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेजी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णतः सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है, जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं।

इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। यदि विद्यालयी शिक्षा इतनी मजबूत हो कि प्रतियोगी परीक्षाओं की बुनियादी तैयारी वहीं से संभव हो सके, तो कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता स्वतः कम हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यालयी शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और व्यावहारिक बनाने की दिशा में प्रयास किए हैं, किंतु इन सुधारों का प्रभाव व्यापक स्तर पर दिखाई देने में समय लगेगा। साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं की संरचना, पाठ्यक्रम और मूल्यांकन प्रणाली में भी ऐसी पारदर्शिता और संतुलन होना चाहिए कि विद्यालयी अध्ययन और परीक्षा की अपेक्षाओं के बीच अनावश्यक अंतर न रहे।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। उन्हें यह समझना होगा कि कोचिंग सफलता का एक साधन हो सकती है, लेकिन सफलता की एकमात्र शर्त नहीं। किसी भी संस्थान या शिक्षक के दावों को बिना जांचे-परखे स्वीकार करना उचित नहीं है। विज्ञापन और वास्तविक परिणामों के बीच अंतर को समझना आवश्यक है। बच्चों पर अनावश्यक दबाव डालने के बजाय उनकी रुचि, क्षमता और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अधिक महत्वपूर्ण है।

विद्यार्थियों को भी यह समझने की आवश्यकता है कि कोई भी शिक्षक, चाहे वह कितना ही लोकप्रिय क्यों न हो, उनकी मेहनत का विकल्प नहीं बन सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ज्ञान प्राप्ति के उत्कृष्ट साधन हैं, लेकिन उनका उपयोग विवेकपूर्ण ढंग से किया जाना चाहिए। लोकप्रियता और गुणवत्ता हमेशा एक ही चीज नहीं होतीं। किसी शिक्षक या संस्थान का चयन उसके प्रचार के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी शैक्षणिक उपयोगिता, विषय विशेषज्ञता और विद्यार्थियों को मिलने वाले वास्तविक लाभ के आधार पर होना चाहिए।

अंततः प्रश्न किसी एक पत्रकार, एक यूट्यूबर शिक्षक या किसी विशेष संस्थान का नहीं है। वास्तविक मुद्दा शिक्षा के बढ़ते बाजारीकरण और उस मानसिकता का है जिसमें सफलता को एक उत्पाद की तरह बेचा जाने लगा है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को सोचने, समझने और समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने का है। यदि यह उद्देश्य प्रचार, ब्रांडिंग और व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा की भीड़ में खो जाता है, तो इसका नुकसान केवल विद्यार्थियों को नहीं बल्कि पूरे समाज को उठाना पड़ेगा।

समय की आवश्यकता है कि शिक्षा को पुनः उसके मूल उद्देश्य से जोड़ा जाए। विद्यालयों को मजबूत बनाया जाए, प्रतियोगी परीक्षाओं और पाठ्यक्रम के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, कोचिंग संस्थानों के लिए पारदर्शी मानक बनाए जाएँ और विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाया जाए कि सफलता का सबसे बड़ा आधार उनकी अपनी मेहनत, अनुशासन और सीखने की क्षमता है। तभी शिक्षा वास्तव में राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन सकेगी, न कि केवल एक लाभकारी व्यापार।

कब तक सरपंचों, पार्षदों के हक का उपयोग करते रहेंगे पति?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत में लोकतंत्र की जड़ें केवल संसद, विधानसभा और बड़े राजनीतिक मंचों में नहीं, बल्कि गांवों, कस्बों और नगरों की स्थानीय संस्थाओं में भी गहराई से फैली हुई हैं। पंचायतें और नगर निकाय लोकतंत्र की वह सबसे छोटी लेकिन सबसे जीवंत इकाई हैं, जहाँ जनता अपने प्रत्यक्ष प्रतिनिधियों के माध्यम से शासन में भागीदारी करती है। इन्हीं संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए संविधान ने आरक्षण का प्रावधान किया, ताकि वे केवल घरेलू दायरे तक सीमित न रहें, बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा सकें। लेकिन आज एक कटु सच्चाई यह है कि अनेक स्थानों पर महिला सरपंच और महिला पार्षद केवल नाम की प्रतिनिधि बनकर रह गई हैं, जबकि वास्तविक कामकाज उनके पति या परिवार के पुरुष सदस्य संभाल रहे हैं। यही स्थिति ह्लसरपंच पतिह्व और ह्लपार्षद पतिह्व जैसी संज्ञाओं को जन्म देती है।

यह प्रश्न केवल औपचारिकता का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा से जुड़ा हुआ है। जब कोई महिला निर्वाचित होकर पद संभालती है, तो उसके पीछे जनता का विश्वास, संवैधानिक अधिकार और राजनीतिक हिस्सेदारी होती है। यदि उसकी जगह कोई और व्यक्ति निर्णय लेता है, बैठकों में भाग लेता है या प्रशासनिक कार्य करता है, तो यह उस जनादेश का अपमान है जिसे मतदाताओं ने दिया था। महिला प्रतिनिधि के नाम पर किसी पुरुष का सत्ता चलाना न केवल लोकतांत्रिक मयार्दा का उल्लंघन है, बल्कि यह आरक्षण नीति की मूल भावना को भी कमजोर करता है।

73वें और 74वें संविधान संशोधन ने भारत में स्थानीय स्वशासन को नया आयाम दिया। इन संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया। उद्देश्य यह था कि महिलाएं पंचायतों में केवल संख्या के रूप में न दिखें, बल्कि नेतृत्व, प्रशासन, योजना-निर्माण और नीति-क्रियान्वयन में भाग लें। इससे लाखों महिलाएं स्थानीय राजनीति में आईं, जिनमें अनेक ने असाधारण क्षमता, संवेदनशीलता और जनसंपर्क का परिचय दिया। कई महिला सरपंचों ने जल, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए। इससे यह भी सिद्ध हुआ कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी तरह पुरुषों से कम नहीं हैं।

फिर भी यह भी सच है कि व्यापक सामाजिक संरचना आज भी पितृसत्तात्मक है। गांवों में, विशेषकर उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में, महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में स्वतंत्र रूप से भाग लेने के लिए पर्याप्त सामाजिक स्वीकृति नहीं मिलती। कई बार वे पढ़ी-लिखी होते हुए भी परंपरागत दबावों, पारिवारिक नियंत्रण और भय के कारण निर्णय लेने से बचती हैं। कुछ जगहों पर तो विवाह के बाद महिला प्रतिनिधि की राजनीतिक पहचान लगभग समाप्त हो जाती है और उसका स्थान पति ले लेता है। परिणामस्वरूप उसका संवैधानिक अधिकार कागज पर तो बना रहता है, लेकिन व्यवहार में वह अधिकार परिवार के पुरुष सदस्य के हाथ में चला जाता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

समस्या की जड़ केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक और

संस्थागत दोनों है। कई परिवारों में यह मानसिकता बन गई है कि महिला प्रतिनिधि का पद वास्तव में ह्लपरिवार का पदह्व है, जिसका संचालन पति या ससुर करेंगे। ऐसा सोचने वाले लोग यह भूल जाते हैं कि निर्वाचित पद किसी परिवार को नहीं, एक व्यक्ति को मिला होता है। कानून की दृष्टि से भी पदाधिकारी वही होता है जिसे जनता ने चुना है। यदि कोई दूसरा व्यक्ति उसके नाम पर निर्णय लेने लगे, तो यह प्रतिनिधि शासन की अवधारणा के विरुद्ध है। इससे न केवल महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित होती है, बल्कि यह भविष्य की महिला नेतृत्व पीढ़ी के लिए भी गलत संदेश देता है।

हरियाणा राज्य सूचना आयोग द्वारा इस मुद्दे पर की गई टिप्पणी विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आयोग ने स्पष्ट कहा कि महिला सरपंचों की जगह उनके पतियों का सरकारी बैठकों या प्रशासनिक कार्यों में भाग लेना गलत है। यह कथन केवल प्रशासनिक सख्ती का संकेत नहीं है, बल्कि यह इस सच्चाई की ओर भी इशारा करता है कि महिला आरक्षण को अभी भी गंभीरता से लागू करने की आवश्यकता है। यदि निर्वाचित प्रतिनिधि के अधिकार किसी और को सौंपे जाने लगें, तो फिर निर्वाचन प्रक्रिया का अर्थ ही क्या रह जाता है? आयोग की टिप्पणी ने इस बहस को फिर से राष्ट्रीय विमर्श में ला दिया कि क्या हम वास्तव में महिलाओं को सत्ता दे रहे हैं, या केवल उनका नाम इस्तेमाल कर रहे हैं?

कई लोगों का तर्क होता है कि ग्रामीण महिलाएं अक्सर अशिक्षित, अनुभवहीन या सामाजिक दबाव में होती हैं, इसलिए उनके पति प्रशासनिक काम संभाल लेते हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही हो सकता है, लेकिन यह समस्या का समाधान नहीं है। किसी महिला की कमजोरी के कारण उसका अधिकार उससे छीन लेना न्यायसंगत नहीं हो सकता। यदि कोई महिला पढ़ी-लिखी नहीं है, तो उसे शिक्षा दी जानी चाहिए। यदि उसमें प्रशासनिक अनुभव की कमी है, तो उसे प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। यदि सामाजिक दबाव है, तो समाज और प्रशासन को उसे सुरक्षा और सहयोग देना चाहिए। समस्या का इलाज अधिकार हस्तांतरण नहीं, बल्कि अधिकार-सशक्तिकरण है।

यहीं पर राज्य और समाज की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को कार्यप्रणाली, वित्तीय प्रबंधन, कानून, ग्रामसभा संचालन, विकास योजनाओं और शिकायत निवारण की उचित जानकारी दी जाए। केवल चुनाव कराकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। यदि महिलाओं को नियमित प्रशिक्षण, मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग मिले, तो वे आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व कर सकती हैं। कई राज्यों में महिला सरपंचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिनसे सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं नेतृत्व करने में सक्षम हैं, बस उन्हें अवसर और वातावरण दोनों चाहिए।

लेकिन केवल प्रशासनिक उपाय ही पर्याप्त नहीं होंगे। जब तक समाज की सोच नहीं बदलेगी, तब तक ह्लसरपंच पतिह्व और ह्लपार्षद पतिह्व की संस्कृति बनी रहेगी। गांवों और छोटे शहरों में अक्सर राजनीतिक शक्ति को पुरुष प्रभुत्व से जोड़ा जाता है। महिला को पद मिलता है, लेकिन उसे निर्णयों में अंतिम शब्द कहने की अनुमति नहीं होती। कई बार बैठक में वह उपस्थित रहती है, पर बोलता उसका पति है। कभी-कभी अधिकारी भी महिला प्रतिनिधि की बजाय पति से संवाद करना अधिक सुविधाजनक समझते हैं। यह सुविधा लोकतंत्र के लिए हानिकारक है, क्योंकि इससे गलत प्रथा को अप्रत्यक्ष वैधता मिलती है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल कुर्सी पर बैठना नहीं होता। इसका मतलब है जनता की समस्याओं को समझना, प्राथमिकताओं को तय करना, संसाधनों का न्यायसंगत वितरण करना और जवाबदेही निभाना। जब महिला प्रतिनिधि की जगह कोई पुरुष यह सब करने लगता है, तो महिला की राजनीतिक पहचान क्षीण हो जाती है। इसका दीर्घकालिक प्रभाव यह होता है कि समाज में यह धारणा मजबूत होती है कि महिलाएं नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि महिलाएं अधिक संवेदनशील, व्यावहारिक और जनहितोन्मुख नेतृत्व भी दे सकती हैं। अनेक शोध और स्थानीय अनुभव बताते हैं कि महिला नेतृत्व कई बार पारदर्शिता और सामाजिक सरोकारों को बढ़ाता है।

यह भी याद रखना चाहिए कि महिला आरक्षण किसी दया या कृपा का परिणाम नहीं है।

हफ्तेभर बाजार में हाहाकार, सेंसेक्स-निफ्टी की चाल ने बढ़ाई निवेशकों की धड़कनें

वैश्विक तनाव, एफआईआई बिकवाली और आरबीआई के फैसलों के बीच शेयर बाजार में जबरदस्त उठापटक

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह बेहद अस्थिर और चुनौतीपूर्ण रहा। सप्ताहभर सेंसेक्स और निफ्टी में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला। कभी खरीदारी ने बाजार को संभाला तो कभी वैश्विक चिंताओं और विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने निवेशकों का मूड बिगाड़ दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर अनिश्चितता और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक ने बाजार की दिशा पर गहरा असर डाला। सप्ताह की शुरुआत सकारात्मक रही। सोमवार को सेंसेक्स 74,981 अंक तक पहुंच गया था और निफ्टी 23,600 के पार निकल गया था। लेकिन यह तेजी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। कारोबार के दौरान भारी मुनाफावसूली देखने को मिली और सेंसेक्स 508 अंकों की गिरावट के साथ 74,267 अंक पर बंद हुआ। दिनभर में 1,164 अंकों का उतार-चढ़ाव निवेशकों की बेचैनी को दर्शाता रहा। मंगलवार को बाजार ने मजबूत वापसी की। शुरुआती दबाव के बावजूद निचले स्तरों पर खरीदारी बढ़ी और सेंसेक्स 382 अंकों की छलांग लगाकर 74,649 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,483 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। आईटी और चुनिंदा बड़े शेयरों में खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। हालांकि बुधवार को फिर माहौल बदल गया। अमेरिका-ईरान वार्ता को लेकर बढ़ी अनिश्चितता और कमजोर वैश्विक संकेतों ने बाजार पर दबाव बनाया। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 700 अंकों से अधिक टूट गया और अंततः 304 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरुवार को भी बाजार में भारी अस्थिरता रही। सेंसेक्स 74,544 के उच्च स्तर और 73,807 के निचले स्तर के बीच झूलता रहा। अंत में यह मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन निवेशकों की नजर आरबीआई की मौद्रिक नीति पर रही। शुरुआती तेजी के बावजूद बाजार में मुनाफावसूली हावी हो गई और सेंसेक्स 116 अंक गिरकर 74,243.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 23,366.70 के स्तर पर आ गया। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम, विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां और ब्याज दरों से जुड़े संकेत बाजार की चाल तय करेंगे। फिलहाल निवेशकों को सतर्क रहकर गुणवत्ता वाले शेयरों पर फोकस करने की सलाह दी जा रही है।

एसबीआई ने अडानी की दो कंपनियों में 5747 करोड़ की हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की सहयोगी कंपनी एसबीआई म्यूचुअल फंड ने खुले बाजार में हुए लेनदेन के जरिये अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में कुल 5,747.55 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी अमेरिकी निवेश फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स से खरीदी गई है। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज के 1,64,39,984 शेयर खरीदे, जो कंपनी की लगभग 1.3 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इसके अलावा फंड ने अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के 63,65,796 शेयर भी खरीदे, जो कंपनी की करीब 0.52 फीसदी हिस्सेदारी का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन शेयरों की खरीद 1,504.80 रुपये से 2,913.40 रुपये प्रति शेयर के दायरे में की गई। दोनों सौदों का कुल मूल्य 5,747.55 करोड़ रुपये रहा। एसबीआई म्यूचुअल फंड की ओर से कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने के बाद अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में तेज उछाल दिखने लगा है। शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 2.36 फीसदी उछाल के साथ 3,043 रुपये के भाव पर बंद हुए। इसी तरह, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयरों में भी 3.87 फीसदी का उछाल दिखा और आखिरकार 1,578.80 रुपये के भाव पर बंद हुए हैं। म्यूचुअल फंड हाउस के दांव लगाने के बाद खुदरा निवेशकों के सेंटिमेंट में भी बदलाव आता दिखाई दे रहा है।

क्रूड 2 डॉलर फिसला तो बदल गए पेट्रोल-डीजल के भाव

कई शहरों में भाव बढ़े तो कहीं हुआ सस्ता

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर से गिरावट आनी शुरू हो गई है। ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। इसका असर शनिवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। कई शहरों में शनिवार को तेल के खुदरा दाम नीचे आए हैं, जबकि कुछ जगहों पर इसकी कीमतों में उछाल दिख रहा है। हालांकि, सरकारी तेल कंपनियों ने दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बदले हैं। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार, गाजियाबाद में पेट्रोल 15 पैसे महंगा होकर 101.88 रुपये लीटर हो गया है तो डीजल 14 पैसे बढ़त के साथ 95.362 रुपये लीटर पहुंच गया है। नोएडा में पेट्रोल 46 पैसे सस्ता होकर 101.96 रुपये लीटर बिक रहा है तो डीजल 42 पैसे गिरावट के साथ 95.44 रुपये लीटर के भाव पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 17 पैसे महंगा होकर 113.54 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 18 पैसे महंगा होकर 99.54 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल में बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी गिरावट दिख रही है। वैश्विक बाजार में ब्रेंट क्रूड का भाव करीब 2 डॉलर टूटकर 93.09 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी गिरा है और वैश्विक बाजार में अब 90.54 डॉलर प्रति बैरल के भाव चल रहा है। दिल्ली में पेट्रोल के भाव 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में

पेट्रोल 111.18 रुपये और डीजल 97.83 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 108.01 रुपये और डीजल 99.78 रुपये प्रति लीटर और कोलकाता में पेट्रोल 113.47 रुपये और डीजल 99.82 रुपये प्रति लीटर हैं।

एटीएम पर मंडराया कैश संकट, देशभर में नकदी निकासी सेवाएं प्रभावित होने का खतरा

-मार्च-अप्रैल में जरूरत से काफी कम नकदी मिली, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की आशंका

नई दिल्ली ।

देश में डिजिटल भुगतान के बढ़ते चलन के बावजूद नकदी की जरूरत पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। ऐसे में एटीएम में नकदी की कमी की खबर चिंता बढ़ाने वाली है। एटीएम उद्योग के संगठन कन्फेडरेशन ऑफ एटीएम इंडस्ट्री (कैटमी) ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं निकाला गया तो आने वाले महीनों में कई क्षेत्रों में एटीएम सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। संगठन ने इस संबंध में इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कैटमी के अनुसार देश के विभिन्न राज्यों में एटीएम संचालकों को बैंक शाखाओं और करेंसी चेस्ट से पर्याप्त नकदी नहीं मिल पा रही है।

बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा- आरबीआई के रेपो दर स्थिर रखने के फैसला संतुलित कदम

मुंबई ।

बैंकिंग क्षेत्र के जानकारों ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के निर्णय को संतुलित और विवेकपूर्ण कदम बताया है।

बैंकरों का कहना है कि यह निर्णय पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों के बीच आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की सोच को दर्शाता है।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन एवं भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के अध्यक्ष सीएस शेट्टी ने कहा कि विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के लिए एफसीएनआर (बी) जमा, सरकारी प्रतिभूतियों, विदेशों से उधारी और इक्विटी निवेश से जुड़े जो उपाय घोषित किए गए हैं, वे समयोचित और व्यापक हैं। इन कदमों से पूंजी प्रवाह में वृद्धि होगी, बॉन्ड बाजारों का विस्तार होगा, नकदी में सुधार आएगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। बैंकिंग विशेषज्ञों ने कहा कि इन कदमों से बाजार में नकदी में सुधार होगा और रुपये को मजबूती मिलेगी। इंडियन ओवरसीज बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि हालांकि अर्थव्यवस्था लुभावन दिखा रही है और वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.6 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। फिर भी पश्चिम एशिया में तनाव और ऊंची ऊर्जा कीमतों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाना उचित है।

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर बढ़ सकता है दबाव

नई दिल्ली ।

अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर ऑनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कॉस्टको, वॉलमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। ऑनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी

एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है।

यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है।

अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं। इसका असर खासकर एप्लिकेशन सपोर्ट, टेस्टिंग, क्वालिटी एश्योरेंस, रिपोर्टिंग और मेंटेनेंस जैसी सेवाओं पर पड़ सकता है।

ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे भारतीय आईटी कंपनियों को लंबे समय से बड़ा कारोबार मिलता रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के रिटेल और कंज्यूमर कारोबार में पिछले कुछ महीनों के दौरान सुधार देखने को मिला है।

100 अरब डॉलर के पार जा सकता है सकल एफडीआई- आरबीआई

जीडीपी के मुकाबले ऊपर की ओर बढ़ रहा है निवेश का अनुपात

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2027 में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 100 अरब डॉलर से ज्यादा आने की उम्मीद है। इसके लिए उन्होंने मजबूत निवेश गतिविधियों को हवाला दिया। मौद्रिक नीति के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में गुप्ता ने कहा कि वित्त वर्ष 2026 में कुल एफडीआई 95 अरब डॉलर तक पहुंच गया था। इससे पता चलता है कि विदेशी पूंजी का आना मजबूत बना रहेगा और इस साल यह 100 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है। निजी पूंजी के आंकड़े असल में बहुत अच्छे रहे हैं। जीडीपी के मुकाबले निवेश का अनुपात ऊपर की ओर बढ़ रहा है। इसलिए ये आंकड़े अच्छे बने हुए हैं। अगर हम भुगतान संतुलन की बात करें, तो 2025-26 में सकल एफडीआई निवेश 95 अरब डॉलर था और इस साल यह आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। निश्चित रूप से यह 100 अरब डॉलर के पार और यहां तक कि 110 अरब डॉलर, 120 अरब डॉलर भी हो सकता है। यह एक निरंतर बढ़ोतरी है, जिसका मतलब है कि यह सिर्फ एक साल का मामला नहीं है। आने वाले वर्षों में एफडीआई के जरिये और ज्यादा निवेश देखने को मिलेगा। वित्त वर्ष 2026 में सकल एफडीआई आवक 17 फीसदी बढ़कर 95 अरब डॉलर रही। मार्च में एफडीआई प्रवाह 1.57 अरब डॉलर रहा, जो एक साल पहले दर्ज की गई 50.2 करोड़ डॉलर की निकासी के उलट था। लेकिन यह फरवरी के स्तर से कम था। सकल प्रवाह में मजबूती के बावजूद विदेशी निवेशकों के पैसा वापस ले जाने और भारतीय कंपनियों का विदेश में निवेश बढ़ने के कारण शुद्ध एफडीआई कमजोर बना हुआ है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एक अर्थशास्त्री ने कहा कि सकल एफडीआई का आंकड़ा बहुत शानदार रहा है और हो सकता है कि इस साल यह 100 अरब डॉलर तक पहुंच जाए। अहम बात यह है कि वापस आने वाली रकम कितनी रहती है। एक तीसरा पहलू यह भी है कि भारतीय कंपनियों ने विदेश में अपना निवेश बढ़ाया है, चाहे अपनी सहायक कंपनियों में हो या फिर वहां दूसरी कंपनियों को खरीदने के लिए। इसलिए शुद्ध आंकड़ा जो बैलेंस ऑफ पेमेंट्स के नजरिये से सबसे जरूरी है, पिछले दो साल से 10 अरब डॉलर से भी कम रहा है, जो कि काफी कम है। पिछले पांच साल में भारत में एफडीआई का आना एक चक्र की तरह रहा है। वित्त वर्ष 2022 में तेजी से बढ़ने के बाद वित्त वर्ष 2023 में वैश्विक मंदी, ऊंची ब्याज दरों और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण इसमें कमी आई।

मोबाइल रिचार्ज फिर हो सकता है महंगा

नई दिल्ली ।

मोबाइल उपभोक्ताओं को अगले 3 से 6 महीनों में रिचार्ज करना महंगा पड़ सकता है। एक टेलीकॉम एनालिस्ट के मुताबिक टैरिफ में करीब 10 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि महंगे प्लान्स की ओर ग्राहकों के बढ़ने से कंपनियों का एआरपीयू भी लगातार बढ़ रहा है, जबकि भारती एयरटेल की फंड जुटाने की संभावनाएं भी मजबूत दिख रही हैं। उनका कहना है कि महंगाई से जुड़ी चिंताओं के बावजूद टैरिफ बढ़ोतरी को ज्यादा समय तक टाला जाना मुश्किल दिख रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि टेलीकॉम कंपनियों को बहुत बड़ी टैरिफ बढ़ोतरी की जरूरत नहीं है। इसकी वजह यह है कि पिछले कुछ सालों में टैरिफ बढ़ने का असर एवरेज रेवेन्यू पर यूजर पर काफी पॉजिटिव रहा है। यानी कंपनियां सीमित टैरिफ बढ़ोतरी के जरिए भी अपनी प्रति ग्राहक कमाई में अच्छी बढ़ोतरी करने में सफल रही हैं।

अमेरिकी शेयर बाजार में घंटेभर में 190 लाख करोड़ हुए स्वाहा

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी तो एसएंडपी 500 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी पर बंद

वाशिंगटन ।

अमेरिकी शेयर बाजार में शुक्रवार को महज घंटेभर में ही 2 निवेशकों के 2 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 190 लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए। वॉल स्ट्रीट पर यह साल 2026 की सबसे बड़ी गिरावट रही है।

ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच आए अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़ों ने निवेशकों पर ऐसा असर डाला कि दुनिया का सबसे बड़ा शेयर बाजार हिल गया और देखते ही देखते गिरावट एक लडबाथ में बदल गई।

वॉल स्ट्रीट के तीनों ही एक्सचेंज डाउ जोंस, एसएंडपी 500 और नैस्डैक पर भारी बिकवाली हुई।

अमेरिकी जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत दिखे, जिसकी वजह से निवेशकों में यह संदेश दिखा कि फेडरल रिजर्व अपनी ब्याज दरों को आगे भी ऊंचा बनाए रखेगा। बस इस खबर ने निवेशकों के सेंटिमेंट पर ऐसा असर डाला कि उन्होंने ताबड़तोड़ बिकवाली शुरू कर दी और देखते ही देखते गिरावट ब्लडबाथ में बदल गई। कुछ ही समय में शेयर बाजार की गिरावट 2 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। यह आंकड़ा पिछले कुछ समय से यूएस मार्केट में आई गिरावट में सबसे ज्यादा रही है। वॉल स्ट्रीट के तीनों ही बड़े इंडेक्स शुक्रवार के कारोबार में गिरावट पर बंद हुए। टेक्नोलॉजी के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली दिखी।

डाउ जोंस इंडस्ट्रियल 1 फीसदी गिरावट पर बंद हुआ तो एसएंडपी 500 पर भी 2.4 फीसदी की गिरावट दिखी।

इसके अलावा नैसडैक कम्पोजिट भी 4 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडकॉम के शेयरों में तो 7 फीसदी की गिरावट दिखी है।

अमेरिकी शेयर बाजार में आई इस तेज गिरावट की एक ही वजह वहां के जॉब मार्केट का मजबूत होना है। शुक्रवार को आए जॉब मार्केट के आंकड़े अनुमान से भी ज्यादा मजबूत रहे।

इससे निवेशकों में यह संदेश गया कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में फिलहाल कटौती नहीं करने वाला और रेट ऊंचा ही बना रहेगा। निवेशकों को यह भी लगा कि अब ब्याज दरों में कटौती की संभावना इस साल के आखिर में ही दिख रही है।

ब्रिटेन के विदेश सचिव ने समुद्री और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा वार्ता की सराहना की

लंदन ।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री येवेट कूपर की भारत यात्रा से समुद्री सुरक्षा, आर्थिक वृद्धि और वैश्विक आर्थिक झटकों से आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित रखने जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूती मिली है। ब्रिटेन सरकार ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कूपर ने इस सप्ताह की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बारे में ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि यह मोदी और ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के बीच सहमत भारत-ब्रिटेन विजन 2035 के अनुसार गहन सहयोग के लिए रणनीतिक दिशा और दृष्टिकोण पर आधारित थी। वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर मिलकर काम करने और इसके बंद होने से अंतरराष्ट्रीय जहाजरानी पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है।एफसीडीओ ने कहा, 'इसी के तहत, विदेश मंत्री ने एक नए क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र (आरएमएससीई) का सह-उद्घाटन किया, जिससे समुद्री सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय झटकों से निपटने की क्षमता के मामले में भारत के साथ ब्रिटेन के सहयोग को मजबूती मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिज भी भारत में कूपर की वार्ता का एक प्रमुख हिस्सा थे।

दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर कम कर रही है निर्भरता- पुतिन

रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में बढ़ा रहा है व्यापार

मास्को ।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि दुनिया तेजी से अमेरिकी डॉलर और यूरो पर निर्भरता कम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रतिबंधों, संपत्तियों को फ्रीज करने और वित्तीय दबाव की वजह से कई देश अब अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार को प्राथमिकता दे रहे हैं। सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकानोमिक फोरम (एसपीआईईएफ) में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस के विदेशी मुद्रा भंडार और संपत्तियों को फ्रीज किए जाने से दुनिया के कई देशों का पश्चिमी वित्तीय प्रणाली पर भरोसा कमजोर हुआ है। उन्होंने कहा कि जब किसी देश की वैध संपत्तियों तक पहुंच रोकी जा सकती है, तो अन्य देश भी अपने वित्तीय भविष्य को लेकर चिंतित हो जाते हैं। इसी कारण वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों और स्थानीय मुद्राओं का उपयोग बढ़ रहा है। पुतिन ने कहा कि रूस अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ा रहा है। उनके अनुसार रूस के कुल निर्यात का लगभग 65 फीसदी लेन-देन अब रूबल में हो रहा है। डिजिटल वित्तीय परिसंपत्तियों और केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है। पुतिन ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देश अंतरराष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था का राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक वैश्विक संस्थाओं और नियमों से पश्चिमी देशों को फायदा हुआ, तब तक उन्होंने उनका समर्थन किया, लेकिन प्रतिस्पर्धा बढ़ने पर वे खुद उन नियमों से पीछे हटने लगे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार का केंद्र अब पश्चिम से हटकर पूर्व और दक्षिण की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने जिन प्रमुख मार्गों का उल्लेख किया, उनमें शामिल हैं- नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर, ट्रांस-आर्कटिक रूट, कैस्पियन सागर व्यापार मार्ग, मध्य एशिया और मध्य पूर्व को जोड़ने वाले नए कॉरिडोर।

हर दिन 1,897 करोड़ कमाते रहे अडानी, 1,352 करोड़ गंवाते रहे अंबानी

शेयर बाजार की चाल ने बदली अरबपतियों की तस्वीर, 2026 में दोनों दिग्गजों की राह अलग-अलग

मुंबई ।

देश के दो सबसे बड़े उद्योगपतियों गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के लिए वर्ष 2026 अब तक बिल्कुल अलग तस्वीर लेकर आया है। जहां अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी की संपत्ति में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की गई है, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 4 जून 2026 तक गौतम अडानी की कुल संपत्ति 115 अरब डॉलर पहुंच गई है। साल की शुरुआत से अब तक उनकी नेटवर्थ में 30.7 अरब डॉलर यानी करीब 2.90 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। यह उनकी कुल संपत्ति में लगभग 36.3 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इसी तेजी के दम पर अडानी दुनिया के 17वें सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। दूसरी ओर मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति घटकर 85.8 अरब डॉलर रह गई है। वर्ष 2026 में अब तक उनकी नेटवर्थ में 21.9 अरब डॉलर यानी करीब 2.10 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। यह उनकी कुल संपत्ति में करीब 20.4 प्रतिशत की गिरावट के बराबर है। दिलचस्प बात यह है कि इस वर्ष के 155 दिनों में अडानी ने औसतन प्रतिदिन 1,897 करोड़ रुपये जोड़े, जबकि अंबानी की संपत्ति में रोजाना औसतन 1,352 करोड़ रुपये की कमी दर्ज की गई। विशेषज्ञों के अनुसार अडानी की संपत्ति में उछाल का प्रमुख कारण समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में आई जोरदार तेजी है। अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी पावर, अडानी टोटल गैस, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी पोर्ट्स और अडानी ग्रीन एनर्जी जैसे शेयरों ने निवेशकों को मजबूत रिटर्न दिया है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद समूह को भारी नुकसान झेलना पड़ा था, लेकिन पिछले दो वर्षों में शेयरों में शानदार रिकवरी ने अडानी की दौलत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

वहीं मुकेश अंबानी की संपत्ति का मुख्य आधार रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में उनकी हिस्सेदारी है। इस साल रिलायंस के शेयरों में करीब 18 प्रतिशत और जियो फाइनेंशियल सर्विसेज में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर उनकी नेटवर्थ पर पड़ा है।

इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा

सलमान खान के भांजे व अभिनेता इमरान खान अपनी आगामी फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म से इमरान बतौर लीड एक्टर एक लंबे अरसे बाद वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ भूमि पेडनेकर प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को लेकर फैंस तो उत्साहित हैं ही, लेकिन फैंस से भी ज्यादा उत्साहित खुद भूमि पेडनेकर हैं। यही नहीं भूमि ने इमरान खान को लेकर भी बात की और बताया कि उन्हें इमरान पर जबरदस्त क्रश था। हालिया बातचीत में भूमि पेडनेकर ने इमरान खान पर अपने क्रश के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मुझे उन पर बहुत बड़ा क्रश था। उनकी सभी रोमांटिक कॉमेडी फिल्मों में वो सबसे बेहतरीन लगते थे। आजकल ऐसी रोमांटिक कॉमेडी फिल्में बनती ही नहीं हैं। भूमि के लिए इमरान के साथ काम करना किसी सपने के सच होने जैसा था। अभिनेत्री अक्सर इमरान के काम की फैन होने की बात कहती रही हैं।

15 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे इमरान

इमरान खान ने साल 2008 में आई फिल्म 'जाने तू या जाने ना' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो कई रोमांटिक-कॉमेडी फिल्मों में नजर आए। इमरान खान आखिरी बार साल 2015 में फिल्म 'कट्टी बट्टी' में लीड एक्टर के तौर पर नजर आए थे।

कृष्णा ने क्यों भाई टाइगर श्रॉफ को कहा साइको? सख्त लाइफस्टाइल को लेकर की खुलकर बात

टाइगर श्रॉफ अपने फिटनेस लेवल से फैंस को हमेशा हैरान करते रहते हैं। एक्टर अपनी फिल्मों में अक्सर खुद ही स्टंट करते हैं और अपनी लाइफ में बेहद सख्त रूटीन फॉलो करते हैं। उनकी बहन और रियलिटी टीवी स्टार कृष्णा श्रॉफ ने हाल ही में बताया कि टाइगर इतने डिसिप्लिन्ड हैं कि अपने बर्थडे पर भी केक नहीं खाते, सिर्फ उसे सूंघते हैं।

टाइगर को नहीं आती कुकिंग

हाल ही में एक इंटरव्यू में कृष्णा ने टाइगर की असली जिंदगी की झलक दिखाई। जब उनसे पूछा गया कि क्या टाइगर किचन में समय बिताते हैं, तो वह हंस पड़ी और बोली, 'वो खाना नहीं बनाते। उन्हें तो अंडा बनाना भी नहीं आता। सच में, वो शायद मुझे ये कहने पर मार ही देंगे, लेकिन उन्हें अंडा बनाना भी नहीं आता।'

कृष्णा ने टाइगर की लाइफस्टाइल पर ये कहा

टाइगर की सख्त लाइफस्टाइल के बारे में बात करते हुए कृष्णा ने बताया कि वो कभी भी स्नैकिंग नहीं करते। उन्होंने कहा, 'देखिए, वो हर रात एक ही समय पर सोते हैं और फिर उठकर कुछ खाने-पीने या स्नैक करने का सवाल ही नहीं उठता। मैं हमेशा कहती हूं कि एक तरफ बहुत ज्यादा डिसिप्लिन होता है और दूसरी तरफ नॉर्मल लाइफ। टाइगर पहले वाले हैं, यानी बहुत ज्यादा डिसिप्लिन्ड, और मैं बीच में हूं।' कृष्णा ने एक और चौंकाने वाली बात बताई कि टाइगर अपने बर्थडे पर भी मिठाई नहीं खाते। उन्होंने कहा, 'वो अपने बर्थडे पर केक को सिर्फ सूंघते हैं, खाते नहीं हैं। मुझे तो ये थोड़ा पागलपन लगता है।'

टाइगर श्रॉफ का वर्कफ्रंट

फिलहाल टाइगर अपनी अगली फिल्म 'लग जा गले' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें उनके साथ जाह्नवी कपूर और लक्ष्य नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लक्ष्य के लुक में बदलाव की वजह से फिल्म की शूटिंग अब अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इस फिल्म को करण जौहर डायरेक्ट करने वाले थे, लेकिन अब वो सिर्फ इसके प्रोड्यूसर हैं।

सच को ढूंढने निकले अली फजल, 12 जून से स्ट्रीम करेगी 'राख'

अली फजल और सोनाली बेंद्रे स्टारर आगामी इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर सीरीज 'राख' की रिलीज डेट अब सामने आ गई है। घोषणा के बाद से ही फैंस इस सीरीज के बारे में हर अपडेट जानने का इंतजार कर रहे थे। अब अंततः मेकर्स ने सीरीज की रिलीज डेट जारी कर दी है।

मेकर्स की ओर से सोशल मीडिया पर सीरीज से अली फजल का एक पोस्टर साझा किया गया है। इसके साथ ही मेकर्स ने रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। पोस्टर में अली फजल पुलिस की वर्दी में नजर आ रहे हैं। उनके सामने एक लाश जैसी पड़ी मालूम हो रही। अली काफी इंटेंस और परेशान नजर आ रहे हैं। इसके साथ कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'दबे हुए सच हमेशा अपना रास्ता खोज ही लेते हैं।' 'राख' 12 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम करेगी। 'राख' एक इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा सीरीज है, जो अपराधी की मानसिकता और आम जिंदगी के पीछे छिपे डार्कनेस को दिखाती है। जब दो लड़के अचानक गायब हो जाते हैं, तो एक खुशहाल परिवार टूट जाता है और पूरा शहर दहशत में आ जाता है। सच्चाई तक पहुंचने के लिए एक इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर देशभर में तलाश अभियान शुरू करता है। जैसे-जैसे वह मामले की गहराई में जाता है, यह केस उसे हिंसा और इंसानी क्रूरता की एक भयावह दुनिया में खींच लेता है। कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ और भी इंटेंस होती जाती है।

मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं बाबिल खान

अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपनी पहली मलयालम फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने फिल्ममेकर बाबू जनार्दन कर रहे हैं। यह बाबिल खान के अभिनय करियर में एक नए दौर की शुरुआत है।

मलयालम सिनेमा से प्रभावित हैं बाबिल

अपकमिंग फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमना, आथमिया राजन और जयशंकर जैसे कलाकार होंगे। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने के बारे में बात करते हुए, बाबिल ने बताया कि वह हमेशा से मलयालम सिनेमा और उसकी कहानी कहने के अंदाज से प्रभावित हैं।

मलयालम सिनेमा की तारीफ की

उन्होंने कहा 'मलयालम सिनेमा ने हमेशा मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह बनाई है। यहां कहानियां जिस ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ कही जाती है, वह बेमिसाल है। सिलीगुड़ी में 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक और रचनात्मक है।'

मेरी जिंदगी में कई पार्टनर हैं, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं

एक्ट्रेस शहाना गोस्वामी ने इंटरव्यू में शहाना ने कहा, 'फिलहाल मेरी जिंदगी में ऐसा कोई एक खास पार्टनर नहीं है। मेरी जिंदगी में कई लोग हैं, जिनसे मेरा लंबे समय से जुड़ाव है, लेकिन ये रिश्ते कैजुअल नहीं हैं। मेरे लिए कोई भी रिश्ता हल्का या टाइमपास नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए ओपननेस का मतलब यह है कि किसी एक इंसान के साथ तय रिश्ता जरूरी नहीं है, लेकिन लोगों के साथ जुड़ाव और अपनापन बना रहता है। कभी वह सिर्फ दोस्ती होती है, कभी रिश्ता थोड़ा और गहरा भी हो सकता है। हर चीज को किसी एक नाम या दिशा में बांधना जरूरी नहीं है। सबसे जरूरी चीज प्यार और दोस्ती है। मेरे लिए दोस्त वही है, जिसके लिए दिल में सच्चा अपनापन हो।'

ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग से इनकार किया

शहाना गोस्वामी से जब ओपन रिलेशनशिप में घोस्टिंग यानी अचानक रिश्ता खत्म कर देने को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'असल में ऐसा नहीं होता। मैं लोगों को इग्नोर नहीं करती। इस तरह की जिंदगी अचानक नहीं मिलती। यहां तक पहुंचने के लिए इंसान को खुद पर बहुत काम करना पड़ता है। बाहर से यह आसान लगता है, लेकिन अपने अंदर की जलन और असुरक्षाओं का सामना करना पड़ता है।' उन्होंने कहा, 'मैं उन लोगों से अलग हूं, जिनसे वे पहले मिले हैं। मेरी वजह से कई लोगों की असुरक्षाएं बाहर आ जाती हैं। मैं जानबूझकर ऐसा नहीं करती, लेकिन मेरी आजादी लोगों को खुद के बारे में सोचने पर मजबूर करती है और हर कोई इसके लिए तैयार नहीं होता।' शहाना ने कहा कि कम उम्र में ही उन्हें ओपन रिलेशनशिप के बारे में समझ आ गई थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि प्यार आजाद होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि रिश्ता किसी इंसान को बांध दे या उसकी जिंदगी सीमित कर दे। इसी सोच ने मेरे रिश्तों और उन्हें निभाने के तरीके को तय किया है।' उन्होंने बताया कि उनके कई ओपन रिलेशनशिप पार्टनर्स एक-दूसरे से मिल चुके हैं। उनके मुताबिक, ऐसे रिश्ते तभी चल पाते हैं, जब उनमें ईमानदारी और खुलकर बातचीत हो। शहाना ने यह भी कहा कि लोग अक्सर यह सोच लेते हैं कि उनकी जिंदगी आसान है या उन्हें कभी मुश्किल भावनाओं का सामना नहीं करना पड़ा। लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। उनके मुताबिक, आजादी का मतलब मुश्किलों से भागना नहीं होता। असली आजादी तब आती है, जब इंसान अपनी परेशानियों, डर और भावनाओं का सामना करता है और उनसे भागता नहीं। शहाना का कहना है कि बाहर से देखने वाले लोग अक्सर इसी बात को समझ नहीं पाते।

बॉबी देओल ने किया खुलासा कब रिलीज हो सकती है 'जन नायकन'

इस साल जनवरी में रिलीज होने जा रही फिल्म 'जन नायकन' कई विवादों के बाद रिलीज नहीं हो पाई। फिल्म के लीड एक्टर थलापति विजय अब तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। उनके फैंस अब उम्मीद लगाए बैठे हैं कि जल्द ही यह फिल्म रिलीज हो जाए। इसी बीच फिल्म में विलेन का रोल करने वाले बॉबी देओल ने अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बताया कि यह फिल्म कब रिलीज होने जा रही है।

लीक होने का बहुत दुख हुआ

अमर उजाला को दिए इंटरव्यू में बॉबी ने बताया कि फिल्म 'जन नायकन' कब रिलीज होगी? बॉबी ने कहा, 'यह फिल्म चुनाव से पहले विजय की आखिरी फिल्म होने वाली थी, लेकिन समझ नहीं आया कि कैसे इसकी रिलीज में देरी हो गई? फिर यह लीक भी हो गई, जिसका हम सभी को बहुत दुख हुआ। अब तो यह फिल्म कब रिलीज होगी इसकी कोई जानकारी मुझे अब तक मिली नहीं है। हो सकता है कि यह अगले महीने विजय के जन्मदिन पर रिलीज हो जाए।'

विजय जो चाहते थे हासिल किया

वहीं जब बॉबी से पूछा गया कि सेट पर विजय के साथ उनकी बॉन्डिंग कैसी थी? तो एक्टर ने कहा, 'मैं उनको इतनी अच्छी तरह से जानता नहीं। सेट पर बहुत कम बात होती थी। वो बहुत चुप रहते हैं पर मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने वो हासिल किया, जो वो चाह रहे थे। जिस तरह वो चुनाव में जीते हैं, यह अपने आपमें बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

कब है थलापति का जन्मदिन?

थलापति विजय इस साल 22 जून को अपना 52वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। ऐसी खबरें हैं कि यह फिल्म उनके जन्मदिन से कुछ दिन पहले 19 जून को रिलीज हो सकती है, पर इस बारे में अब तक कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं की गई है। अब बॉबी का यह बयान फिल्म के रिलीज होने की खबर पुख्ता करता है।

क्या है 'जन नायकन' विवाद?

एच विनोथ द्वारा निर्देशित 'जन नायकन' को अभिनेता विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। यह फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सीबीएफसी से समय पर सर्टिफिकेट न मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की रिलीज के समय सेंसर बोर्ड ने अचानक इसे हरी झंडी देने से इनकार कर दिया। सेंसर पैनल के अधिकांश सदस्य इसे ;' सर्टिफिकेट देने के पक्ष में थे, लेकिन बोर्ड के एक सदस्य ने फिल्म में कथित रूप से धार्मिक सौहार्द बिगड़ने और भारतीय सेना के गलत चित्रण को लेकर आपत्ति जताई, जिससे फिल्म की रिलीज रोक दी गई।

कोर्ट तक पहुंचा मामला

सेंसर सर्टिफिकेट में देरी को लेकर फिल्म के निर्माताओं ने मद्रास हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। विवाद काफी लंबा खिंच गया, जिसके कारण 9 जनवरी को रिलीज होने वाली फिल्म अब पांच महीने बीत जाने के बाद भी अटकी हुई है। 'जन नायकन' में थलापति विजय के अलावा पूजा हेगड़े, बॉबी देओल, मामिता बैजू और प्रकाश राज भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

5 जून को रिलीज होगी 'बंदर'

बॉबी देओल जल्द ही अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित फिल्म 'बंदर' में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी 'समर' नाम के एक ऐसे पॉप स्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका करियर खत्म हो चुका है। वह अपनी पुरानी लोकप्रियता को वापस पाने के लिए बेताब है। कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब एक महिला उस पर रेप का आरोप लगाती है। अब कौन सच बोल रहा है और क्या झूठ है, ये फिल्म देखने पर पता चलेगा। 'बंदर' 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें बॉबी देओल के अलावा सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, सपना पब्बी और सबा आजाद भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात के लिए ट्रंप तैयार, कहा-उनसे मिलकर सम्मानित महसूस करूंगा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्धविराम के बीच ईरान के सुप्रीम नेता मोजतबा खामेनेई के साथ मुलाकात की बात कही है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगर ईरान के साथ जारी कूटनीतिक प्रयास किसी समझौते तक पहुँचते हैं, तो उन्हें ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई से मिलने में सम्मान महसूस होगा। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, ऐसी किसी भी मुलाकात का आयोजन अत्यंत सम्मानजनक तरीके से किया जाएगा। उन्होंने कहा, मैं मिलना नहीं चाहता, लेकिन अगर मुझे मिलना पड़ा, तो मुझे उनका सम्मान होगा। लेकिन अगर हम कोई समझौता करते हैं, तो यह संभव है कि मैं उनसे मिलूं। मुझे इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। ट्रंप ने यह भी जोड़ा कि वह किसी भी मुलाकात में सम्मान के साथ पेश आएंगे और खामेनेई को शायद एक पेशेवर बताया, जिनकी कुछ हलकों में बहुत अच्छी प्रतिष्ठा है। ईरानी नेता के संबंध में अपनी टिप्पणी को स्पष्ट करते हुए ट्रंप ने कहा, कुछ लोग बुरा कहते हैं, लेकिन बहुत से लोग मेरे बारे में बुरा कहते हैं। निश्चित रूप से यह पूरी तरह से गलत है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका-ईरान समझौते का मुख्य हिस्सा यह होगा कि ईरान कोई परमाणु हथियार नहीं रख सकेगा। ट्रंप ने इस बात को दोहराया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान के समृद्ध यूरेनियम भंडार पर नियंत्रण कर सकता है, यदि वह ऐसा करना चाहे। हालांकि, उन्होंने कहा कि ऐसी कार्रवाई की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आगे दावा किया कि ईरान ने यूरेनियम का संवर्धन बंद कर दिया है और अमेरिकी अधिकारी इस सामग्री की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। ट्रंप ने फिर कहा कि होर्मुज को जल्द दुनिया के लिए खोल दिया जाएगा।

क्यूबा के राष्ट्रपति पर अमेरिका ने लगाए नए प्रतिबंध, ट्रंप बोले-इस मुद्दे को हम संभालेंगे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव एक बार फिर तेज हो गया है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनेल, उनकी पत्नी और कई बड़े अधिकारियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। अमेरिका ने यह कदम क्यूबा की सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए उठाया है। इन प्रतिबंधों के बाद दोनों देशों के रिश्तों में और तल्खी आ गई है। क्यूबा ने अमेरिका के इस फैसले को अपनी संप्रभुता पर हमला और खुली दखलअंदाजी बताया है। अमेरिका ने जिन लोगों पर कार्रवाई की है, उनमें पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के बेटे एलेजांद्रो कास्त्रो एस्पिन और उनके परिवार के सदस्य भी शामिल हैं। अमेरिकी सरकार ने इन सभी की अमेरिका में मौजूद संपत्तियों और बैंक खातों को फ्रीज करने का फैसला किया है। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि इन नेताओं की अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था में बहुत कम हिस्सेदारी है। इसके बावजूद इस कदम को ट्रंप प्रशासन की कड़ी राजनीतिक चेतावनी माना जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार क्यूबा की सरकार पर सख्त रुख अपनाए हुए हैं। जनवरी में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हटाने के बाद ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर ऊर्जा नाकेबंदी भी लागू की थी। इससे क्यूबा में ईंधन संकट, बिजली कटौती और खाद्य संकट और गहरा गया। ट्रंप ने कहा कि क्यूबा पहले से ही लगभग टूट चुका है और अमेरिका इस मुद्दे को भी संभालेगा। उन्होंने यह भी कहा कि क्यूबा के पास सुंदर जमीन और पर्यटन की बड़ी संभावनाएं हैं।

काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव में जुटेंगे भारत-नेपाल के दिग्गज

काठमांडो , एजेंसी। काठमांडो कलिंग साहित्य महोत्सव (केएलएफ) का चौथा संस्करण 6 जून से नेपाल के ललितपुर में आयोजित होगा। इसका मुख्य विषय सीमा से परे : दक्षिण एशियाई साहित्य है। उद्घाटन समारोह में नेपाल की पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की मुख्य अतिथि होंगी। दो दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में साहित्य, संस्कृति, सिनेमा और कूटनीति के दिग्गज हिस्सा लेंगे। महोत्सव में इला अरुण, प्रतिभा राय, आचार्य प्रशांत और पीयूष मिश्रा जैसी हस्तियां शामिल होंगी।

क्रोएशिया में विमान हादसा, 4 लोगों की मौत

मेडुलिन, एजेंसी। क्रोएशिया में बृहस्पतिवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से चार लोगों की मौत हो गई। हादसा इस्त्रिया प्रायद्वीप के मेडुलिन शहर के पास हुआ। सरकारी समाचार एजेंसी हिना के अनुसार, यह एक जर्मन विमान था और इसने ऑस्ट्रिया से उड़ान भरी थी। स्थानीय पायलट नियाज डेलिक ने एक समाचार पोर्टल को बताया कि विमान हवा में चक्कर खाते हुए जमीन पर आ गिरा। दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में विमान का मलबा एक खेत में बिखरा दिख रहा है। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं। अभी स्पष्ट नहीं है कि विमान में कुल कितने लोग सवार थे।

आवारा कुत्ते को लेकर भिड़े मेक्सिको और ब्राजील, एक देना चाहता नोट पर जगह, दूसरे ने बनाया राष्ट्रीय सम्मान

मेक्सिको, एजेंसी। भारत में आवारा कुत्तों को लेकर आए दिन विवाद सामने आता रहता है। सुप्रीम कोर्ट भी इस मुद्दे पर कई बार प्रतिक्रिया दे चुका है। लेकिन इसके बाद भी दिल्ली और तमाम भारतीय शहरों में आवारा कुत्ते दिखाई देते रहते हैं। भारत समेत हर देश के लिए उनकी देशी नस्ल के कुत्ते खास होते हैं, लेकिन कभी आपने सुना है कि दो देश आवारा कुत्ते की एक नस्ल के लिए आपस में मनमुटाव कर बैठें? जी हां, लैटिन अमेरिका के दो देश मेक्सिको और ब्राजील के बीच आवारा कुत्ते की एक नस्ल (कारोमेलो) को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मेक्सिको ने इसे अपनी धरोहर घोषित किया है, जिसकी वजह से ब्राजील के लोगों में नाराजगी है। यह पूरा विवाद उस समय शुरू हुआ, जब अप्रैल में मैक्सिको ने कुत्ते की इस नस्ल को मेक्सिकन घोषित कर दिया। ब्राजील में लोकप्रिय इस कुत्ते के बारे में जब वहाँ के लोगों ने सुना तो उन्होंने इस पर नाराजगी जाहिर की। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ब्राजील के लोगों ने सार्वजनिक तौर पर इसका विरोध किया, जबकि सरकार से अनुरोध भी किया कि वह अपने देश की धरोहर की रक्षा करें।

ब्राजील में क्यों फेमस है कारोमेलो कुत्ता : कारोमेलो नस्ल के यह कुत्ते ब्राजील के साथ-साथ मेक्सिको में भी बहुतायत में मिलते हैं। अपने भूरे रंग और फुर्तीले शरीर की वजह से दोनों ही देशों में यह काफी लोकप्रिय हैं। लेकिन ब्राजील में इनकी लोकप्रियता को शिखर उस समय मिला, जब 2019 में इनके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होना शुरू हो गए। लोगों ने इन्हें पालना शुरू कर दिया और हद तब हो गई, जब ब्राजील के दस रियाश के नोट पर इनकी तस्वीर छपवाने को लेकर प्रयास शुरू हुआ। इस मुद्दे को लेकर एक पिटीशन बनाई गई, जिसको करीब 50 हजार लोगों ने अपना समर्थन दिया। धीरे-धीरे लोगों ने ब्राजील के इतिहास को भी कारोमेल कुत्ते से जोड़ना शुरू कर दिया और यह वायरल हो गया। इतना ही नहीं इस कुत्ते के ऊपर नेटफ्लिक्स पर एक फिल्म भी बनाई गई।

कारोमेलो : हाल ही में अप्रैल में जब मैक्सिको ने इसे अपने राष्ट्रीय प्रतीकों में हिस्सा दिया, तो ब्राजील के लोगों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने मैक्सिकन सरकार को इसके लिए खूब खरी खोटी भी सुनाई। सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे 'ब्राजील मूल' का बताया।

मेक्सिको ने दिया जवाब : ब्राजील की तरफ से उठती विरोध की आवाजें मैक्सिको तक भी पहुंची। इन विरोधी की आवाजों का जवाब मैक्सिको के ह्यूमन वर्ड फॉर एनिमल्स के क्लाउडिया एडवर्ड्स ने दिया। उन्होंने न्यूयॉर्क टाइम्स से बात करते हुए कहा, 'ब्राजील पहला देश था, जिसने इस कुत्ते को सार्वजनिक रूप से मान्यता दी और दुनिया के सामने लाया। लेकिन यह भी सच है कि यह कुत्ता केवल ब्राजील की विरासत नहीं है, बल्कि पूरे लैटिन अमेरिका की विरासत है।

फिलहाल दोनों देश भले ही इस कुत्ते पर अपना दावा ठोक रहे हैं, लेकिन यह नस्ल अभी भी दोनों देशों में सड़कों पर बेसहारा घूमती हुई मिल जाती है। क्या है कारोमेल कुत्ते की कहानी ब्राजील और मेक्सिको के बीच में कारोमैल कुत्ते को लेकर यह प्रेम अहम है। क्योंकि दोनों ही देश इसे अपनी सांस्कृतिक बदलाव और कॉलोनियल काल के इतिहास के जोड़कर देखते हैं। ब्राजील की डीएनए जांच करने वाली एजेंसी के मुताबिक कारोमैल कुत्ता एशिया, अफ्रीका, अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया की कुल मिलाकर करीब 300 नस्लों का मिश्रण है। इसलिए यह और भी खास हो जाता है।

इस कुत्ते की कहानी लैटिन अमेरिका क्षेत्र में आने वाले यूरोपीय आक्रमणकारियों से शुरू होती है। यूरोप से आने वाले फ्रांसीसी और अंग्रेज अपने साथ कुत्ते भी लेकर आए। धीरे-धीरे वह एशिया, अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से भी कुत्ते यहां लेकर आए। कई दशकों का इन कुत्तों के बीच में अनियंत्रित प्रजनन हुआ, जिसकी वजह से कई नई नस्ल सामने आईं। यूरोपियों के जाने के बाद लोगों ने अपने घरों और खेतों की देखभाल के लिए कुत्तों को बड़ी तदाद में पालना शुरू किया। इसकी वजह से कुत्तों की बहुत ज्यादा तदाद हो गई। इसी के फलस्वरूप आज का कारोमेल कुत्ता सामने आया। ब्राजील के लोग इसे अपने इतिहास के संघर्ष और बदलाव का प्रतीक मानते हैं। वहीं, मैक्सिको भी इसे अपनी राष्ट्रीय धरोहर मानता है।

थम जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? जेलेंस्की ने पुतिन को लिखा खुला पत्र

मास्को, एजेंसी। चार साल से भी ज्यादा से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को खुला पत्र लिखकर आमने-सामने बातचीत करने का प्रस्ताव रखा है। चार साल में यह पहली बार है जब जेलेंस्की ने खुलकर पुतिन के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा है कि किसी भी तटस्थ देश में बातचीत की जा सकती है। उन्होंने कहा है कि स्विट्जरलैंड, तुर्किए या फिर अरब का कोई भी देश बातचीत के लिए अनुकूल साबित हो सकता है।

बातचीत के लिए सुझाए देशों के नाम : जेलेंस्की ने यह भी कहा है कि बातचीत ना तो मॉस्को में होनी चाहिए और ना ही कीव में। उन्होंने कहा कि बड़े मुद्दों का समाधान दोनों देश के नेता ही कर सकते हैं। ऐसे में पुतिन को ऐसी कोई तारीख निश्चित करनी चाहिए जब बात हो सके। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि केवल अमेरिका पर निर्भर रहकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने का कोई फायदा नहीं होगा। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका का ध्यान इस समय ईरान पर ज्यादा है।

रूस पर गंभीर आरोप : जेलेंस्की ने अपने पत्र में यह भी कहा कि रूस को जमीनी अभियान में सफलता नहीं मिल पाई है और ऐसे में वह बैलिस्टिक मसाइलों का इस्तेमाल ज्यादा करने लगा है। रूस चाहता है कि यह युद्ध एक दो साल और चले ताकि उसे किसी भी तरह

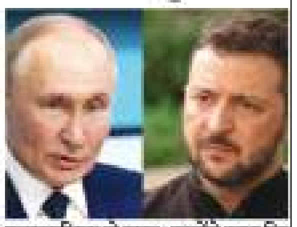

कुछ हासिल हो जाए। उन्होंने कहा कि पुतिन चाहते हैं कि बेलारूस भी इस संघर्ष का हिस्सा बन जाए। इसके अलावा रूस मोल्दोवा में अपने समर्थकों के जरिए ट्रांसनिस्ट्रिया के आसपास तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस इस युद्ध से त्रस्त हो चुका है और अब इसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने दावा किया कि यूक्रेन की तरफ से होने वाले ड्रोन हमलों, बढ़ती महंगाई और ईंधन की कमी की वजह से रूस आर्थिक दबाव में है और पस्त हो चुका है। जेलेंस्की ने दावा किया कि पिछले महीने में ही रूस के 30 हजार से ज्यादा सैनिक या तो मारे गए या फिर अपाहिज हो गए। उन्होंने इस बात से इनकार नहीं किया कि इस युद्ध में यूक्रेन को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि बातचीत के दौरान पूरी तरह से युद्धविराम लागू होना चाहिए। इसके अलावा युद्धबंदियों की भी अदला-बदली होनी चाहिए। जेलेंस्की ने रूस की जेल में बंद अपने नागरिकों को लौटाने की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि दुनिया यूक्रेन से नहीं बल्कि रूस से परेशान हो गई है। यूक्रेन को दुनियाभर के देशों का समर्थन मिल रहा हैऔर रूस पर ही अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाया जा रहा है।

गाजा में फिर भीषण हवाई हमले, महिलाओं-बच्चों समेत 10 की मौत; सीजफायर के बीच भी जारी हिंसा

गाजा , एजेंसी। पश्चिम एशिया में इस समय वार्ता और संघर्ष दोनों साथ चल रहे हैं। गाजा से लेकर लेबनान तक लगातार हवाई हमलों, जवाबी कार्रवाई और संघर्ष विराम के बावजूद हो रही मौतों ने हालात को और गंभीर बना दिया है। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सीजफायर लागू होने के बाद भी अब तक 936 लोगों की मौत हो चुकी है। मंत्रालय को संयुक्त राष्ट्र और स्वतंत्र विशेषज्ञों द्वारा विश्वसनीय माना जाता है, हालांकि यह नागरिकों और लड़ाकों का अलग-अलग आंकड़ा जारी नहीं करता। इस्राइल का कहना है कि हमले उन घटनाओं के जवाब में किए जाते हैं जिनमें समझौते का उल्लंघन या सुरक्षा खतरा शामिल होता है। इस्राइल की सेना ने दावा किया कि उत्तरी गाजा में हुए हमलों में हमास के चार लड़ाकों को मार गिराया गया है। सेना के अनुसार ये लोग हमास नेतृत्व की सुरक्षा और खुफिया जानकारी से जुड़े थे। सेना ने यह भी कहा कि हमलों से पहले नागरिकों को नुकसान से बचाने के लिए सटीक हथियारों और निगरानी का उपयोग किया गया। हालांकि शाम के हमले को लेकर सेना ने तत्काल कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। गाजा पट्टी में इस्राइली हवाई हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। स्थानीय अस्पतालों के अनुसार गुरुवार को हुए अलग-अलग हमलों में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। यह हमले ऐसे समय में हुए हैं जब क्षेत्र में पहले से ही जारी संघर्ष और सीजफायर के बावजूद हिंसा की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गाजा सिटी में शिफा अस्पताल के अनुसार रातभर में चार अलग-अलग हमलों में नौ लोगों की मौत हुई। अस्पताल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं, रेड क्रॉस द्वारा संचालित सराया फील्ड अस्पताल ने बताया कि गुरुवार शाम हुए एक और हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक हमले में रिहायशी इमारत की ऊपरी मंजिल पर बड़ा धमाका हुआ, जिससे दीवारें टूट गईं और घर का सामान बिखर गया। हमलों के बाद अस्पतालों में परिजनों की भीड़ उमड़ पड़ी। एक पीड़ित के रिश्तेदार वलीद शबेर ने कहा कि हालात लगातार खराब होते जा रहे हैं।

चीन के लिए करता था जासूसी': अमेरिकी पत्रकार ने कोर्ट में कबूला गुनाह, शी जिनपिंग तक पहुंचती थी रिपोर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाले मामला सामने आया है। चीन में लंबे समय से रह रहे अमेरिकी पत्रकार थॉमस पाउकेन द्वितीय ने अदालत में स्वीकार किया है कि वह बिना कानूनी अनुमति के चीनी सरकार के एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के लिए जानकारी जुटाने और प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करने का काम किया। दोषी करार दिए जाने के बाद उन्हें 1 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी और उसे अधिकतम 10 साल की जेल हो सकती है।

पाउकेन 2010 से चीन में रह रहे थे और वहां कई सरकारी मीडिया संस्थानों के साथ काम कर चुके हैं। वह अपने पिता से अलग पहचान बनाने के लिए टॉम मैकग्रेगर नाम से लेख लिखते थे। उनके पिता

टेक्सास रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं।

जांच एजेंसियों ने क्या-क्या खुलासे किए : जांच एजेंसियों के मुताबिक, पाउकेन कम से कम 2019 से चीनी एजेंटों के संपर्क में था। वह कैथी नाम की एक महिला के लिए रिपोर्ट तैयार करते थे, जिसे वह चीन की सुरक्षा एजेंसियों से जुड़ा मानते थे। आरोप है कि 2019 से 2025 के बीच उसे इन रिपोर्टों के बदले करीब एक लाख डॉलर और अमेरिका की कई प्रायोजित यात्राएं मिलीं। पाउकेन का दावा था कि उनकी रिपोर्टें सीधे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग तक पहुंचती थीं। एफबीआई के अनुसार, पाउकेन ने ऐसे लोगों की तलाश की जो अमेरिकी प्रशासन में नौकरी हासिल कर सकते थे और बाद में संवेदनशील या गोपनीय जानकारी चीन तक पहुंचा सकें। फरवरी 2025 में वाशिंगटन में हुई एक बैठक के दौरान उन्होंने एक व्यक्ति को सिम कार्ड दिया और उसे हर सप्ताह रिपोर्ट तैयार करने के बदले 10,000 डॉलर देने का प्रस्ताव रखा। जांचकर्ताओं का कहना है कि इन रिपोर्टों का उद्देश्य अमेरिकी नीतियों को प्रभावित करना था।

अदालती दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि जनवरी 2025 में अमेरिका लौटने पर पाउकेन ने अधिकारियों को बताया था कि वह एक ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहा है जो ट्रंप प्रशासन में नौकरी पाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने माना था कि उन्हें 80 प्रतिशत यकीन है कि वह व्यक्ति नौकरी मिलने के बाद चीन को गोपनीय जानकारी दे सकते हैं।

पाउकेन किन्हें अपनी रिपोर्ट बेची : न्याय विभाग के अनुसार, पाउकेन ने चीन के वुहान शहर से जुड़े कुछ लोगों को भी रिपोर्टें बेचीं। ये लोग अमेरिकी तकनीक और न्याय विभाग से जुड़ी जानकारियां चाहते थे व साइबर जासूसी में मदद करने वाले विशेषज्ञों की तलाश कर रहे थे। जांच में यह भी सामने आया कि पाउकेन ने अमेरिका के विदेशी एजेंट पंजीकरण कानून के तहत खुद को कभी पंजीकृत नहीं कराया और न ही अटॉर्नी जनरल को इसकी जानकारी दी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह मामला चीन की ओर से कथित प्रभाव संचालन और जासूसी गतिविधियों के खिलाफ चल रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

भारत पर दबाव डालने की नीति अंतरराष्ट्रीय संबंधों के लिए हानिकारक : पुतिन

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना 'अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक' है। रूस के राष्ट्रपति ने गुरुवार को सेंट पीटर्सबर्ग के कॉन्स्टेंटाइन पैलेस में अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक के दौरान यह बात कही। क्रेमलिन के अनुसार, पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए पुतिन ने कहा, 'मुझे आपका सवाल थोड़ा अजीब लगा। आपने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सहयोग की वजह से रूस और भारत के रिश्तों में दिक्कतें पैदा हो रही हैं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा है।' उन्होंने कहा कि? आप ऐसा क्यों सोचते हैं? हम पूरी तरह तैयार हैं। हमें खुशी है कि भारत सभी देशों के साथ अपने रिश्ते विकसित कर रहा है। वह एक महान

देश है, जिसकी आबादी 1.5 अरब है, जिसकी अर्थव्यवस्था बड़ी है, और जिसे कई लोग दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहते हैं।

पुतिन ने कहा कि यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि भारत अपने हितों के अनुसार अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाए और जिन देशों के साथ जरूरी समझे, उनके साथ सहयोग करे। रूसी राष्ट्रपति ने कहा, 'कुछ मामलों में अमेरिका भारत पर दबाव बनाने की कोशिश करता है। उदाहरण के लिए, रूस के साथ कुछ क्षेत्रों में सहयोग को लेकर, लेकिन अब सभी यह समझ चुके हैं कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दबाव डालना अंतरराष्ट्रीय संबंधों और द्विपक्षीय रिश्तों के लिए नुकसानदायक है, चाहे यह दबाव कहीं से भी आए।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'टास' के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ होने वाली यह वार्षिक बैठक दुनिया की प्रमुख मीडिया संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों और पत्रकारों के साथ अंतरराष्ट्रीय घटनाओं, आर्थिक मुद्दों और रूस की विदेश नीति पर सवाल-जवाब के रूप में चर्चा करने का अवसर देती है। यह बैठक सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान हो रही है, जो तीन जून से छह जून तक आयोजित होगी।

दिसंबर 2025 में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भारत की एक महत्वपूर्ण राजकीय यात्रा की थी। दो दिनों तक चली इस यात्रा के दौरान नई दिल्ली में शिखर स्तर की वार्ताएं, औपचारिक कार्यक्रम और कई द्विपक्षीय बैठकें हुई थीं। इन चर्चाओं में रक्षा सहयोग, आर्थिक साझेदारी, ऊर्जा संबंधों और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बात हुई थी। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ औपचारिक बातचीत भी की थी। दोनों नेताओं ने भारत-रूस साझेदारी की समीक्षा की थी, जिसे 'रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा मिले 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं।

पाकिस्तान तो भरोसे के काबिल ही नहीं, यूएस-ईरान में मध्यस्थता को लेकर भड़का इजरायल

तेलअवीव, एजेंसी। भारत में इजरायली राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि मध्य एशिया में चल रहे तनाव को कम करने के लिए मध्यस्थता कर रहा पाकिस्तान विश्वास के काबिल नहीं है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक अविश्वसनीय और केवल परेशानी पैदा करने वाला दे है। बता दें कि पाकिस्तान बार-बार और ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में मध्यस्थता का दावा कर रहा है और अमेरिकी इसे स्वीकार भी कर रहा है।

आतंक का समर्थक है पाकिस्तान : अजार ने कहा कि मध्यस्थता करने के लिए सबसे पहले ऐसी पार्टी की जरूरत होती है जिसपर विश्वास किया जाए और वही क्वालिटी पाकिस्तान में है नहीं। बता दें कि पिछले सप्ताह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता पर भारत ने किसी तरह की आपत्ति जाहिर नहीं की है। वहीं इजरायली राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान के पास मध्यस्थता करने की क्षमता ही नहीं है। उन्होंने कहा, अगर मध्यस्थता करने वाली पार्टी ही कट्टरपंथियों की समर्थक हो तो उसका क्या परिणाम निकलने वाला है। पाकिस्तान का झुकाव हमेशा से आतंकवाद और रूढ़िवादी ताकतों की ओर रहता है। ऐसे में अमेरिका को भी सतर्क रहने की जरूरत है और ऐसे देश के झांसे में नहीं आना चाहिए। बता दें कि पिछले महीने जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भारत यात्रा पर आए थे तो पाकिस्तान को लेकर चर्चा तो खूब हुई लेकिन यह मुद्दा

आतंकवाद पर ही फोकस था। ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता को लेकर कोई चर्चा नहीं की गई।

पीएम मोदी और नेतन्याहू के रिश्ते पर क्या बोले राजदूत : अजार ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच किसी भी तरह की दरार की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि जो लोग दोनों नेताओं के बीच फूट की उम्मीद कर रहे हैं, उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा। उन्होंने लेबनान में सैन्य अभियान को लेकर इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू और ट्रंप के बीच कथित तीखी बहस को 'मैत्रीपूर्ण रणनीतिक मतभेद' बताया। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत इन मतभेदों को वास्तविकता से कहीं अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया। अजार ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच कथित तनाव की धारणा किसी बुनियादी रणनीतिक मतभेद के कारण नहीं, बल्कि उनकी अलग-अलग कार्यशैली और व्यक्तिगत नेतृत्व शैली के कारण पैदा हुई है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत से लोग राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नेतन्याहू के बीच दरार तलाशना चाहते हैं।

ईरान संघर्ष से बढ़ी महंगाई अस्थायी, जल्द कम होंगी कीमतें: अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था को लेकर ट्रंप प्रशासन की नीतियों का बचाव किया। बढ़ती ईंधन और उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों को लेकर हो रही आलोचना के बीच उन्होंने लॉमेकर्स से कहा कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण बढ़ी महंगाई अस्थायी है और स्थिति सामान्य होने पर कीमतें फिर कम हो जाएंगी। यह मुद्दा प्रतिनिधि सभा की वेज एंड मीन्स समिति की लंबी और कई बार तीखी सुनवाई के दौरान बार-बार उठा। डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने आरोप लगाया कि ईरान से जुड़े संघर्ष के कारण ईंधन, घरेलू खर्च और महंगाई बढ़ी है, जिससे अमेरिकी परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ा है। बेसेंट ने माना कि इस संघर्ष का असर ऊर्जा बाजारों पर पड़ा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इसका प्रभाव स्थायी नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''ईरान संघर्ष के कारण कीमतों में अल्पकालिक बढ़ोतरी हुई है, जो समय के साथ कम हो जाएगी।''

वित्त मंत्री ने कहा कि हालिया मूल्य वृद्धि के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था बहुत मजबूत है और इसके समर्थन में रोजगार वृद्धि, निजी क्षेत्र में निवेश और वेतन बढ़ने का हवाला दिया।

हालांकि डेमोक्रेटिक प्रतिनिधियों ने इस दावे पर सवाल उठाए। समिति में शीर्ष डेमोक्रेट सदस्य रिचर्ड नील ने कहा कि परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों पर पहले से अधिक खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने बढ़ती कीमतों के लिए टैरिफ और ईरान संघर्ष दोनों को जिम्मेदार ठहराया। कई डेमोक्रेटिक लॉमेकर्स ने बढ़ती ईंधन कीमतों को खराब होती आर्थिक स्थिति का संकेत बताया। जुडी चू ने कहा कि अमेरिकी

नागरिक अब भी पेट्रोल, किराने के सामान और घरेलू वस्तुओं के लिए ज्यादा कीमत चुका रहे हैं। वहीं ब्रेंडन बॉयल ने अर्थव्यवस्था को संभालने के तरीके को लेकर जनता में बढ़ती नाराजगी का उल्लेख किया। जॉन लार्सन ने बेसेंट से पूछा कि क्या इस संघर्ष के कारण ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर बेसेंट ने जवाब दिया, ''जी हां, संघर्ष की वजह से कीमतें बढ़ीं।'' हालांकि उन्होंने दोहराया कि यह बढ़ोतरी अस्थायी है और व्यापक महंगाई की स्थिति नियंत्रण में बनी हुई है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के पद संभालने के बाद से कोर महंगाई दर में 0.5 प्रतिशत की गिरावट आई है।'' बेसेंट ने ईरान संघर्ष को लेकर प्रशासन की व्यापक नीति का भी बचाव किया। उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना राष्ट्रीय सुरक्षा की प्राथमिकता है और इसके लिए अल्पकालिक आर्थिक परेशानियां स्वीकार की जा सकती हैं।

लॉमेकर्स के साथ चर्चा के दौरान उन्होंने कहा कि अगर ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने या वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरे में डालने की अनुमति दी जाती, तो अमेरिकी नागरिकों को कहीं अधिक गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि ऊर्जा बाजार पहले ही खुद को नई परिस्थितियों के अनुसार ढालना शुरू कर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''कच्चे तेल की कीमतों में 20 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है और पेट्रोल की कीमतें आमतौर पर कच्चे तेल की कीमतों का ही अनुसरण करती हैं।''

यह सुनवाई से स्पष्ट हो रहा है कि ईरान संघर्ष के आर्थिक प्रभाव अब वॉशिंगटन में एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन चुके हैं। रिपब्लिकन नेताओं ने राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए प्रशासन की नीति का समर्थन किया, जबकि डेमोक्रेटिक नेताओं का कहना है कि इसकी आर्थिक कीमत आम अमेरिकी नागरिकों को अधिक महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि के रूप में चुकानी पड़ रही है।

झामुमो का बूथ स्तरीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न, हजारों कार्यकर्ता हुए शामिल

लातेहार। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जिला समिति के तत्वावधान में शनिवार को शहर के टाउन हॉल में बूथ स्तरीय एसआईआर, बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हुआ। लातेहार एवं मनिका विधानसभा क्षेत्रों समेत जिले के विभिन्न प्रखंडों से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता व पदाधिकारी इसमें जुटे। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पाण्डेय, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मंत्री वैद्यनाथ राम, जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव व अन्य नेताओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मंच संचालन युवा नेता सौरव श्रीवास्तव ने किया। मुख्य अतिथि विनोद पाण्डेय का जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव के नेतृत्व में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इसके बाद कार्यकताओं ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकतः विनोद पाण्डेय प्रशिक्षण को

संबोधित करते हुए केंद्रीय महासचिव विनोद पाण्डेय ने कहा कि झामुमो की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का आान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा आदिवासी, मूलवासी, किसान, मजदूर और समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी बताते हुए कहा कि निष्पक्ष व त्रुटिरहित मतदाता सूची ही लोकतंत्र का आधार है। बीएलए-2 कार्यकताओं की भूमिका अहम बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर मतदाता सूची पुनरीक्षण में सकारात्मक योगदान दें। पात्र नागरिकों का नाम सूची में दर्ज कराएं और त्रुटियों का निराकरण कराएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता व स्वागत भाषण जिलाध्यक्ष लाल मोती नाथ शाहदेव ने दिया।

उपायुक्त ने मसलिया में विशेष शिविर का किया उद्घाटन

रफ़्तार सवांददाता,कुमार विक्रम

दुमका- उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने शनिवार को मसलिया प्रखंड की हारोरायडीह पंचायत में दीप प्रज्वलित कर अबुआ जाति-निवासी प्रमाण-पत्र विशेष शिविर का उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निदेर्शानुसार जारी इस महत्वाकांक्षी अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को पंचायत स्तर पर ही जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें प्रखंड और अंचल कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें।शिविर को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जाति और निवासी प्रमाण-पत्र छात्रवृत्ति, नामांकन और सरकारी योजनाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बताया कि आज से 20 जून तक जिले की सभी पंचायतों में तिथिवार विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे भारी संख्या में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।कार्यक्रम के बाद उपायुक्त ने पंचायत सचिवालय का निरीक्षण कर आवेदन जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया और अधिकारियों को समय सीमा के भीतर पारदर्शिता से काम करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने वहां स्थित ज्ञान केंद्र (लाइब्रेरी) का भी जायजा लिया और स्थानीय बच्चों के लिए बेहतर अध्ययन सामग्री सुनिश्चित करने को कहा।इसके उपरांत, उपायुक्त ने मसलिया प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने बीडीओ कार्यालय में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, फाइलों, राशन वितरण और चापानल कंट्रोल रूम की स्थिति की गहन समीक्षा की। उपायुक्त ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया जाए, ताकि किसी भी ग्रामीण को एक ही काम के लिए बार-बार कार्यालय न आना पड़े।

लातेहार रेलवे स्टेशन पर सनसनी: प्लेटफॉर्म-2 से अज्ञात युवक का शव बरामद

लातेहार। शनिवार सुबह करीब 10 बजे लातेहार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। रेलवे के सहायक उप निरीक्षक दानियल तिर्की के मुताबिक, पैसेंजर ट्रेन से उतरे यात्रियों ने सूचना दी कि प्लेटफॉर्म की बेंच पर एक व्यक्ति लेटा है और कोई हरकत नहीं कर रहा। रेलवे कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे तो युवक मृत मिला। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। आसपास के लोगों से पूछताछ के बावजूद मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मौत के कारणों और युवक की पहचान का पता लगाया जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

09 जून को जिला परिषद कार्यालय परिसर में होगा आम उत्सव-सह-बागवानी मेला का आयोजन

बोकारो

उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आगामी 09 जून 2026 को आयोजित होने वाले बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत एक दिवसीय आम उत्सव-सह-बागवानी मेला की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में डीडीसी ने सभी प्रखंडों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र से 5 से 8 आम उत्पादक लाभुकों (एसएचजी दीदी) का चयन सुनिश्चित करें। प्रत्येक चयनित लाभुक आम के साथ मेले में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जिला परिषद कार्यालय परिसर में आयोजित होने वाले मेले में प्रत्येक प्रखंड का आकर्षक एवं सुसज्जित स्टॉल लगाया जाएगा, जिसमें स्थानीय आम उत्पादकों की उपज का प्रदर्शन किया जाएगा।डीडीसी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लाभुकों के चयन, परिवहन व्यवस्था एवं स्टॉल निर्माण सहित सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि प्रखंड स्तर पर प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता की टीम गठित कर लाभुकों को वाहन के माध्यम से कार्यक्रम स्थल तक ससमय पहुंचाना सुनिश्चित करें।

डीडीसी ने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सौंपे गए दायित्वों का समयबद्ध निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने आम उत्पादकों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा मेले को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करने को कहा।

विश्व खाद्य दिवस पर मानवता की मिसाल बना प्यार बांटते चलो अभियान

प्रतिदिन 150 से 220 जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक कराया जाता है भोजन

झुमरी तिलैया - विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर शहर में संचालित सामाजिक सेवा अभियान प्यार बांटते चलो मानवता, सेवा और सामाजिक सहयोग की प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरा है। रेलवे स्टेशन के समीप संचालित इस अभियान के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 150 से 220 जरूरतमंद लोगों को मात्र पांच रुपये में पौष्टिक एवं स्वच्छ भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि जरूरतमंदों को भोजन पूरी तरह निःशुल्क देने के बजाय पांच रुपये का सांकेतिक शुल्क लिया जाता है, जिससे उनका आत्मसम्मान बना रहता है। इस व्यवस्था के पीछे उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों में सम्मान और आत्मनिर्भरता की भावना को भी बनाए रखना है।

अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों के अनुसार भोजन पूरी स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का पालन करते हुए तैयार किया जाता है। नियमित रूप से भोजन की गुणवत्ता की जांच की जाती है ताकि लाभार्थियों को ताजा, पौष्टिक और सुरक्षित भोजन मिल सके। शहर स्थित रसोई केंद्र में भोजन तैयार कर प्रतिदिन दोपहर रेलवे स्टेशन के समीप वितरण किया जाता है।

इस सेवा कार्य में समाज के विभिन्न वर्गों का उल्लेखनीय योगदान मिल रहा है। कई लोग अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ तथा अन्य विशेष अवसरों पर भोजन प्रायोजित करते हैं। इसके अलावा खाद्य सामग्री, मिठाई और आर्थिक सहयोग के माध्यम से भी लोग अभियान को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ-साथ विदेशों में रह रहे कोडरमा और झारखंड के लोग भी इस मानवीय पहल से जुड़कर सहयोग दे रहे हैं। सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि प्यार बांटते चलो केवल भोजन वितरण कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सम्मान, संवेदना और सहयोग पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर यह अभियान यह संदेश देता है कि यदि समाज मिलकर प्रयास करे तो कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं रहेगा।

अभियान की सफलता सामूहिक सहभागिता, सेवा भावना और निस्वार्थ सहयोग का परिणाम है। बिना किसी पदाधिकारी या औपचारिक संगठनात्मक संरचना के यह सेवा कार्य निरंतर संचालित हो रहा है। अभियान से जुड़े प्रमुख सहयोगियों में मधुसूदन दारुका, विकास दासका, अरुण मोदी, अमित जैन, चन्द्रशेखर जोशी,विकास गुप्ता, कमल दासका, माया दारुका, श्रुति दारुका, ऋतू दारुका, नेहा बजाज, सहित अनेक समाजसेवी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

विश्व खाद्य दिवस पर यह अभियान समाज के लिए एक प्रेरक संदेश बनकर सामने आया है कि सामूहिक प्रयास, सेवा भावना और संवेदनशीलता के बल पर भूख जैसी समस्या से प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है।

झामुमो के बैठक में कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने का संकल्प

दिनेश कुमार पांडेय
रफ्तार ब्यूरो
बोकारो

झारखंड मुक्ति मोर्चा बोकारो जिला समिति द्वारा बोकारो परिसदन में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने की। जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि 10 जून को होने वाले बोकारो जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाना है। उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकताओं को अभी से इसकी तैयारियों में पूरी ताकत से जुट जाने का निर्देश दिया।रतनलाल मांझी ने जोर देकर कहा कि पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना मुख्य लक्ष्य है। इसके लिए बोकारो जिले में लगातार विभिन्न सांगठनिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि इस बूथ स्तरीय सम्मेलन में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाग लेंगे, जिसकी तैयारियां जोरों पर हैं।इस आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने में महिला मोर्चा की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहेगी। मंटू यादव ने सभी नगर पदाधिकारियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा कि शहरी क्षेत्र से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कार्यकताओं का जुटना सुनिश्चित होना चाहिए। इसके लिए नगर के सभी नेता अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारी तेज कर दें। बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य अशोक मुर्मू, केंद्रीय सदस्य अखिलेश महतो, विजय रजवार, इकबाल अंसारी, घुनु हांसदा, मोहन मुर्मू ,फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम, मदन कुमार महतो, भोलू खान, नैयर जमाल, मिथुन मंडल, सदानंद गोप, राकेश सिन्हा, अमित सोरेन, आजाद अंसारी, मुक्तेश्वर महतो, रामदयाल सिंह, किरन बाउरी, शान्ति सोरेन, कुसुम भारती, एकता देवी, प्रमोद तापड़िया, सुभाष महतो, कालीपद महतो, सोनाराम हेंब्रम, दीपक महतो, कृष्णा महतो, महताब खान, गणेश श्रीवास्तव, सुखविंदर सिंह, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, सोमनाथ घोष, समीर अंसारी, अकबर अंसारी, कन्हैया सिंह, सुमित राबानी, अजीत मुर्मू, बम पांडे, पवन बाबू केवट,अशोक हेंब्रम, भागीरथ शर्मा, फिरोज अंसारी, अशोक मांझी, प्रथम हसदा, लालमोहन हेंब्रम,सोहन मुर्मू, अर्जुन महतो, विनोद महतो, मस्तान अंसारी, ओम प्रकाश गुप्ता, जयमाल देवी, टीकू महतो, बेबी देवी, संजय मुर्मू,भीम सोरेन, पूरन महतो, दीपक यादव, भारत यादव, राजेंद्र नाथ मांझी, श्रेष्ठ ठाकुर, दीपक बंसल इत्यादि उपस्थित थे।

कोयला क्षेत्र में मजदूरों के अधिकार, निजीकरण और संगठन विस्तार को लेकर कोल माइन्स वर्कर्स यूनियन यानी सीएमडब्ल्यू की मुगमा एरिया कमेटी की अहम बैठक केंद्रीयपुर कार्यालय में आयोजित की गई

संवाददता कुमारधुबी : कोयला क्षेत्र में मजदूरों के अधिकार, निजीकरण और संगठन विस्तार को लेकर कोल माइन्स वर्कर्स यूनियन यानी सीएमडब्ल्यू की मुगमा एरिया कमेटी की अहम बैठक केंद्रीयपुर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में सदस्यता अभियान, शाखा कमेटियों के गठन और आगामी एरिया सम्मेलन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

6 जून को सेन्ट्रल पुल स्थित सीएमडब्ल्यू कार्यालय में मुगमा एरिया कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन के पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने की, जबकि संचालन एरिया सचिव जगदीश शर्मा ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में यूनियन पदाधिकारी और सदस्य शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते हुए यूनियन के महासचिव कृष्णा सिंह ने केंद्र सरकार की श्रम नीतियों और कोयला क्षेत्र के निजीकरण का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 14 श्रम कानूनों को समाप्त कर 4 लेबर कोड लागू किए हैं, जिससे मजदूरों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ कोयला मजदूरों को एकजुट होकर आंदोलन को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

बैठक में जून से अगस्त 2026 तक व्यापक सदस्यता अभियान चलाने और निर्धारित लक्ष्य हासिल करने का निर्णय लिया गया। साथ ही सभी कोलियरियों में शाखा कमेटियों के गठन पर भी सहमति बनी। इसके अलावा एआईसीसीटीयू के पूर्व महासचिव दिवंगत कॉमरेड स्वप्न मुखर्जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आगामी 8 सितंबर को मुगमा एरिया सम्मेलन आयोजित करने को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

"कोयला क्षेत्र के मजदूरों के अधिकारों पर लगातार हमला हो रहा है। ऐसे समय में संगठन को मजबूत करना और मजदूरों को एकजुट करना हमारी प्राथमिकता है। सदस्यता अभियान और एरिया सम्मेलन के माध्यम से हम आंदोलन को और व्यापक बनाएंगे।"

बैठक में हरेंद्र सिंह, नागेंद्र कुमार, काशीनाथ कोयरी, बीपीन मंडल, संजीत राउत, रंजीत मोदी, सुनील गिरि समेत बड़ी संख्या में यूनियन कार्यकर्ता और सदस्य मौजूद रहे। बैठक में संगठन विस्तार और मजदूर हितों की रक्षा को लेकर व्यापक रणनीति पर चर्चा की गई।

एग्यारकुंड प्रखंड के विभिन्न बूथों पर कांग्रेस नेताओं ने किया दौरा, BLO से लिया कार्यों का जायजा

कुमारधुबी-एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकताओं और पदाधिकारियों की एक टीम ने प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों (बूथों) का सघन दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य बूथ स्तर पर चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना था।

?नेताओं ने बूथ संख्या 376, 377, 378, 379, 380, 381, 382, 383, 384, 385, 386, 387, 389, 398, 399, 400 और 401 का निरीक्षण किया।

?निरीक्षण के दौरान इन सभी बूथों पर बीएलओ (इछड) मुस्तैद और उपस्थित पाई गईं। उपस्थित बीएलओ से जब कार्यों की प्रगति रिपोर्ट मांगी गई, तो उन्होंने संयुक्त रूप से जानकारी दी कि लगभग 50% से 60% मैपिंग (टंस्र्स्र्ल्ल्ॅ) का कार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लिया गया है।

?इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी ने कार्य की गति पर संतोष जताया और बचे हुए मैपिंग कार्य को भी जल्द से जल्द और त्रुटिहीन तरीके से पूरा करने का आग्रह किया।

इस दौरान मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष शंकर कोइरी, नुकुल मोदी, मनोज रजक, प्रकाश पासवान, रूस्तम पासवान और हरि राय सहित कई स्थानीय कार्यकर्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

झारखंड टी-20 लीग: 99 ग्रुप की 'कोयलांचल सुपर किंग्स' दिखाएगी दम, रॉबिन मिंज बने टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: आईपीएल की तर्ज पर झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) द्वारा आयोजित होने जा रहे 'झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग' को लेकर खेल प्रेमियों का रोमांच चरम पर है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज भी अपनी दमदार सहभागिता निभाते हुए 'कोयलांचल सुपर किंग्स' की टीम के रूप में उतर रही है। लीग में भाग लेने के लिए कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम धनबाद पहुंच चुकी है और मैदान पर पसीना बहाते हुए प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। शनिवार को धनबाद के एक निजी होटल में भव्य प्रेस वार्ता का आयोजन कर टीम के इरादों और तैयारियों को मीडिया के सामने रखा गया।

खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ाना हमारा मुख्य उद्देश्य: श्याम पांडे

प्रेस वार्ता के दौरान 99 ग्रुप ऑफ कंपनीज के सीएमडी सह कोयलांचल सुपर किंग्स के ऑनर श्याम पांडे ने खेल और खिलाड़ियों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा:

99जी ग्रुप हमेशा से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें बेहतर मंच उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। झारखंड के युवाओं में क्रिकेट की अपार प्रतिभा है। यदि उन्हें उचित अवसर और सही सहयोग मिले, तो वे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूबे का नाम रोशन कर सकते हैं। हमारा उद्देश्य केवल खिलाड़ियों को जोड़ना नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास को मजबूत करना है। टीम इस बार मैदान पर जोश और बेहतरीन तालमेल के साथ उतरेगी और पूरे कोयलांचल का नाम चमकाएगी।"

उन्होंने पूरे कोयलांचल वासियों से अपनी इस घरेलू टीम और खिलाड़ियों को भरपूर सपोर्ट करने की अपील की है।10 जून से रांची में भिड़ेंगी 6 टीमें, हॉटस्टार पर दिखेगा लाइव मैच

प्रेस वार्ता में दी गई जानकारी के अनुसार, झारखंड टी-20 क्रिकेट लीग का रोमांचक आगाज आगामी 10 जून से राजधानी रांची में होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में राज्य भर की कुल 6 दिग्गज टीमें खिताब के लिए आपस में भिड़ेंगी, जिसमें धनबाद और आसपास के पूरे क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कोयलांचल सुपर किंग्स की टीम करेगी। क्रिकेट फैंस के लिए अच्छी खबर यह है कि इस लीग के सभी मुकाबलों का सीधा (लाइव) प्रसारण ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार पर किया जाएगा।

पिकअप वैन की टक्कर से 11 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल

दुमका- दुमका-गोबिंदपुर हाईवे पर शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। मसलिया थाना क्षेत्र के गोबरा मोड़ नयाडीह के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित पिकअप वैन ने सड़क किनारे खड़ी 11 साल की मासूम बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। घायल बच्ची की पहचान प्रतिमा कुमारी के रूप में हुई है, जो जामा प्रखंड के सिकटिया पंचायत अंतर्गत कोहबरा गाँव के निवासी राज किशोर राय की पुत्री है। वह गोबरा मोड़ नयाडीह में अपने मामा के घर रह रही थी।

टक्कर इतनी भयानक थी कि बच्ची की स्थिति अत्यंत नाजुक बनी हुई है। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे आनन-फानन में फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल, दुमका ले गए। डॉक्टरों के अनुसार, बच्ची की हालत गंभीर है; वह अचेत अवस्था में है, बोल नहीं पा रही है और उसे लगातार उल्टी व मुंह से झाग आने की शिकायत है। चिकित्सा दल उसकी जान बचाने के लिए लगातार प्रयासरत है।इधर, घटना की सूचना मिलते ही मसलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वैन को जब्त कर अपने साथ थाने ले गई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है, वहीं इस हादसे के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

गयाजी के आजाद बिगहा में सैकड़ों जरूरतमंदों के बीच गमछा और ओआरएस का वितरण

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता

भीषण गर्मी और लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सामाजिक संस्था काउंसिल ऑफ मगध वूमेन एम्पावरमेंट (कॉमवे) द्वारा गयाजी के परैया प्रखंड के आजाद बिगहा गांव में शनिवार को सैकड़ों गरीब, असहाय एवं जरूरतमंद लोगों के बीच गमछा, ओआरएस और चप्पल का निःशुल्क वितरण किया गया।

कार्यक्रम संस्था के मुख्य संरक्षक डॉ. प्रवीण रंजन गांधी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक सहायता पहुंचाना संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लू एवं डिहाइड्रेशन से बचाव के लिए ओआरएस, गमछा और चप्पल का वितरण अत्यंत उपयोगी साबित होगा। साथ ही उन्होंने समाज के सक्षम लोगों से जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

संस्था के अध्यक्ष नवीन रंजन ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने बताया कि संस्था शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है। वहीं संस्था की सचिव तमकनत मुख्तार ने लोगों को गर्मी से बचाव तथा स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी।

कार्यक्रम में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के शोधार्थी रवि कुमार, राहुल कुमार, अभिजीत कुमार, प्रीतम कुमार, कृष्णा कुमार, अभिनाश कुमार केशरी, कृष्णा मांझी, शांति देवी, स्नेहा प्रकाश, बॉबी देवी, प्रवीण कुमार एवं मृदुला कुमारी सहित अन्य सदस्यों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के वंचित वर्गों की सहायता के लिए इस प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम समय की आवश्यकता हैं तथा भविष्य में भी ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. एम.एस. अली, डॉ. प्रदीप कुमार, अजय कुमार ठाकुर, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. मंगल कुमार, डॉ. राजीव रंजन पांडेय, प्रशांत कुमार और मनोरंजन अग्रवाल सहित कई लोगों ने आर्थिक सहयोग प्रदान किया। संस्था ने सभी सहयोगकताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

सिक्किम उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एवं पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश के परिजनों ने किया महाबोधि मंदिर का दर्शन

गयाजी/रफ्तार मीडिया
प्रभात सिन्हा/वरीय संवाददाता
विश्व धरोहर महाबोधि महाविहार में शनिवार को सिक्किम उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति भास्कर राज प्रधान तथा पटना उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी मदन राय के परिजनों एवं अतिथियों ने भगवान बुद्ध के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने विश्व शांति, मानव कल्याण एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यायमूर्ति भास्कर राज प्रधान अपने परिवार एवं सहयोगी कर्मियों के साथ बोधगया पहुंचे थे। वहीं मुख्य न्यायाधीश मीनाक्षी मदन राय के परिजन एवं अतिथि भी गयाजी भ्रमण के दौरान महाबोधि मंदिर पहुंचे। दोनों शिष्टमंडलों ने एक साथ महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध के समक्ष श्रद्धापूर्वक नमन किया और आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। महाबोधि मंदिर परिसर में आगमन पर बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति (बीटीएमसी) की सचिव डॉ. महाश्वेता महारथी एवं केयरटेकर भिक्षु दीनानंद ने अतिथियों का स्वागत

किया। इसके बाद मंदिर के गर्भगृह में भगवान बुद्ध के समक्ष पूजा-अर्चना एवं मंगल सूत्रपाठ कराया गया तथा उनके सुख, समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की गई।दर्शन के उपरांत अतिथियों ने पवित्र बोधि वृक्ष के दर्शन किए और महाबोधि मंदिर परिसर स्थित विभिन्न पवित्र स्थलों का अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर की आध्यात्मिक गरिमा, शांत वातावरण तथा उत्कृष्ट व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए विजिटर पुस्तिका में अपने विचार भी दर्ज किए। अंत में बीटीएमसी की ओर से मुख्य पुजारी भंते चालिंदा, भंते डॉ. मनोज एवं समिति सदस्य किरण लामा ने अतिथियों को भगवान बुद्ध की प्रतिमा, पवित्र बोधि वृक्ष का पत्ता, महाबोधि महाविहार संबंधी साहित्य तथा मंदिर में अर्पित चीवर स्मृति-चिह्न के रूप में भेंट किया।

गर्मी का टॉर्चर, मारवाड़ी युवा मंच का सहारा: 'वॉटर ऑन व्हील्स' बुझा रहा धनबाद की प्यास

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों से बेहाल लोगों को राहत देने के लिए मारवाड़ी युवा मंच, गोविंदपुर ने एक सराहनीय पहल की है। मंच द्वारा शहर में "वॉटर ऑन व्हील्स" सेवा का संचालन किया जा रहा है, जिसका शनिवार को छठा दिन रहा। इस सेवा के तहत शहर के विभिन्न व्यस्त इलाकों में आम लोगों और जरूरतमंदों को बिल्कुल मुफ्त में ठंडा और साफ पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।पानी का यह विशेष रथ रोजाना सुबह से शाम तक पूरे शहर का चक्कर लगा रहा है। शनिवार को भी इस रथ ने शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएनएमएमसीएच), कृषि बाजार, कोर्ट मोड़, बस स्टैंड और गोविंदपुर बाजार जैसे भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों का भ्रमण किया और वहां मौजूद लोगों की प्यास बुझाई। अस्पताल आने वाले मरीजों के परिजनों और राहगीरों ने मंच की इस पहल की काफी सराहना की है। मंच के सदस्यों का कहना है कि इस चिलचिलाती धूप में कोई प्यासा न रहे, इसी उद्देश्य के साथ यह सेवा आगे भी लगातार जारी रहेगी।

रामगढ़ जिले में चेन स्नेचर गैंग का बढ़ा आतंक, महिला से सोने की चेन झपटकर फरार

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

मांडू : रामगढ़ जिले में चेन स्नेचर गैंग का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। ताजा मामला शनिवार का है, जहां इलाज कराने के लिए रामगढ़ जा रही एक महिला अपराधियों का शिकार बन गई। बाइक सवार बदमाशों ने महिला के गले से कीमती सोने की चेन झपट ली और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, मांडू चट्टी निवासी सरस्वती देवी रामगढ़ जाने के लिए थाना परिसर के समीप मस्जिद के पास वाहन का इंतजार कर रही थीं। इसी दौरान पहले से घात लगाए दो बाइक सवार अपराधियों ने मौका देखकर उनके गले से करीब दो लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन झपट ली और रामगढ़ की ओर फरार हो गए। घटना इतनी तेजी से हुई कि महिला और आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाश आंखों से ओझल हो चुके थे।

घटना की सूचना मिलते ही मांडू पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। घटनास्थल के समीप स्थित मस्जिद में लगे सीसीटीवी कैमरे में संदिग्धों की गतिविधियां कैद होने की बात सामने आई है। पुलिस फुटेज को खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हाल के दिनों में जिले में छिनतई और चेन स्नेचिंग की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हुई है, जिससे आम लोगों में भय का माहौल है। लोगों ने पुलिस प्रशासन से गश्त बढ़ाने तथा अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

इस संबंध में थाना प्रभारी सदानंद कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

राष्ट्रीय बायथल-ट्रायथल चैंपियनशिप: झारखंड के खिलाड़ियों ने गाड़े सफलता के झंडे, धनबाद के प्रेम किशोर को मिला गोल्ड

अहमदाबाद में आयोजित 15वीं नेशनल चैंपियनशिप में राज्य ने जीते कुल 5 पदक; 1 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

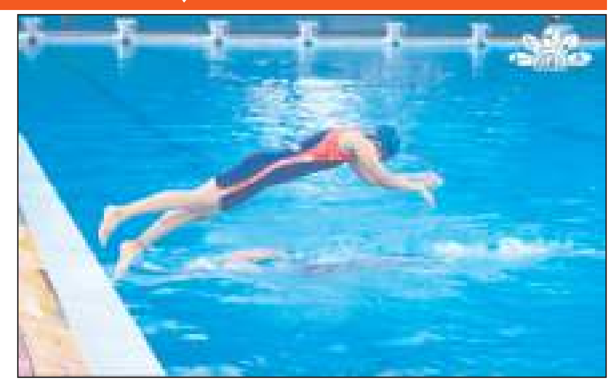

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद: गुजरात के अहमदाबाद में 1 जून से 3 जून 2026 तक आयोजित 15वीं राष्ट्रीय बायथल-ट्रायथल चैंपियनशिप में झारखंड के जांबाज खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट और दमदार प्रदर्शन से इतिहास रच दिया है। मॉडर्न पेंटाथलॉन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में झारखंड की टीम ने देश भर के एथलीटों को कड़ी टक्कर देते हुए कुल 5 पदक (1 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य) जीतकर राज्य का मान बढ़ाया है।

इस पूरी प्रतियोगिता में धनबाद के होनहार खिलाड़ी प्रेम किशोर महतो का जलवा रहा, जिन्होंने दोहरी सफलता हासिल की।

बायथल इवेंट में प्रेम किशोर महतो ने जीता सोना

झारखंड की टीम ने बायथल और ट्रायथल दोनों ही कठिन स्पधाओं में बेहतरीन खेल कौशल का परिचय दिया। बायथल प्रतियोगिता में राज्य की झोली में कुल 3 पदक आए। इसमें मुख्य रूप से धनबाद के प्रेम किशोर महतो ने सीनियर पुरुष वर्ग (व्यक्तिगत) में अपनी रफ्तार और सटीकता के दम पर स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) जीतकर राज्य को गौरवान्वित किया। इसी इवेंट के जूनियर बालक अंडर-21 वर्ग में दीपांशु सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य (ब्रॉन्ज) पदक जीता, जबकि अंडर-19 बालिका वर्ग में अतासी कुमार ने भी देश भर के खिलाड़ियों के बीच अपनी धाक जमाते हुए कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

ट्रायथल में आरती को सिल्वर और प्रेम को मिला ब्रॉन्ज

इसके बाद आयोजित हुई बेहद चुनौतीपूर्ण ट्रायथल प्रतियोगिता में भी झारखंड के खिलाड़ियों का दमखम देखने को मिला। ट्रायथल इवेंट में राज्य को 2 पदक प्राप्त हुए। जूनियर बालिका अंडर-21 वर्ग में आरती कछप ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए रजत पदक (सिल्वर मेडल) अपने नाम किया। वहीं, बायथल में सोना जीतने वाले प्रेम किशोर महतो ने अपनी लय बरकरार रखते हुए सीनियर पुरुष वर्ग में एक और पदक जीतते हुए कांस्य पदक पर कब्जा किया।

कोच और मैनेजर की रणनीति आई काम

झारखंड टीम की इस ऐतिहासिक राष्ट्रीय सफलता के पीछे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत के साथ-साथ उनके कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ की बेहतरीन रणनीति रही। टीम के मुख्य कोच शिवा कुमार महतो, सहायक कोच तरुण मुखिया और टीम मैनेजर उमा सिंह के कुशल मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने महीनों पसीना बहाया था, जिसका परिणाम आज मेडल के रूप में सामने आया है।

खेल संघों और गणमान्य लोगों ने दी बधाई

झारखंड के खिलाड़ियों की इस स्वर्णिम सफलता पर खेल जगत और कोयलांचल में खुशी की लहर दौड़ गई है। खिलाड़ियों को बधाई देते हुए झारखंड ओलंपिक संघ के महासचिव मधुकांत पाठक, कोषाध्यक्ष शिवेंद्र दुबे, उपाध्यक्ष एस.के. पांडे, मॉडर्न पेंटाथलॉन एसोसिएशन ऑफ झारखंड के मृत्युंजय कुमार सिंह**, शैलेंद्र पाठक तथा धनबाद जिला संघ की अध्यक्ष पूजा पांडे ने प्रसन्नता व्यक्त की। इसके साथ ही दावेश कुमार तिवारी, अभिषेक पांडे और शुभम महतो सहित कई गणमान्य खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी। उक्त जानकारी धनबाद जिला मॉडर्न पेंटाथलॉन संघ के सचिव सह झारखंड टीम के मुख्य कोच शिवा कुमार महतो ने मीडिया को दी।

पदक तालिका: झारखंड के विजेता सितारे

खिलाड़ी का नाम	प्रतियोगिता (इवेंट)	आयु/वर्ग	जीता गया पदक
प्रेम किशोर महतो	बायथल	सीनियर पुरुष (व्यक्तिगत)	स्वर्ण
आरती कछप	ट्रायथल	जूनियर बालिका (अंडर-21)	रजत
प्रेम किशोर महतो	ट्रायथल	सीनियर पुरुष वर्ग	कांस्य
दीपांशु सिंह	बायथल	जूनियर बालक (अंडर-21)	कांस्य
अतासी कुमार	बायथल	अंडर-19 बालिका वर्ग	कांस्य।

बाल हितैषी पंचायत पुरस्कार हेतु लइयो उत्तरी पंचायत का राज्य स्तरीय निरीक्षण संपन्न

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया
मांडू (रामगढ़), 06 जून। पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित पंचायत उन्नति सूचकांक (पी ए आई) 2.0 के अंतर्गत बाल हितैषी पंचायत पुरस्कार के लिए लइयो उत्तरी पंचायत का राज्य स्तरीय निरीक्षण एवं मूल्यांकन शनिवार को संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय डीपीआरसी टीम की प्रमुख डॉ. श्वेता सिंह के नेतृत्व में टीम ने पंचायत क्षेत्र में बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, सुरक्षा एवं बाल अधिकारों से संबंधित योजनाओं और गतिविधियों का विस्तृत निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन में आयोजित बैठक में पंचायत द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इसके बाद टीम ने आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था, खेलकूद सुविधाओं तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही बच्चों के नामांकन, नियमित उपस्थिति, टीकाकरण, पोषण स्तर और बाल सुरक्षा से जुड़े अभिलेखों का अवलोकन किया।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार मिश्रा, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अर्जुन महली, प्रखंड समन्वयक शेखर कुमार, मुखिया सुरेश कुमार महतो, पंचायत सचिव ईश्वरी कुमार ठाकुर सहित पंचायत प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविकाएं, सहियाएं, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुखिया सुरेश कुमार महतो ने बताया कि पंचायत स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण को लेकर लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं पंचायत सचिव ईश्वरी कुमार ठाकुर ने पंचायत द्वारा संचालित योजनाओं एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी निरीक्षण टीम को उपलब्ध कराई।

राज्य स्तरीय टीम की प्रमुख डॉ. श्वेता सिंह ने पंचायत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि बाल हितैषी पंचायत की अवधारणा को सफल बनाने में पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी कर्मियों और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अनुकूल वातावरण तैयार करना पंचायत की प्राथमिक जिम्मेदारी है और लइयो उत्तरी पंचायत इस दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है।

कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने निरीक्षण टीम का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। पंचायतवासियों ने विश्वास जताया कि लइयो उत्तरी पंचायत का चयन बाल हितैषी पंचायत पुरस्कार के लिए होने की प्रबल संभावना है, जिससे पंचायत को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान प्राप्त होगी।

एक घंटे की मूसलाधार बारिश ने खोली नगर निगम की पोल, खादी भंडार और एशियन अस्पताल जलमग्न; 5 लाख का नुकसान

रफ्तार मीडिया संवाददाता गोवर्धन रजक धनबाद। कोयलांचल में शनिवार शाम तेज हवा के साथ हुई महज एक घंटे की मूसलाधार बारिश ने जहां लोगों को उमस भरी भीषण गर्मी से राहत दी, वहीं नगर निगम के दावों की पूरी तरह हवा निकाल दी। इस अल्पकालिक बारिश ने शहर के ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह फेल साबित कर दिया। जलजमाव के कारण शहर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया और कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।प्रतिष्ठानों और अस्पतालों में घुसा नाली का गंदा पानी बारिश का सबसे भयावह रूप रणधीर वर्मा चौक के समीप देखने को मिला। यहां स्थित प्रसिद्ध खादी भंडार और गांधी सेवा सदन परिसर पूरी तरह जलमग्न हो गया। नालियों का गंदा पानी दुकानों और गोदामों के भीतर तक प्रवेश कर गया। इसके अलावा, एशियन जालान अस्पताल परिसर में भी बारिश का पानी लबालब भर गया, जिससे मरीजों और उनके तीमारदारों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।15 अगस्त की तैयारी पर फिरा पानी, 5 लाख की क्षतिखादी भंडार के प्रबंधक सतेंद्र कुमार ने निगम प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ा आक्रोश व्यक्त किया। उन्होंने बताया, "हम लोग आगामी 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) के राष्ट्रीय उत्सव की तैयारियों में जुटे थे। गोदाम में भारी मात्रा में नए कपड़े रखे हुए थे। महज एक घंटे की बारिश में नाली का गंदा और दूषित पानी गोदाम के भीतर तक घुस गया, जिससे सारे कीमती कपड़े भीगकर बर्बाद हो गए हैं। इस लापरवाही के कारण खादी भंडार को सीधे तौर पर लगभग 5 लाख रुपये का भारी नुकसान हुआ है।"मानसून से पहले व्यवस्था सुधारने की मांग प्रबंधक ने नगर निगम को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अभी तो मानसून की शुरूआत भी नहीं हुई है और महज एक घंटे की बारिश ने निगम की तैयारियों की पोल खोल कर रख दी है। अगर समय रहते नालियों की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी बदतर हो जाएगी। उन्होंने निगम प्रशासन से मांग की है कि मानसून के पूरी तरह सक्रिय होने से पहले शहर की जल निकासी व्यवस्था को युद्धस्तर पर ठीक किया जाए ताकि व्यापारियों और आम जनता को इस तबाही से बचाया जा सके।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में सात आरोपी गिरफ्तार, पुलिस जांच जारी

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। मांडर थाना क्षेत्र से मानवता को शर्मसार करने वाली एक गंभीर घटना सामने आई है। चान्हो थाना क्षेत्र की एक युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच एवं साक्ष्यों के आधार पर सात लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

मांडर थाना प्रभारी मनोज ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। पीड़िता का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है तथा आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

पुलिस ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक की जाएगी। वहीं घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच आक्रोश एवं चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

डकरा में सीआईएसएफ अंतर-कंपनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता संपन्न

रफ्तार मीडिया संवाददाता

डकरा: सीआईएसएफ यूनिट सीसीएल एनके एवं पिपरवार द्वारा डकरा मुख्यालय परिसर में अंतर-कंपनी वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में एनके और पिपरवार क्षेत्र की 'सी कंपनी (बचरा)' और 'डी कंपनी' की टीमों ने हिस्सा लिया, जहाँ खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल और टीम भावना का प्रदर्शन किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित यूनिट कमांडेंट श्री अमित कुमार ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी हैं। खेल गतिविधियों से बल सदस्यों में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना बढ़ती है, जो उन्हें तनावमुक्त रखने और उनकी कार्यक्षमता को मजबूत करने में मदद करती है।प्रतियोगिता का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ, जहाँ उपस्थित अधिकारियों और बल सदस्यों ने तालियों के साथ खिलाड़ियों की सराहना की।

सीमा विवाद में उलझी खाकी: नदी की रेत से निकला महिला का शव, मची सनसनी!

रफ्तार मीडिया संवाददाता

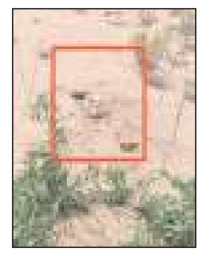

खलारी : चतरा और रांची सीमा नदी की खामोशी के बीच छिपे एक खौफनाक राज ने शनिवार को पूरे इलाके को दहला दिया। रांची और चतरा जिले की सीमा से सटे पिपरवार के सपही नदी क्षेत्र में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। शव को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह सिर्फ एक मौत नहीं, बल्कि बेरहमी से की गई हत्या है, जिसे छिपाने के लिए लाश को बालू में दफन कर दिया गया था।

कहां और कैसे हुआ खुलासा

यह पूरी घटना पंडरिया पुल से करीब 200 मीटर दूर, 'मगरदाहा बंद ओपन कास्ट माइंस' के पास की है।सुबह का खौफनाक मंजर: शनिवार सुबह जब कुछ ग्रामीण नदी किनारे गए, तो उनकी नजर रेत से बाहर निकले इंसानी हाथ और पैर पर पड़ी।रेत में दफन था राज: नजदीक जाने पर ग्रामीणों के होश उड़ गए। बालू के भीतर एक महिला का शव बुरी तरह दबा हुआ था, सिर्फ उसके हाथ-पैर बाहर दिख रहे थे।गुलाबी कपड़ा और उड़ती दुर्गंध: प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मृतका ने गुलाबी रंग के कपड़े पहने हुए थे। शव कई दिन पुराना लग रहा है और उससे तेज दुर्गंध आ रही थी। आशंका है कि हत्या कहीं और की गई और सबूत मिटाने के लिए शव को यहां लाकर बालू में गाड़ दिया गया।

तेरा इलाका या मेरा इलाका'... उलझी रही पुलिस!

इस संवेदनशील मामले में तब एक नया मोड़ आ गया, जब तफ्तीश करने पहुंची पुलिस खुद 'सीमा विवाद' के जाल में फंस गई। घटनास्थल रांची और चतरा जिले के बॉर्डर पर होने के कारण दोनों जिलों की पुलिस मौके पर तो पहुंची, लेकिन काफी देर तक इस बात पर माथापच्ची होती रही कि केस कौन दर्ज करेगापुलिस की इस सुस्ती पर ग्रामीणों ने तीखे सवाल खड़े किए। लोगों का कहना है कि इतने गंभीर मामले में तुरंत एक्शन लेने के बजाय पुलिस घंटों 'क्षेत्राधिकार' तय करने के असमंजस में उलझी रही।

आगे क्या जांच में जुटी चतरा पुलिस

पिपरवार, पंडरिया और आसपास के इलाकों में इस घटना के बाद से खौफ और सन्नाटा पसरा हुआ है। हर जुबान पर बस एक ही सवाल है कि आखिर यह महिला कौन है पिपरवार थाना प्रभारी ने साफ किया है कि क्षेत्राधिकार का मामला स्पष्ट होते ही शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। पुलिस मृतका की शिनाख्त करने के लिए आसपास के थानों से लापता महिलाओं की लिस्ट खंगाल रही है। मामले की हर एंगल (ऑनर किलिंग, आपसी रंजिश या कोई और बड़ी साजिश) से गहन जांच शुरू कर दी गई है।

मामूली विवाद में टोटी झरना रेलवे क्रॉसिंग के पास मारपीट, एक की मौत, एक गंभीर

आशीष कुमार मुखर्जी/रफ्तार मीडिया
कुजू /रामगढ़: कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ नगर परिषद वार्ड संख्या 8 निवासी अशोक मुंडा पिता स्व जयराम मुंडा और उनके मित्र अनिल करमाली स्व लाल करमाली के साथ शुक्रवार देर शाम टोटी झरना रेलवे क्रॉसिंग के पास कुछ लोगों द्वारा जमकर मारपीट की गई। जिससे अशोक मुंडा की मौत हो गई जबकि अनिल करमाली गंभीर रूप से घायल है जिसका इलाज सदर अस्पताल रामगढ़ में चल रहा है । घटना उस समय हुई जब दोनों टोटी झरना बाजार से से अपने घर लौट रहे थे।इस संबंध में मृतक अशोक मुंडा ने कुजू आवेदन के भाई अजय मुंडा पिता स्वर्गीय सुंदर मुंडा ने घटना के संबंध में कुजू ओपी में आवेदन देते हुए बताया कि कुछ लोगों ने मुझे सूचना दिया गया कि मेरा चचेरा छोटा भाई अशोक मुंडा चुरामन रजवार के घर के बगल रेलवे ट्रैक के पास चोटिल अवस्था में बैठा हुआ है। सूचना के बाद मैं और अनिल मुंडा वहां गया और देखा कि अशोक मुंडा और अनिल करमाली रेलवे लाइन के बगल में लेटे हुए हैं । इसके बाद उनका दोनों को घर लाया तो देखा कि दोनों की शरीर पर काफी चोट का निशान है तब मैं और मेरी भाभी

रीता देवी पति दीपक मुंडा के द्वारा पूछने पर बताया कि संध्या 5: 00 6:00 बजे के बीच टोटी झरना बाजार से अशोक मुंडा अनिल मुंडा और राहुल करमाली पिता सुरेश करमाली घर वापस लौट रहा था तो बजरमरी, सांडी ,मांझी टोला रेलवे लाइन के बगल में झाड़ी के पास सेवटा निवासी तीन व्यक्ति राजेश मांझी , तलकु मांझी , और

दिलीप मांझी तीनो अशोक राहुल और अनिल करमाली के साथ धक्का मुक्की करने लगा ।जब इन लोगों ने विरोध किया तो उन तीनों ने संजू मांझी , मनोज मांझी विजय उरांव महावीर मांझी बिरसा मुंडा एवं अन्य अज्ञात लोगों को बुलाया और सभी ने मिलकर इन लोगों को बुरी तरह से लात घूंसों से मारपीट कर घायल कर दिया । और उन लोगों का फोन छीनकर तोड़ दिया । राहुल करमाली किसी प्रकार वहां से भाग निकला । जबकि अशोक और अनिल को ज्यादा चोट लगने के कारण वही चुरामन के घर के पास बैठ गया और वहीं सो गया । इसके बाद मैं अनिल करमाली को उसके घर पहुंच कर वापस आया और देखा कि मेरा चचेरा भाई सो गया है करीब 11:50 बजे रात्रि को मेरी चाची जब अशोक को खाना के लिए पूछने गई तो वह नहीं उठा । जब उसे हिलाने डुलाने पर पता चला कि उसका देहांत हो गया है । सुबह होते ही अनिल करमाली को उसके परिजनों के द्वारा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया । वहीं इसकी सूचना हम लोगों ने कुजू पुलिस को दी ।"

इस घटना की सूचना पाकर वार्ड पार्षद राहुल कुमार उर्फ सोनू साव ने कुजू पुलिस को सूचना दिया। सूचना पाकर कुजू ओपी प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, ए एस आई आशीष गौतम ,राजेश कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । वही इस घटना के बाद क्षेत्र में मातम छा गया वही दहशत का भी माहौल है । इस संबंध में मांडू पुलिस निरीक्षक रजत कुमार, कुज्जू थाना प्रभारी आशुतोष कुमार मामले की छानबीन करते हुए अपराधियों की धर पकड़ के लिए छापामारी कर रही है ।

झारखंड लहेरी समाज के दो दिवसीय प्रांतीय महा-सम्मेलन का गिरिडीह में भव्य आगाज मिजार्गंज में

गिरिडीह/ रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम झारखंड लहेरी समाज को नई, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा देने हेतु शनिवार, 06 जून 2026 को सूर्य मंदिर धर्मशाला में दो दिवसीय प्रांतीय महा-सम्मेलन का गरिमापूर्ण शुभारंभ हुआ। सम्मेलन के पहले दिन समाज की मजबूती के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए।कार्यक्रम का संचालन संयुक्त रूप से प्रवीण लहेरी, चन्दु लहेरी और राहुल कुमार लहेरी ने किया, जबकि अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत लहेरी ने की। बैठक के मुख्य एजेंडे के तहत, आगामी संगठनात्मक ढांचे को पारदर्शी बनाने के लिए एक 'निष्पक्ष चुनाव संचालन समिति' का विधिवत गठन किया गया। इसके साथ ही, समाज के पुराने नियमों और दस्तावेजों में सुधार हेतु 'ऐतिहासिक कागजात संशोधन विधेयक' पटल पर रखा गया, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया।यह महा-सम्मेलन कल 07 जून 2026 तक चलेगा। दूसरे दिन संशोधित बिल के अंतिम अनुमोदन के साथ-साथ नई प्रांतीय/प्रदेश स्तरीय कमेटी का लोकतांत्रिक गठन और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

इस महा-सम्मेलन में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में देश के कोने-कोने से समाज के कद्दावर नेता और पदाधिकारी शामिल हुए, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं:

दिनेश कुमार सिंह (प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा ओबीसी मोर्चा,)

जयेश लखारा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय लखारा महासभा, नई दिल्ली/गुजरात)

अवधेश लाल (लहेरी) (राष्ट्रीय महासचिव, मुंबई/नई दिल्ली)

कैलाश चन्द लहेरी (उपाध्यक्ष, श्री लहेरी समाज प्रगतिशील, जयपुर)

नवीन कुमार लहेरी

संजय कुमार लहेरी (गया जिला लहेरी संघ सचिव)

मदन मोहन लाल लहेरी (समाज समन्वय समिति, नई दिल्ली) और श्रीमती मन्नू देवी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष,

हेमंत कुमार लश्कर (कोलकाता - प्रचार प्रसार मंत्री)

श्यामचन्द कश्यप (जयपुर संरक्षक), पवन कुमार कश्याप, शंकर लहेरी, अर्जुन प्रसाद लहेरी मंतोष लहेरी, फागु साह, पुनम लाल लहेरी (जमशेदपुर), मंजू लखेरा (सवाईडीह, गांधीनगर)

भोला प्रसाद लहेरी, शंभू लहेरी, शंकर लहेरी, श्यामपद लहेरी, बासुदेव लहेरी धीरज प्रसाद लहेरी, शशि कुमार लाहाकर, ध्रुव लहेरी, धीरज कुमार लहेरी, बिना देवी, पूनम देवी, ज्योति देवी, भोला लहेरी, नरेश लहेरी, पवन लहैरी, रवि लहेरी, अरुण लहेरी, पवन, लहेरी झारखंड राज्य के सभी जिला से आये हुए हजारों हजार की संख्या में इस सम्मेलन में भाग लिए सम्मेलन के पहले दिन वक्ताओं ने समाज में समरसता, युवाओं को उच्च शिक्षा, रोजगार के अवसर देने और समाज के आंतरिक नियमों को पूरी तरह लोकतांत्रिक और पारदर्शी बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। इस महा-सम्मेलन को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं और मिजार्गंज के प्रबुद्ध समाजसेवियों का अतुलनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम में भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता दिनेश कुमार सिंह सहित समाज के कई कद्दावर नेता और पदाधिकारी शामिल हुए। वक्ताओं ने समाज में समरसता बढ़ाने, युवाओं को उच्च शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने पर बल दिया।सम्मेलन के दौरान सामाजिक नियमों को लोकतांत्रिक और पारदर्शी बनाने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय युवाओं और प्रबुद्ध समाजसेवियों का विशेष योगदान रहा। अंत में कार्यकारी अध्यक्ष रंजीत कुमार लहरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जनकल्याण पर मंथन, जनता का अभिनंदन: चित्तरंजन में भाजपा की अहम बैठक, गरीब तबके के लिए योजनाओं पर हुई चर्चा

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

भाजपा चित्तरंजन इकाई द्वारा शनिवार शाम 7 बजे अमलादही बाजार स्थित हनुमान मंदिर के समीप एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता, कर्मचारी संघ के सम्मानित पदाधिकारी तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा चित्तरंजन में रह रहे निम्न तबके के लोगों के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर रणनीति बनाना रहा। उपस्थित पदाधिकारियों ने गरीब परिवारों तक केंद्र और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर गहन चर्चा की गई। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर सुझाव साझा किए गए। भाजपा नेताओं ने बताया कि यह बैठक चित्तरंजनवासियों के अभिनंदन के उद्देश्य से भी आयोजित की गई थी। पार्टी ने स्थानीय जनता के सहयोग और समर्थन के लिए आभार जताया। कार्यकताओं से कहा गया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संवाद करें और उनकी समस्याओं को पार्टी स्तर पर उठाएं। बैठक में चित्तरंजन मंडल के सभी कार्यकताओं ने एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाना है। इसके लिए कार्यकताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बैठक में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, कर्मचारी संघ और आरएसएस के पदाधिकारी मौजूद रहे। माहौल पूरी तरह संगठनात्मक ऊर्जा से भरा रहा।

भाटडीह गोदाम से राशन की कथित निकासी पर बवाल, पकड़े गए ट्रक थाने से छोड़े जाने पर उठे सवाल

गिरिडीह/ रेम्बा रप्तार संवादाता पवन कुमार राम

जमुआ भाटडीह स्थित झारखंड खाद्य निगम के गोदाम से कथित रूप से कालाबाजारी के लिए राशन की निकासी का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों द्वारा पकड़े गए चावल लदे ट्रकों को थाना से छोड़ दिए जाने के बाद क्षेत्र की राजनीति गरमा गई है और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की दोपहर ग्रामीणों को सूचना मिली कि भाटडीह गोदाम से रात के अंधेरे और गोपनीय तरीके से चावल लदे ट्रकों को बाहर भेजा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जब उन्होंने ट्रकों की आवाजाही पर आपत्ति जताई, तब भी चावल की निकासी जारी रही। बताया जाता है कि एक ट्रक पहले ही गोदाम से निकल चुका था, जबकि दो अन्य ट्रकों में चावल लोड किया जा रहा था। इसकी सूचना मिलते ही विभिन्न दलों के जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी जमुआ के बीडीओ तथा जिला आपूर्ति पदाधिकारी को दी।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी के निर्देश पर जमुआ प्रखंड विकास पदाधिकारी ने चावल लदे ट्रकों को जमुआ थाना के सुपुर्द करा दिया। लेकिन शनिवार को उन्हीं ट्रकों को थाना से छोड़ दिए जाने की खबर फैलते ही ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में आक्रोश की लहर दौड़ गई। लोगों का कहना है कि जिस मामले में गंभीर अनियमितता की आशंका जताई जा रही थी, उसमें बिना स्पष्ट जांच और सार्वजनिक जानकारी के ट्रकों को छोड़ना कई सवालों को जन्म देता है।मामले को लेकर जमुआ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में प्रमुख प्रतिनिधि संजीत यादव, उप प्रमुख रब्बुल हसन रब्बानी, झामुमो के जिला सह सचिव चीना खान, बीस सूत्री अध्यक्ष जुनैद आलम, प्रखंड अध्यक्ष रंजीत राम, कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष अहमद रजा नूरी, झामुमो नेता बैजू यादव, गौतम सागर राणा, महेंद्र यादव, केदार यादव, प्रमोद वर्मा और पंकज यादव सहित कई नेताओं ने प्रशासन के रवैये पर कड़ा एतराज जताया।

नेताओं ने सवाल उठाया कि जब गोदाम के एजीएम मदन मोहन सिंह दो दिनों की छुट्टी पर थे, तब चावल का वितरण या निकासी किसके आदेश पर की जा रही थी? जो ट्रक पहले गोदाम से बाहर निकला, वह कहां गया? उसमें लदा चावल किसे सौंपा गया? थाना में जब्त किए गए ट्रकों को किस आधार पर छोड़ा गया और उन्हें कहां भेजा गया? इन तमाम प्रश्नों का जवाब प्रशासन को जनता के सामने रखना चाहिए।

जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े खाद्यान्न गरीबों के अधिकार से जुड़ा संवेदनशील विषय है। ऐसे में यदि किसी भी स्तर पर गड़बड़ी हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों तथा संबंधित लोगों पर कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की पारदर्शी जांच नहीं हुई तो जनता के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।फिलहाल भाटडीह गोदाम से चावल निकासी और ट्रकों को छोड़े जाने का मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है तथा लोगों की निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

सोसई आश्रम में 4 जुलाई से शुरू होगा श्री श्री 1008 स्फटिक महामणि सिद्धेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ, समिति का गठन, भुनेश्वर सिंह बने अध्यक्ष

रफ़्तार संवाददाता अभिषेक गुप्ता मांडर। महावीर मंडल हिन्दू धर्म रक्षक संघ, सोसई आश्रम के तत्वावधान में शिव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर आगामी 4 जुलाई से आयोजित होने वाले श्री श्री 1008 स्फटिक महामणि सिद्धेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस संबंध में आयोजित बैठक में यज्ञ समिति का गठन किया गया।

समिति में भुनेश्वर सिंह को अध्यक्ष, जगत साहू एवं विकास तिवारी को उपाध्यक्ष, सतीश तिवारी को सचिव, शैलेश गुप्ता को उप सचिव, आदर्श प्रसाद को कोषाध्यक्ष तथा कुशल कुमार को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

वहीं बसंत सिंह, आशीष गुप्ता, सुरेश साहू, दिनेश प्रजापति एवं विकास कुमार गुप्ता को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विवेक कुमार सोनी एवं डॉ. संजय प्रसाद को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा चंद्र मौली झा, उमेश प्रसाद सिंह, विनय गुप्ता, गोपाल साहू, बटकेश्वर सिंह, मनोज सिंह, कुलदीप मिश्रा, प्रताप साहू, कामेश्वर ठाकुर, शशिभूषण सिंह, चौधरी साहू, बजरंग भगत, सुरेश सिंह, अजीत सिंह एवं छोटू ठाकुर को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया है।

बैठक में यज्ञ को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपते हुए सभी श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से आयोजन में सहयोग करने की अपील की गई।

हरियाली की नई मिसाल: जेमारी हाटतला में 40 देशी पौधों का रोपण, दो वर्षों में ग्रीन जोन बनाने का संकल्प

दिनेश कुमार रजक
रफ्तार मीडिया संवाददाता
चित्तरंजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सलानपुर थाना क्षेत्र के जेमारी हाटतला में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल देखने को मिली। वर्षों से साप्ताहिक हाट के रूप में पहचान रखने वाले इस परिसर में पेड़-पौधों की कमी को दूर करने के उद्देश्य से जेमारी वेलफेयर सोसायटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने करीब 40 देशी प्रजातियों के पौधे रोपे। अभियान के तहत इमली, नीम, बरगद, महोगनी, रबर समेत कई ऐसे वृक्षों का चयन किया गया, जो ग्रामीण अंचलों से धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं। पौधारोपण के साथ ही उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घेराबंदी की व्यवस्था भी की गई, ताकि पौधे सुरक्षित रहकर बेहतर ढंग से विकसित हो सकें। सोसायटी के सदस्यों ने बताया कि केवल पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण भी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने अगले दो वर्षों के भीतर पूरे हाट परिसर को हरियाली से आच्छादित कर पर्यावरण-अनुकूल और आकर्षक स्थल में बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल को स्थानीय लोगों ने खुले दिल से सराहा और इसे क्षेत्र में हरित चेतना जगाने वाला प्रेरणादायक कदम बताया।

गुरपा-गझंडी घाट में बीओबीआर रेक संचालन की तैयारी तेज, महाप्रबंधक ने टनल कार्य का किया निरीक्षण

झुमरी तिलैया पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने गया-कोडरमा रेलखंड के महत्वपूर्ण गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन का निरीक्षण किया। उन्होंने गया-कोडरमा-हजारीबाग टाउन-अरगड़ा-पतरातू-गढ़वा रोड रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए विभिन्न स्टेशनों, पुल-पुलियों, ओएचई प्रणाली, ट्रैक संरचना एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने ग्रैंड कॉर्ड लाइन के गुरपा और गझंडी स्टेशन के बीच स्थित टनल संख्या-01 का विशेष रूप से गहन निरीक्षण किया। यह घाट सेक्शन पूर्व मध्य रेलवे के सबसे चुनौतीपूर्ण रेलखंडों में शामिल है, जहां तीव्र ढाल, घुमावदार ट्रैक और पहाड़ी भूभाग के कारण रेल संचालन विशेष सावधानी के साथ किया जाता है। इसी कारण मालगाड़ियों के संचालन की दृष्टि से इस सेक्शन का काफी महत्व माना जाता है।

रेलवे द्वारा इस टनल का पुनर्रचना एवं आयाम विस्तार का कार्य कराया जा रहा है ताकि इस मार्ग पर बीओबीआर (बॉटम ओपन बॉटम डिस्चार्ज रेक) का संचालन शुरू किया जा सके। पिछले महीने डाउन लाइन में खाली बीओबीआर रेक के सफल ट्रायल के बाद अब अप लाइन में भी ऐसे रेकों के परिचालन की तैयारी चल रही है। इसी उद्देश्य से टनल के आयाम बढ़ाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है, जिसकी प्रगति का महाप्रबंधक ने स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया।गझंडी स्टेशन के समीप स्थित यह घाट सेक्शन कोयला एवं अन्य माल परिवहन के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां बीओबीआर रेक संचालन शुरू होने से बाढ़ तथा बरौनी स्थित एनटीपीसी संयंत्रों को कोयला आपूर्ति और अधिक सुगम होगी। साथ ही वैगनों के टर्नअराउंड समय में कमी आएगी, रेकों की उपलब्धता बढ़ेगी और माल ढुलाई क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

निरीक्षण के दौरान धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र समेत मुख्यालय एवं मंडल के कई वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी मौजूद रहे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि गुरपा-गझंडी घाट सेक्शन में चल रहे कार्यों के पूरा होने के बाद इस मार्ग की मालवाहक क्षमता में बड़ा इजाफा होगा, जिसका लाभ कोडरमा क्षेत्र सहित पूरे रेल मंडल को मिलेगा।

उपायुक्त आलोक कुमार के निर्देश पर विभिन्न पंचायतों में चला विशेष निरीक्षण अभियान, योजनाओं की प्रगति और जनसमस्याओं का लिया जायजा

दीनबंधु राउत / रफ्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा :

जामताड़ा जिले में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा नियमित अनुश्रवण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर प्रखंडवार नामित वरीय अधिकारियों ने विभिन्न पंचायतों का दौरा कर योजनाओं की जमीनी स्थिति का आकलन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पंचायत स्तर पर संचालित विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों, विद्यालयों, जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों, मनरेगा योजनाओं,

कल्याण छात्रावासों, प्रशिक्षण केंद्रों, आवासीय विद्यालयों, स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं अन्य सरकारी संस्थानों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों एवं संबंधित विभागीय कर्मियों के साथ बैठक कर विभिन्न समस्याओं और विकास कार्यों पर चर्चा की। इस दौरान योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों, लाभुकों को मिलने वाली सुविधाओं तथा आवश्यक सुधारात्मक कदमों पर भी विचार-विमर्श किया गया। जिले के विभिन्न प्रखंडों में नामित अधिकारियों ने अलग-अलग पंचायतों का निरीक्षण किया। करमाटांड़ (विद्यासागर) प्रखंड के डुमरिया पंचायत में उप विकास आयुक्त, जामताड़ा प्रखंड के गोपालपुर पंचायत में अंचल अधिकारी, जामताड़ा, लाधना पंचायत में जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार, नाला प्रखंड के खैरा पंचायत में परियोजना निदेशक आईटीडीए, फतेहपुर प्रखंड के चापुड़िया पंचायत में अनुमंडल पदाधिकारी अनंत कुमार तथा कुंडहित प्रखंड के सुद्राक्षीपुर पंचायत में जिला पंचायत राज पदाधिकारी पंकज कुमार रवि ने निरीक्षण कर योजनाओं की समीक्षा की।प्रशासन का उद्देश्य योजनाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन कर पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना तथा विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करना है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।